राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 दिल्ली विधानसभा चुनाव : 15 सीटों पर आप, बीजेपी-कांग्रेस के ...

विराट कोहली के पास अपने पुराने तेवर दिखाने का आखिरी ... 11

वर्ष : 15 | अंक : 258 | पटना, शुक्रवार, 03 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 21°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 79,005

चांदी 92,500

सेंसेक्स 81,786

निफ्टी 24,668

देश की आर्थिक स्थिति उथल-पुथल के दौर में, सरकार के पास कोई ठोस समाधान नहीं: कांग्रेस

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि देश की आर्थिक स्थिति उथल-पुथल के दौर में है। इसके लिए मोदी सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। उसके पास इसका कोई ठोस समाधान नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज यहां एक बयान में कहा कि देश के आम लोगों के जीवन में व्याप्त अव्यवस्था को सात संकेतकों के माध्यम से आंका जा सकता है। इनमें गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या में इजाफा और उसके एनपीए में आया उछाल प्रमुख है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोल्ड लोन में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसके एनपीए में 30 प्रतिशत उछाल आया है। लोगों के घरों में जरूरत की चीजों की खरीद और सेवाओं में पिछली 8 तिमाहियों में गिरावट दर्ज की गई है यानि यह कोविड से पहले वाली स्थिति में नहीं पहुंच पाया है।

खरगे ने कहा कि कार बिक्री में वृद्धि पिछले चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। पिछले 5 वर्षों (2019-2023) में इंजीनियरिंग, विनिर्माण, प्रक्रिया और बुनियादी ढांचा (ईएमपीआई) क्षेत्रों में वेतन में केवल 0.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से वृद्धि हुई है। पिछली आठ तिमाहियों में खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 7.1 प्रतिशत रही है। आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कराधान घरेलू बचत को कम कर रहा है जो 50 साल के निचले स्तर पर है। घरेलू वित्तीय देनदारियां

अब जीडीपी का 6.4 प्रतिशत हैं, जो दशकों में सबसे अधिक है। रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे विदेशी फंड बाहर जाने को मजबूर हो रहे हैं और छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा इसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी आर्थिक नीतियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मोदी जी आपके वार्षिक 'नए साल के संकल्प' हर नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले जुमलों से कम नहीं हैं!

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने भी इन्हीं मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी की है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री के मंगलसूत्र वाले बयान को उद्धृत करते हुए कहा कि हमने उसी दौरान गोल्ड लोन में तेजी से हुई वृद्धि का मुद्दा उठाया था। अनुमानित रूप से करीब 3 लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन भारतीय परिवारों के पास हैं, जो आज तक बकाया हैं। अब यह सामने आ रहा है कि ऋणग्रस्तता के बढ़ते मामले और अर्थव्यवस्था के सुस्त होने के साथ, गोल्डा लोन डफिॉल्टऋ होने के मामले बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में मार्च और जून के बीच तीन महीनों में गोल्ड लोन एनपीए का अनुपात 30 प्रतिशत बढ़ा है यानि 5,149 करोड़ रुपये से उछलकर 6,696 करोड़ रुपये हो गया है। जयराम रमेश ने कहा कि ये तो सिर्फ औपचारिक क्षेत्र के गोल्ड लोन्स हैं जबकि इसका कोई अनुमान नहीं है कि कितने परिवारों ने अनौपचारिक क्षेत्र का सहारा लेकर इस तरह का लोन लिया है। जब परिवार इस तरह के लोन्स के मामलों में डिफॉल्ट करते हैं, तब आम तौर पर उन्हें अपनी सोने की संपत्ति खोनी पड़ती हैं। ज्यादातर मामलों में महिलाओं के आभूषण होते हैं, जिसमें मंगलसूत्र भी शामिल है।

पीएम मोदी ने आज दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

पीएम मोदी तीन जनवरी को दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी अपने 'हाउसिंग फॉर ऑल' के संकल्प के तहत शुक्रवार को दिल्ली के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए बनाए गए नए फ्लैट्स का दौरा करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी लगभग 12:45 बजे दिल्ली में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पीएम मोदी लोगों को बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। पीएम मोदी तीन जनवरी को दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी अपने 'हाउसिंग फॉर ऑल' के संकल्प के तहत शुक्रवार को दिल्ली के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए बनाए गए नए फ्लैट्स का दौरा करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी लगभग 12:45 बजे दिल्ली में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

पीएम मोदी दिल्ली के अशोक विहार में झुग्गी बस्तियों के निवासियों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन करेंगे और पात्र लाभार्थियों को स्वाभिमान अपार्टमेंट की चाबियां भी सौंपेंगे। नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा दूसरी सफल इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के पूरा होने को चिह्नित करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली में झुग्गी बस्तियों के निवासियों को उचित सुख-सुविधाओं से सुसज्जित बेहतर और स्वस्थ रहने का माहौल देना है। सरकार द्वारा एक फ्लैट के निर्माण पर 25 लाख रुपये खर्च किए गए हैं, पात्र लाभार्थी कुल राशि का 7 प्रतिशत से कम भुगतान करते हैं। इसमें 1.42 लाख रुपये का नाममात्र अंशदान और पांच वर्ष के भरण-पोषण के लिए 30,000 रुपये शामिल हैं।

पीएम मोदी दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जिसमें नौरोजी नगर में विश्व व्यापार केंद्र (डब्ल्यूटीसी/वर्ल्ड ट्रेड सेंटर) और सरोजिनी नगर में जनरल पूल आवासीय आवास (जीपीआरए) टाइप-2 क्वार्टर शामिल है। नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर ने क्षेत्र में बदलाव किया है, जहां 600 से अधिक जर्जर क्वार्टरों को अत्याधुनिक कमर्शियल टावरों से बदल दिया गया है। यह परियोजना करीब 34 लाख वर्ग फुट प्रीमियम कमर्शियल स्थान प्रदान करेगी, जिसमें एडवांस सुविधाएं होंगी। इस परियोजना में हरित भवन प्रथाओं को शामिल किया गया है, जिसमें शून्य-निर्वहन अवधारणा, सौर ऊर्जा उत्पादन और वर्षा जल संचयन प्रणाली जैसे प्रावधान शामिल हैं। सरोजिनी नगर में जीपीआरए टाइप-2 क्वार्टर में 28 टावर शामिल हैं, जिनमें 2,500 से ज्यादा आवासीय यूनिट हैं। परियोजना के डिजाइन में वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज और जल उपचार संयंत्र तथा सौर ऊर्जा से चलने वाले अपशिष्ट कॉम्पैक्टर शामिल हैं, जो पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन को प्रोत्साहित करते हैं। पीएम मोदी द्वारका में सीबीएसई के एकीकृत कार्यालय परिसर का भी उद्घाटन करेंगे, जिस पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

इसमें कार्यालय, ऑडिटोरियम, एडवांस डेटा सेंटर, व्यापक जल प्रबंधन प्रणाली आदि शामिल हैं। पर्यावरण के अनुकूल इस इमारत का निर्माण उच्च पर्यावरणीय मानकों के अनुसार किया गया है और इसे भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) के प्लेटिनम रेटिंग मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। पीएम मोदी दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली तीन नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इसमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर में एक अकादमिक ब्लॉक और द्वारका में पश्चिमी परिसर में एक अकादमिक ब्लॉक शामिल है। इसमें नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का भवन भी शामिल है, जिसमें शिक्षा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।

वानुआतु को पांच लाख डॉलर की सहायता देगा भारत

विदेश मंत्रालय ने कहा-भारत वानुअतु के लोगों के साथ खड़ा है।

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वानुअतु में 17 दिसंबर को आए भयंकर भूकंप के बाद प्रभावित लोगों की मदद के लिए तत्काल 5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 4 करोड़ रुपये) की राहत सहायता की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह सहायता वानुअतु की सरकार और जनता के साथ भारत की एकजुटता और सहानुभूति का प्रतीक है। वानुअतु के तटीय क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने देश में भारी तबाही मचाई।

इस भूकंप के कारण दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों घायल हुए, और हजारों लोग बेघर हो गए। कई इमारतें पूरी तरह से ध्वस्त हो गईं, और बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा। भारत सरकार ने इस संकट की घड़ी में वानुअतु के लोगों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत वानुअतु के लोगों के साथ खड़ा है। हम 5 लाख अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता प्रदान कर रहे हैं, जो मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन के प्रयासों में उपयोग की जाएगी।

वानुअतु में भारत का योगदान : भारत का यह कदम वसुधैव कुटुंबकम के

सिद्धांत पर आधारित है, जो पूरी दुनिया को एक परिवार मानता है। पिछले वर्षों में भारत ने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित देशों को तेजी से सहायता प्रदान की है, जिससे उसकी मानवीय भूमिका को वैश्विक स्तर पर सराहा गया है।

भविष्य के प्रयास : भारत ने वानुअतु की सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ समन्वय करते हुए दीर्घकालिक पुनर्निर्माण और राहत कार्यों में भी सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की है। इस सहायता में आपातकालीन राहत सामग्री, चिकित्सा सेवाएं, और बुनियादी ढांचे की बहाली शामिल हो सकती है। वानुअतु के प्रधानमंत्री ने भारत की इस उदार सहायता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके देश के पुनर्निर्माण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ दो दिनों का शीतलहर अलर्ट जारी, बलरामपुर जिला सबसे ठंडा

रायपुर, । छत्तीसगढ़ में साल के पहले दिन से ही लोगों को कड़ाके की ठण्ड का अहसास हुआ है। राजधानी समेत कई जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश में एक बार फिर से शीतलहर का दौर शुरू हो रहा है। बीते 4 दिनों में पारा 3-4 डिग्री गिरा है। मौसम विभाग ने प्रदेश में 2 दिन का शीतलहर अलर्ट जारी किया है। दो और 3 जनवरी को कई जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। बुधवार को बलरामपुर जिला सबसे ठंडा रहा। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के अनुसार, 4 जनवरी को एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) प्रदेश में पहुंचेगा, जिससे तापमान में हल्की वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की भी संभावना है। विक्षोभ के गुजरने के बाद मौसम साफ हो जाएगा। सात जनवरी से तापमान में फिर से गिरावट आ सकती है। राज्य में 12 फरवरी तक सर्दी का मौसम जारी रहेगा, जिससे अगले 42 दिनों तक तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में प्रशांत किशोर आज से शुरू करेंगे भूख हड़ताल

नई दिल्ली। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों की चिंताओं का समाधान करने की मांग को लेकर आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। दरअसल, प्रशांत किशोर ने यह फैसला 13 दिसंबर को आयोजित 70वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं का विरोध करने वाले अभ्यार्थियों के बीच बढ़ती अशांति के बाद लिया है। इससे पहले किशोर ने बिहार सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उन छात्रों की मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया था, जो परीक्षा रद्द करने और नए सिरे से आयोजित करने की मांग कर रहे हैं। जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ₹अगर छात्रों के साथ अन्याय होता है, तो हम पूरी ताकत से उनके साथ खड़े होंगे।

मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड मामले में ब्रजेश ठाकुर समेत 3 बरी

मुजफ्फरपुर। बालिका गृह केस में गुरुवार को कोर्ट का बड़ा फैसला आया। अदालत ने इस केस के तीन मुख्य आरोपितों को बरी कर दिया। कांड के मुख्य आरोपी बृजेश ठाकुर, शाइस्ता परवीन उर्फ मधु समेत तीन आरोपितों को बरी करने का आदेश कोर्ट ने सुनाया है। मुजफ्फरपुर स्वधार गृह मामले में गुरुवार को तिहाड़ जेल से ब्रजेश ठाकुर, शाइस्ता परवीन उर्फ मधु और कृष्णा की पेशी विशेष एससीएसटी कोर्ट में भारी पुलिस सुरक्षा के बीच करायी गयी। पहले से इस कांड में फैसले के लिए गुरुवार की तिथि निर्धारित थी। इसके बाद प्रभारी न्यायाधीश अजय कुमार मल्ल ने निर्णय पर सुनवाई करते हुए साक्षय के आभाव में सभी आरोपियों को बाइज्जती बरी कर दिया। एससी/एसटी कोर्ट में फैसले के बाद ब्रजेश ठाकुर, शाइस्ता परवीन उर्फ मधु और कृष्णा को वापस दिल्ली के तिहाड़ जेल भेज दिया गया। मुजफ्फरपुर स्वाधार गृह से 11 महिलाएं और उनके चार बच्चों को गायब करने में आरोपित बालिका गृह कांड में तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे।

हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से इनकार करना 'दुखद' : इस्कॉन

प्रात : किरण/ एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) ने बृहस्पतिवार को पड़ोसी देश बांग्लादेश की एक अदालत द्वारा देशद्रोह के मामले में हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से इनकार किए जाने को दुखद करार दिया। कोलकाता इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि मामले की सुनवाई का एकमात्र सकारात्मक पक्ष यह था कि हिंदू संत का प्रतिनिधित्व वकीलों द्वारा किया गया, जो बांग्लादेश की अदालत के समक्ष मामले की पिछली सुनवाई में नहीं किया जा सका था। राधारमण दास ने कहा, यह दुखद है कि उनकी जमानत याचिका को अस्वीकार कर दिया गया। हमें उम्मीद थी कि नव वर्ष में उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। बांग्लादेश की एक अदालत ने देशद्रोह के एक मामले में इस्कॉन के पूर्व संत चिन्मय कृष्ण दास को बृहस्पतिवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। प्रवक्ता ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास के वकील बांग्लादेश की उच्च अदालत में अपील करने पर विचार कर रहे होंगे।

उन्होंने कहा कि चिन्मय दास की तबीयत भी खराब बताई जा रही है। दास ने कहा, हमें उम्मीद थी कि इस आधार पर और चूंकि वह पिछले 40 दिन से जेल में हैं इसलिए अदालत उन्हें जमानत दे देगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब चटगांव अदालत के इस फैसले को चुनौती देने वाली संत की अपील उच्च न्यायालय में दाखिल की जाएगी तो अंतरिम सरकार उनके वकीलों को अदालत के अंदर और बाहर पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा था कि अगर बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास के लिए अदालत में पेश होने वाले किसी भी वकील की पिटाई या फिर उन्हें धमकी दी जाती है, तो अंतरिम सरकार को कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। चिन्मय कृष्ण दास को बृहस्पतिवार की सुनवाई के लिए अदालत में नहीं लाया गया और उन्हें डिजिटल तरीक से पेश किया गया। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था।

बंगाल को अस्थिर करने के इरादे से घुसपैठियों को भारत में घुसने दे रही है बीएसएफ : ममता

प्रात : किरण/ एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर बांग्लादेश से घुसपैठियों को भारत में घुसने देने और राज्य को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा कि उन्हें बीएसएफ के इस रवैये के पीछे केंद्र सरकार का ब्लूप्रिंट नजर आ रहा है। उन्होंने राज्य सचिवालय में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में कहा, हमें जानकारी मिली है कि बीएसएफ इस्लामपुर, सिताई, चोपड़ा और कई अन्य सीमावर्ती इलाकों से घुसपैठियों को भारत में घुसने दे रही है। बीएसएफ लोगों पर अत्याचार भी कर रही है और राज्य को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, इसके पीछे केंद्र सरकार का एक ब्लूप्रिंट है। लेकिन गुंडे भारत में घुस रहे हैं। मैं सीमा के दोनों तरफ शांति चाहती हूं। पड़ोसी बांग्लादेश के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार को यह पता लगाने का निर्देश दिया कि घुसपैठिये कहां रह रहे हैं और कहा कि वह केंद्र को कड़े शब्दों में पत्र लिखेंगी। उन्होंने कहा, वे (बीएसएफ) इसके लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश कर रहे हैं।

लालू के खुले 'ऑफर' के बाद केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा, 'हम एनडीए में मजबूती से हैं'

प्रात : किरण/ एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ आने के खुले ऑफर दिए जाने के बाद बिहार की सियासत गर्म हो गयी है। हालांकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राजद अध्यक्ष के इस बयान से इत्तेफाक नहीं रखते हुए कहा कि आप लोग पूछते रहते हैं, वह इस कारण बोल दिए होंगे। इधर, जदयू के नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का भी कहना है कि हम लोग एनडीए में हैं। दरअसल, राजद के अध्यक्ष ने अपने एक साक्षात्कार में कहा कि नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को हम माफ कर देंगे। उनके साथ मिलकर एक बार फिर से काम करेंगे। लालू यादव के इस बयान को लेकर प्रदेश की सियासत में चर्चा का बाजार गर्म है। इस बीच, जब बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव से इस बयान को लेकर जब पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा, आप लोग पूछते रहते हैं, इस कारण आप लोगो को ठंडा (शांत) करने के लिए बोल दिए होंगे। उल्लेखनीय है कि कुछ ही दिन पहले तेजस्वी यादव ने साफ तौर पर कहा था कि नीतीश कुमार के लिए राजद और महागठबंधन के दरवाजे बंद हैं। इधर, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह से जब लालू यादव के बयान के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा, लालू यादव क्या कहते हैं, क्या नहीं कहते हैं, यह लालू यादव से पूछिए। हमलोग एनडीए में हैं और मजबूती के साथ हैं। तेजस्वी यादव के इस साल सरकार बनाने के बयान पर भड़कते हुए ललन सिंह ने कहा कि कौन क्या बोलता है, इसपर प्रतिक्रिया देते रहें। बोलने की आजादी है और जब आजादी है तो कुछ भी बोलते रहें।

शपथ | **बोले-बिहार के लोगों और उनके कल्याण के लिए निरंतर काम करूंगा, राज्य के लोगों में बहुत क्षमता है**

आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के नए राज्यपाल के रूप में ली शपथ

प्रात : किरण/ एजेंसी

पटना। आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित एक समारोह में बिहार के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन ने खान को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा राज्य के अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। आरिफ मोहम्मद खान ने राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर का स्थान लिया, जिन्हें केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के बाद आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि बिहार का बहुत शानदार और गौरवशाली इतिहास है। राज्य के लोगों में जबरदस्त क्षमता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार के लोग पूरे देश की व्यवस्था

चला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में क्षमता की वजह से बिहार भी आगे जाएगा और देश में आगे जाएगा। इसके अलावा उन्होंने बिहार और देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं भी दीं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं बिहार एक सेवक के तौर पर आया हूं। मैंने नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली है, मैं बिहार के लोगों और उनके कल्याण के लिए निरंतर काम करूंगा। बता दें कि आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ लेने से पहले बांस घाट पर देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बीते सोमवार को पटना पहुंचे थे। उन्होंने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा था कि वह राज्य की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा था, मैं बिहार के गौरवशाली इतिहास को जानता हूं। इसका मुझ पर प्रभाव है। मैं राज्य की विरासत और गौरवशाली परंपरा के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करूंगा।

राजेंद्र आर्लेकर ने केरल के राज्यपाल के रूप में ली शपथ

तिरुवनंतपुरम। राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह में केरल के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नितिन मधुकर जामदार ने राज्यपाल को सुबह 10.30 बजे शपथ दिलाई। राज्यपाल ने भगवान के नाम पर शपथ ली और राज्य के 23वें राज्यपाल बन गए। समारोह में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर, विपक्ष के नेता वीडी सतीसन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एआईसीसी कार्यसमिति के सदस्य रमेश चेन्निथला, मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी, रक्षा अधिकारी, वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेता भी शामिल हुए। श्री अर्लेकर अपनी पत्नी अनघा अर्लेकर के साथ बुधवार शाम हवाई अड्डे पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद, राजभवन में चाय पार्टी का आयोजन किया गया।

श्री अर्लेकर ने आरिफ मोहम्मद खान की जगह ली है, जिन्हें बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ दिलाई गई है। गोवा सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं गोवा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अर्लेकर बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मजदूरों का सांकेतिक धरना जारी

रुद्रपुर, एजेंसी। सिडकुल की कंपनी में श्रम कानूनों का पालन कराने की मांग को लेकर लुकास टीवीएस मजदूर संघ का सांकेतिक धरना मंगलवार को भी जारी रहा। गांधी पार्क स्थित धरना स्थल पर संगठन के महामंत्री बसंत गोस्वामी, दीवान सिंह, हरीश राणा, मातबर सिंह, रवींद्र सिंह, धन सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि ने धरना दिया।

एसएसपी के दरबार में 14 शिकायतें आईं

काशीपुर, एजेंसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने मुरादाबाद रोड डिजाइन सेंटर स्थित अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 14 फरियादियों की शिकायतें सुनीं। एसएसपी ने कुछ फरियादियों की शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। अन्य समस्याओं के विषय में अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करते हुए प्रकरण को एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करने के लिए कहा। बता दें कि चुनावी माहौल के कारण एसएसपी के जनता दरबार में इस बार कम शिकायतें आई हैं।

मेलाघाट में संदिग्ध हालात में मृत मिले छह बंदर

खटीमा, एजेंसी। मेलाघाट गांव स्थित एक खेत में मंगलवार को संदिग्ध हालात में छह बंदर मृत मिले। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर बंदरों के शवों को कब्जे में ले लिया। बुधवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा।

वन विभाग की एसडीओ संचिता वर्मा ने बताया कि सुबह के समय मेलाघाट गांव में खेत किनारे बंदरों के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। बंदरों की नाक से खून बह रहा था। जिसे देखकर बंदरों के आपसी संघर्ष में मौत होने की आशंका है। हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगी। टीम ने जांच के लिए मिट्टी और फसलों के सैंपल एकत्र किए हैं। फसलों में किए गए कीटनाशक के उपयोग से भी बंदर की मौत हो सकती है। बुधवार को बंदरों का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

गन्ना मूल्य भुगतान की मांग

बाजपुर, एजेंसी। गन्ना मूल्य भुगतान सहित चार सूत्री मांगों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने चीनी मिल महाप्रबंधक हरबीर सिंह को ज्ञापन सौंपकर जल्द मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

मंगलवार दोपहर किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरमिंदर सिंह लाडी की अगुवाई कांग्रेसी और किसान एकत्र होकर चीनी मिल प्रशासनिक कार्यालय पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर मिल महाप्रबंधक हरबीर सिंह को चार सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। लाडी ने कहा कि पेराई सत्र शुरू हुए एक माह बीत चुका है। इसके बावजूद मिल प्रशासन की तरफ से किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं किया है। कहा कि किसानों को चीनी मिल से गन्ना बीज और खाद उपलब्ध कराया जाए। गन्ना सोसायटी से पूर्व की भांति किसानों को दो रुपए प्रति क्विंटल बढ़ोतरी दी जाए। वहां किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवदीप सोनू कंग, परमजीत सिंह हांडा, कदीर अहमद, लीलाधर सैनी, गोल्डी, मन्नू सिंह, जगजीत सिंह संधू आदि थे।

202 नामांकन रद्द, अब मैदान में बचे 6238 प्रत्याशी, आज नाम वापसी का मौका

देहरादून, एजेंसी। नगर निकायों में 31 दिसंबर और एक जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच हुई। मेयर पद के लिए 103 नामांकन आए, जिनमें से दो रद्द हो गए। उत्तराखंड के 100 नगर निकायों में दो दिन की जांच के बाद 202 नामांकन रद्द कर दिए गए हैं। आज बृहस्पतिवार को प्रत्याशियों को नाम वापसी का मौका दिया जाएगा। इसके बाद अंतिम सूची जारी हो जाएगी। नगर निकायों में 31 दिसंबर और एक जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच हुई। मेयर पद के लिए 103 नामांकन आए, जिनमें से दो रद्द हो गए। 43 नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए 285 नामांकन आए, जिनमें से 20 रद्द हुए। 46 नपं अध्यक्ष पद के लिए 302 नामांकन आए, जिनमें से 12 रद्द हुए। मेयर-अध्यक्ष के कुल 690 में से 34 रद्द हो गए। अब 656 बचे हैं। इनमें मेयर के 101, नपा अध्यक्ष के 265 और नपं अध्यक्ष पद के 290 नामांकन बचे हैं। तीन जनवरी को चुनाव चिह्न का आवंटन किया जाएगा। 100 निकायों में 5750 नामांकन पार्षद और वार्ड सदस्य के लिए आए, जिनमें से 168 रद्द होने के बाद अब 5582 नामांकन वैध हैं।

नए साल का स्वागत : गंगा में किना स्नान, फिर मंदिर में किए दर्शन

हरिद्वार, एजेंसी। नए वर्ष का स्वागत धर्मनगरी में धार्मिक अनुष्ठान और पूजा पाठ के साथ किया गया। लोगों ने बीते वर्ष की विदाई पर देर रात तक जश्न मनाया। गली मोहल्ले में डीजे की धुन पर थिरककर नए साल का स्वागत किया। 2025 के पहले दिन बुधवार को गंगा के सभी घाट आस्थावानों की भीड़ से भरे रहे। लोगों ने स्नान, दान कर पुण्यफल अर्जित किया और वर्षभर सुखद जीवन की कामना के साथ मंदिरों में पूजा अर्चना की।

पंचपुरी में माया देवी मंदिर, मनसा देवी मंदिर, चंडी देवी और मां पार्वती के तप स्थली महादेव विल्वकेश्वर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। दक्षनगर कनखल मंदिर में श्रद्धालुओं ने महादेव का अभिषेक किया, वहीं माता शीतला और देवी सती से श्रद्धालुओं ने सुखमय जीवन का वरदान मांगा।

बुधवार सुबह से ही मंदिरों में लोगों के पहुंचने का क्रम शुरू हो गया। हवन से पूरा वातावरण सुगंधित हो गया। वहीं सुंदरकांड पाठ से लेकर अन्य भक्ति गीतों की धुन भोर से ही गूंजने लगी। लोगों ने नव वर्ष का स्वागत कर एक दूसरे का बधाई दी।

धर्मनगरी में श्रद्धालुओं के स्वागत में नव वर्ष पर होटल रेस्टोरेंट भी सजाए गए। चौक और चौराहे की दुकानें सुबह से ही धीमी रोशनी की आगोश में रहीं। पूरे दिन धुंध और कोहरे के चलते ठिठुरन रही, बावजूद इसके लिए युवाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। शाम होने पर लोग अपने परिवार के साथ बाजारों में निकले और मनपसंद रेस्टोरेंट में खाना खाया। कई संस्थानों और प्रतिष्ठानों में केक काटकर नव वर्ष का स्वागत किया गया। विभागीय दफ्तरों में पहुंचने पर लोगों ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी।

कनखल स्थित निर्मल संतपुरा आश्रम गुरुद्वारे में 'नवा साल गुरु ग्रंथ साहिब दे नाल सत्संग आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगत ने सुखमणि साहिब पाठ, बच्चों ने कविता ज्ञान के साथ साथ भाई गुरमीत सिंह, भाई अमित सिंह, भाई आनंद सिंह सहारनपुर वाले ने कीर्तन सुनाकर संगत को निहाल किया। परमाध्यक्ष संत जगजीत सिंह शास्त्री ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अगम प्रीत कौर, फतेह सिंह, मिष्ठी, राजवीर सिंह, जोरावर सिंह, अगम प्रीत सिंह, रश्मीत कौर, मनिंदर कौर, गुरमीत सिंह मौजूद रहे।

टिबड़ी के पास प्राचीन हनुमान मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कीर्तन मंडली के सुरमयी सुंदरकांड पाठ के बीच लोगों ने वीर बजरंग की पूजा अर्चना की। सिंदूर का लेप लगाकर लोगों ने बजरंगबली से मनोवांछित फल की कामना की। मंदिर के व्यवस्थापकों ने उमड़ी भीड़ को भंडारे का प्रसाद ग्रहण कराया।

संस्थान की प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा : मुरली

हरिद्वार, एजेंसी। बीएचईएल ने अपना वार्षिक पर्व बीएचईएल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक टीएस मुरली ने कहा कि संस्थान की प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

इस अवसर पर बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक टीएस मुरली ने, कारखाना परिसर स्थित आयोजन स्थल पर बीएचईएल ध्वज फहराया। साथ ही बीएचईएल कर्मियों को कंपनी की सेवाओं के प्रति समर्पित एवं प्रतिबद्ध रहने के लिए बीएचईएल प्रतिज्ञा भी दिलायी।

इस मौके पर टीएस मुरली ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को, बीएचईएल दिवस और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन हर बीएचईएल कर्मी के लिए, अपने इस महान संस्थान के प्रति अटूट निष्ठा एवं प्रेम को व्यक्त करने का उत्सव है। श्री मुरली ने कहा कि आने वाला वर्ष भी बीएचईएल के लिए उपलब्धियों के वर्ष के रूप में याद किया जाए, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। बीते वर्ष में बीएचईएल हरिद्वार की ओर से अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियों को भी सभी के साथ साझा किया। कार्यक्रम के दौरान प्रेरणात्मक बीएचईएल गीत का प्रसारण किया गया। इस अवसर पर कई महाप्रबन्धक, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधितथा सीआईएसएफ के अधिकारी व जवान आदि उपस्थित रहे।

नए साल के जश्न में पर्यटकों पर चढ़ा शराब का सरूर, पहाड़ों पर लगाई कार रेस, पुलिस ने चखाया कभी न भूलने वाला मजा

कालाढूंगी, एजेंसी। शराब के नशे में मदहोश होकर कार चालकों ने पहाड़ों पर ही कार रेस शुरू कर दी। शुक्र है कि कोई हादसा नहीं हुआ। इस दौरान राहगीरों की सांसें भी अटक गयी। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर पर्यटकों का चालान कर कारें सीज कर दी हैं।

नए साल का सेलिब्रेशन लोग अपने-अपने अंदाज में बनाते हैं। जश्न के लिए शराब का प्रचलन बहुत समय से है। थर्टी फर्स्ट का जश्न मनाने आये यूपी के युवा नशे में धुत होकर नैनीताल से कालाढूंगी की ओर दो स्विफ्ट कार यूपी 22 ए डब्ल्यू 6145 व यूके 01 डी 0992 आई -20 कार में रेसिंग करने लगे।

उस वक्त सेलिब्रेशन को लेकर सड़कों पर वाहनों की भीड़ थी। युवकों को कार रेसिंग करते देख राहगीरों की भी सांसें अटक गयीं। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने नैनीताल तिराहे पर कारों को रोकर युवकों पकड़ लिया। शुक्र है कि रास्ते में कोई हादसा नहीं हुआ। थानाध्यक्ष पंकज जोशी ने बताया कि कार में 11 युवक जो कि शराब पीकर हुड़दंग कर रहे थे व आपस में कालाढूंगी नैनीताल मार्ग में दो वाहनों से रेस कर रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर दोनों वाहनों को थाने लाकर सीज कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। नववर्ष 2025 की सुबह पर्यटकों ने हिमालय की विस्तृत श्रृंखला के दर्शन किए। मनमोहक दृश्य कैमरे में कैद किए। अनासक्ति आश्रम में प्रार्थना सभा में भागीदारी की। पर्यटन नगरी में गुनगुनी धूप का आनंद उठाया। बैजनाथ तथा बागनाथ में भी पर्यटकों का सुबह से आना-जाना रहा। पर्यटन नगरी कौसानी में पर्यटकों की पहली पसंद है। अल्मोड़ा के क्वारब में सड़क खराब होने के कारण पर्यटकों कम आ रहे हैं। थर्टी फर्स्ट तथा नव वर्ष पर यहां देसी-विदेशी पर्यटक रहे। होटलों में कुमाऊंनी व्यंजन, कैंप फायर आदि की व्यवस्था थी। बुधवार को अनासक्ति आश्रम, चाय बागान के भ्रमण पर पर्यटक रहे। होटल ऐसोसिएशन के अध्यक्ष बबलू नेगी ने कहा कि पर्यटक को बढ़ाना जरूरी है।

काश्तकारों को फायदे का सौदा साबित हो रही मशरूम की खेती

गोपेश्वर, एजेंसी। किसानों की आय बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री धामी का प्रयास रंग लाने लगा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मशरूम की खेती छोटे किसानों के लिए फायदे साबित हो रही है।

विगत दिनों ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के विजिट के दौरान मुख्यमंत्री ने चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी सहित तमाम रेखीय विभागों के अधिकारियों को ग्रामीण इलाकों में स्वरोजगार के मौके बढ़ाने के लिए कृषि और बागवानी के क्षेत्र में मसरूम उत्पादन जैसे अच्छे प्रोजेक्ट पर काम करने के निर्देश दिए थे। ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो और लोगों को स्वरोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में कर्णप्रयाग-भराडीसैंण क्षेत्र के गांवों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर मशरूम की खेती आरंभ की गई। जिला योजना के तहत कृषि और उद्यान विभाग के माध्यम से आदिबद्री और खेती गांव में मसरुम टनल निर्मित करने के साथ ही कुछ किसानों को योजना से जोड़ा गया।

किसानों की ओर से मशरूम हार्वेस्टिंग की गई। जिसकी बाजार दर 150 रुपये प्रति किलो मिल रही है। जिला अधिकारी ने बताया कि मशरूम टनल बनाने से जंगली जानवर जो फसल को नुकसान पहुंचा रहे थे, उस पर प्रभावी रोक लगी। बताया कि आदिबद्री, मालसी, खेती, थापली आदि गांव क्षेत्रों से मशरूम टनल की मांग लगातार आ रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण क्षेत्र में काश्तकारों की आय बढ़ाने के आशय से कृषि एवं बागवानी को बढावा दिया जा रहा है। मशरूम उत्पादन के सकारात्मक परिणाम मिल रहे है और जल्द ही पूरे क्षेत्र में अधिक से अधिक लोग इसको अपनाएंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि अगले चरण में स्वयं सहायता समूहों को भी इससे जोडा जाएगा और लोगों को प्रशिक्षण देकर प्रयास किया जाएगा कि अधिक से अधिक लोग मसरूम उत्पादन से जुड़कर स्वरोजगार को अपनाएं।

मुख्य कृषि अधिकारी जेपी तिवारी ने जिले में मशरूम मॉडल के बारे जानकारी देते हुए बताया कि कर्णप्रयाग से लेकर भराडीसैंण तक के गांवों को मशरूम बेल्ट के रूप में तैयार किया जा रहा है। नवाचार के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में अभी खेती गांव में शत प्रतिशत अनुदान पर आठ मशरूम टनल बनाए गए है। आदिबद्री में भी आठ मशरूम टनल बनाए जा रहे है। मशरूम टनल की एक हट में सात सौ कम्पोस्ट बैग रखे गए है। एक बैग में 10 किलो कम्पोस्ट में चार किलो मशरूम उत्पादन हो रहा है। इस प्रकार तीन महीने में सात सौ कम्पोस्ट बैग में दो हजार आठ सौ किलो मशरूम उत्पादन होगा। साल में तीन बार मशरूम का उत्पादन होता है।

इसी प्रकार एक साल में एक हट से आठ हजार चार सौ किलो मशरूम उत्पादन होगा। एक किलो मशरूम की बाजार दर 150 रुपये है। इस प्रकार एक हट से 12.60 लाख रुपये के मसरूम उत्पादन हो होगा। इस वेल्ट में 16 मसरूम टनल बनाए जा रहे है। इन सभी मसरूम टनल से साल में 2.04 करोड़ का मसरूम उत्पादन होगा। एक मशरूम टनल का साइज 16म32 है, जो कि एक चौथाई नाली जमीन पर हो रहा है। मशरूम टनल बनाने से जंगली जानवरों से भी नुकसान नही होता है।

जिलाधिकारी ने रीप को निर्देशित किया है कि काश्तकारों की ओर से उत्पादित मशरूम का उचित माध्यम से विपणन भी सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एनआरएलम समूहों को भी इससे जोड़कर इस पूरे क्षेत्र को मसरूम रूट के रूप में विकसित करने की योजना है और इस क्षेत्र को मसरूम इंडस्ट्री बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

नाबालिक के अपहरण और दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। पुलिस ने नाबालिक का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपित को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहरणकर्ता के चंगुल से नाबालिक को बरामद करते हुए परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक जनपद की झबरेड़ा थाना पुलिस को 27 दिसम्बर को नाबालिक के पिता ने नाजमद तहरीर देकर रितिक निवासी ग्राम मोलना थाना झबरेड़ा जिला हरिद्वार बहला फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को नाबालिक की तलाश शुरू कर दी। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने प्रयास करते हुए आरोपित को आज गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से नाबालिक को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने नाबालिक को परिजनों के सुपुर्द करते हुए आरोपित के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए उसका चालान कर दिया है।

नगर निगम में आपत्तियों की सुनवाई के दौरान जमकर हंगामा, आमने-सामने आए भाजपा-कांग्रेस के नेता

देहरादून, एजेंसी। नगर निगम के वार्ड 47 और 49 पर आपत्ति को लेकर भाजपा और कांग्रेस के नेता आमने-सामने आ गए। बात धक्का मुक्की तक पहुंच गई।

वार्ड प्रत्याशियों के नामांकन की जांच के दौरान नगर निगम में जबरदस्त हंगामा हुआ। भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ वार्ड-47 और 49 के कांग्रेस प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज कराने पर अड़ गए। तो कांग्रेसी बचाव में उतर आए। कांग्रेसियों ने विधायक उमेश शर्मा के खिलाफ नारेबाजी की और कई आरोप लगाए। हालत तनावपूर्ण होने पर पुलिस बल बुलाना पड़ा। देर रात तक हंगामा चला।

मामला तब बिगड़ा जब दोपहर तीन बजे भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ पहुंच गए। उन्होंने निर्वाचन अधिकारी के सामने आपत्तिकर्ता का वकील होने की बात कहते हुए साक्ष्य उपलब्ध कराए, लेकिन आरओ उनकी बात से सहमत नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को भी मौके पर बुलवा लिया। उनका कहना था कि नगर निगम की संपत्ति पर कब्जा है। नगर निगम भूमि अनुभाग के राहुल कैंथोला भी पहुंच गए और अपनी रिपोर्ट दी। इसी दौरान कांग्रेस नेताओं को पता चला कि विधायक निर्वाचन अधिकारी के कक्ष में बैठे हैं और नगर निगम के अधिकारियों को बुलवाकर नामांकन खारिज करने का दबाव बना रहे हैं तो मौके पर हंगामा हो गया। कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह, सूर्यकांत धस्माना, जसविंदर गोगी, लालचंद शर्मा आदि कांग्रेसियों ने हंगामा करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

बाद में विधायक प्रीतम ने निर्वाचन अधिकारी से वार्ता की। इस पर आरओ ने नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद विधायक प्रीतम सिंह चले गए, लेकिन अन्य कांग्रेसी वहीं डटे रहे। देर शाम करीब साढ़े छह बजे बाद आरओ ने निर्णय दिया तो दोबारा फिर हंगामा हो गया। वार्ड-49 के प्रत्याशी इलियास अंसारी और उनके पुत्र का नामांकन निरस्त होने पर हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेसी आरओ कार्यालय के सामने ही धरने पर बैठ गए। नामांकन पत्र निरस्त होने से क्षुब्ध इलियास अंसारी ने जान देने की बात कहते हुए जमीन में सिर पटकने लगे, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने किसी तरह समझा बुझाकर मामला शांत कराया।

पत्रकारों से भी उलझे काऊनिर्वाचन अधिकारी के सामने अपनी बात रख रहे भाजपा विधायक उमेश शर्मा काऊ पत्रकारों से भी उलझ गए। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सभी कार्यालय से बाहर जाएं। हालांकि इसी दौरान कांग्रेस नेता विधायक काऊ पर अधिकारियों के ऊपर अनैतिक दबाव बनाने का आरोप लगा रहे थे।

फिरोजपुर, अमृतसर, देहरादून, भठिंडा से प्रयागराज को चलेंगी सीधी ट्रेन, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

देहरादून, एजेंसी। महाकुंभ मेला अवधि में अलग-अलग तिथियों में पंजाब के भठिंडा, अमृतसर, फिरोजपुर, हिमाचल प्रदेश के अम्ब अंदौरा, उत्तराखंड के देहरादून और देश की राजधानी दिल्ली से महाकुंभ स्पेशल ट्रेन की समय सारिणी जारी की है।

प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले के लिए रेलवे ने पंजाब, हिमाचल, हरियाणा और उत्तराखंड से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ स्पेशल ट्रेन चलाए जाने का एलान किया है। महाकुंभ मेला अवधि में अलग-अलग तिथियों में पंजाब के भठिंडा, अमृतसर, फिरोजपुर, हिमाचल प्रदेश के अम्ब अंदौरा, उत्तराखंड के देहरादून और देश की राजधानी दिल्ली से महाकुंभ स्पेशल ट्रेन की समय सारिणी जारी की है। अलग-अलग तिथियों में इन ट्रेनों का संचालन प्रयागराज के फाफामऊ रेलवे स्टेशन तक होगा। खास बात यह है कि इन सभी ट्रेनों का संचालन वाया मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ के रास्ते होगा।

पंजाब के भठिंडा से गाड़ी नंबर 04526 की रवानगी 19, 22, 25 जनवरी एवं 08, 18 एवं 22 फरवरी की सुबह 4.30 बजे चलकर अंबाला, यमुनानगर जगाधरी, रूड़की, मुरादाबाद, बरेली आदि स्टेशन रुकते हुए रात 11.55 बजे फाफामऊ पहुंचेगी। फाफामऊ से इसकी रवानगी 20, 23, 26 जनवरी, 09, 19 और 23 फरवरी की सुबह 6.30 बजे होगी जो रात 1.10 बजे भठिंडा पहुंच जाएगी। इसी तरह हिमाचल के अम्ब अंदौरा से 04528 की रवानगी 17, 20, 25 जनवरी, 09, 15 एवं 23 फरवरी की रात 10.05 बजे चलकर अगले दिन शाम 6.00 बजे फाफामऊ पहुंचेगी। फाफामऊ से 04527 का संचालन 18, 21, 26 जनवरी, 10, 16 एवं 24 फरवरी की रात 10.30 बजे चलकर अगले दिन शाम 5.50 बजे अम्ब अंदौरा पहुंच जाएगी।

वहीं देहरादून से 04316 की रवानगी 18, 21, 24 जनवरी, 09, 16, 23 फरवरी की सुबह 8.10 बजे होगी। ट्रेन उसी दिन रात 11.50 बजे ट्रेन फाफामऊ पहुंच जाएगी। फाफामऊ से 04315 का संचालन 19, 22, 25 जनवरी, 10, 17 एवं 24 फरवरी की सुबह 6.30 बजे होगा जो रात 9.30 बजे देहरादून पहुंच जाएगी। दिल्ली से 04066 की रवानगी 10, 18, 22, 31 जनवरी, 08, 16, 27 फरवरी की रात 11.25 बजे होगी जो अगले दिन दोपहर 2.15 बजे फाफामऊ एवं यहां से 04065 की रवागनी रात 11.30 बजे 11, 19, 23 जनवरी, 01, 09, 17 एवं 28 फरवरी को होगी।

चकराता में हरियाणा के पर्यटकों की कार खाई में गिरी, सवार थे आठ लोग, मची चीख पुकार

देहरादून, एजेंसी। यमुनानगर हरियाणा से आठ लोग अल्टो से चकराता पहुंचे थे। उनकी कार सड़क से करीब सौ मीटर नीचे खाई में जा गिरी। देहरादून के चकराता में देर रात एक कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। कार में हरियाणा के चार बच्चों समेत आठ लोग सवार थे। कार खाई में गिरते ही चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला। सभी लोगों को चोट आई है, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

एसडीआरएफ टीम एडिशनल उप निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि घटना देर रात की है। यमुनानगर हरियाणा से आठ लोग अल्टो से चकराता पहुंचे थे। उनकी कार सड़क से करीब सौ मीटर नीचे खाई में जा गिरी। किसी ने वाहन गिरने की सूचना एसडीआरएफ को दी। टीम ने सभी को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, शुक्रवार, 03 जनवरी, 2025

शिवराज ने दिल्ली में किसानों की स्थिति पर आतिशी को लिखा पत्र

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में किसानों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार को केंद्र की योजनाओं को लागू कर किसानों को राहत प्रदान करनी चाहिए।

शिवराज ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि दिल्ली में आप पार्टी की सरकार किसानों के प्रति बेहद उदासीन है और किसानों के लिए आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार में कोई संवेदना नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आतिशी ने कभी किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिये। यह पत्र बुधवार को लिखा गया और इसके प्रति गुरुवार को यहां जारी की गई। शिवराज ने कहा कि 10 वर्षों से दिल्ली में आप की सरकार है लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री ने हमेशा किसानों के साथ केवल धोखा किया है। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में

लागू नहीं किया। इस कारण से दिल्ली के किसान केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप पार्टी सरकार का किसानों के प्रति गैरजिम्मेदाराना रवैया है।

एकीकृत बागवानी मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, बीज ग्राम कार्यक्रम सहित अनेक योजनाओं का लाभ किसान नहीं ले पा रहे हैं। केंद्र की कृषि योजनाएं लागू नहीं होने से किसान नर्सरी और टिशू कल्चर की स्थापना, रोपण सामग्री की आपूर्ति, फसल उपरांत प्रबंधन के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, नए बाग, पाली हाउस एवं कोल्ड चैन की सब्सिडी सहित अनेक योजनाओं के लाभ नहीं ले पाये। किसानों को कृषि विकास योजना को लागू नहीं होने से कृषि मशीनीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, फसल अवशेष प्रबंधन, परंपरागत कृषि विकास योजना, कृषि वानिकी और फसल विविधीकरण के लिए सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दिल्ली में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर सहित किसान उपकरण को पंजीकरण कमर्शियल व्हीकल श्रेणी में किया जा रहा है, जिससे किसानों को अधिक दाम देना पड़ रहा है। दिल्ली में किसानों के लिए बिजली की उच्च दरें निर्धारित कर रखी है। यमुना से लगे गांवों में सिंचाई उपकरणों के बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे किसानों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। कृषि मंत्री ने पत्र में कहा कि राजनैतिक प्रतिस्पर्धा किसान कल्याण में बाधा नहीं बननी चाहिए। किसान कल्याण सभी सरकारों का कर्तव्य है। इसलिए दलगत राजनीति से उठकर आप पार्टी की सरकार को किसानों के हित में निर्णय लेने चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

बाबरपुर सीट पर गोपाल राय के सामने किला बचाने की चुनौती, क्या कांग्रेस के हाजी इशराक बिगाड़ेंगे खेल

नईदिल्ली। दिल्ली में पिछले 3 विधानसभा चुनाव से त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के अस्तित्व में आने के बाद से कांग्रेस के वोट बैंक में भारी गिरावट आयी और बीजेपी को भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। कई ऐसी सीटें हैं जो एक जमाने में कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था उन सीटों पर पिछले 2-3 चुनावों से आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया है। आज हम बात कर रहे हैं बाबरपुर विधानसभा सीट की। बाबरपुर, बलबीर नगर, कबीर नगर, शिवाजी पार्क और कबूल नगर कर्दमपुरी, नार्थ घोंडा, ईस्ट व वेस्ट गोरख पार्क, वेलकम, जनता कॉलोनी, न्यू जाफराबाद, सुभाष मोहल्ला, नूर-ए-इलाही और मौजपुर का काफी बड़ा इलाका इसके अंतर्गत आता है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय पिछले 2 विधानसभा चुनाव से इस सीट से जीत रहे हैं।

दिल्ली के कई इलाकों में घना कोहरा छाया, न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस रहा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार सुबह हल्का कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर दिन के दौरान ठंड और कुछ इलाकों पर घना कोहरा छाए रहने का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि पालम मौसम केंद्र ने सुबह छह बजे बहुत घना कोहरा छाने की जानकारी दी है और इस दौरान दृश्यता शून्य मीटर रही। दिल्ली में अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। यहां बुधवार को अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा था। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को बताया कि दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 12 से 14 किलोमीटर प्रति घंटा हो जाने की संभावना है तथा शाम तक धीरे-धीरे ये घटकर आठ किलोमीटर प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय धुंध एवं हल्का कोहरा छाए रहने के आसर हैं।

दोबारा तीन कृषि कानून को लागू करने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार : केजरीवाल

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से दोबारा तीन कृषि कानून को लागू करने की कोशिश कर रही है। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा ह्यदेशभर के किसानों की जानकारी के लिए मैं बता दूँ कि जो तीन काले कानून केंद्र ने तीन साल पहले किसानों के आंदोलन की वजह से वापस लिए थे, उन्हें पालिसी कहकर केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी कर रही है। इस पालिसी की कॉपी उनके विचार जानने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों को भेजी है। उन्होंने कहा पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं। इनकी वही मांगे हैं जो केंद्र सरकार ने तीन साल पहले मान ली थी लेकिन अभी तक लागू नहीं की। भाजपा सरकार अब अपने वादे से मुकर गई। भाजपा सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। उनसे बात तो करो। हमारे ही देश के किसान हैं।

हम लगातार दिल्ली से जुड़े मुद्दे केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष रख रहे हैं : योगेंद्र चंदोलिया

नई दिल्ली। दिल्ली की आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय राजधानी के सातों सांसद केंद्रीय मंत्रियों से मिल रहे हैं। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली के विकास को लेकर सभी गंभीर हैं और यही मुद्दे उठाए जा रहे हैं। भाजपा सांसद ने प्रेसवार्ता कर विभिन्न मुलाकातों का उद्देश्य बताया। कहा कि कल हमने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी और हमने उनके सामने अपने कुछ मांगें रखी थी। उन्होंने हमें विश्वास दिलाया कि आपकी सभी मांगों को पूरा किया जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास छाया घना कोहरा, कई उड़ानों पर पड़ेगा असर, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

दिल्ली एयरपोर्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्लदिल्ली हवाई अड्डे पर कम विजिबिलिटी की प्रक्रिया चल रही है। सभी उड़ान संचालन वर्तमान में सामान्य हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ान की अपडेट की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। वहीं, एक और पोस्ट में कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग और टेक ऑफ जारी रहने के दौरान, कैट 3 मानकों का पालन न करने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ान की अपडेट जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, रनवे पर विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर के बीच थी, जबकि सुबह 6 बजे सामान्य विजिबिलिटी शून्य हो गई। जो उड़ानें कम विजिबिलिटी संचालन के लिए सक्षम थीं, वे उतरने में सक्षम रहीं, लेकिन अन्य उड़ानों को देरी या डायवर्जन का सामना करना पड़ सकता है।

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। गुरुवार को सड़कों पर घना कोहरा नजर आया जिस वजह से रोड पर वाहनों की रफ्तार थमी नजर आई। दिल्ली में घने कोहरे से विमान परिचालन भी बाधित हो सकता है। इस बीच दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्लदिल्ली हवाई अड्डे पर कम विजिबिलिटी की प्रक्रिया चल रही है। सभी उड़ान संचालन वर्तमान में सामान्य हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ान की अपडेट की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। वहीं, एक और पोस्ट में कहा,

ह्लदिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग और टेक ऑफ जारी रहने के दौरान, कैट 3 मानकों का पालन न करने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उड़ान की अपडेट जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, रनवे पर विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर के बीच थी, जबकि सुबह 6 बजे सामान्य विजिबिलिटी शून्य हो गई। जो उड़ानें कम विजिबिलिटी संचालन के लिए सक्षम थीं, वे उतरने में सक्षम रहीं, लेकिन अन्य उड़ानों को देरी या डायवर्जन का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुड़गांव समेत पड़ोसी क्षेत्रों में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही की लोगों को खराब विजिबिलिटी और चुनौतीपूर्ण आवागमन स्थितियों के बारे में चेतावनी दी है। आईएमडी ने गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और 10-15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का अनुमान लगाया है। अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर जारी, 6 जनवरी को बारिश की संभावना

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में कोल्ड वेव का असर लगातार जारी है। जिस कारण लोग सर्दी के सितम से परेशान हैं। आने वाले दिनों में भी शीतलहर का प्रकोप देखने को मिलेगा, जिससे सर्दी और बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, वर्तमान में चल रही हवा से दोगुनी तेज हवा चलने की संभावना है, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, मौसम विभाग ने 6 जनवरी को एनसीआर में बारिश की संभावना भी जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में शीतलहर जारी है और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। 2 जनवरी को सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री कम रहा, जिसमें सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री और पालम में 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में भी गिरावट होगी, जिससे

दिन में भी ज्यादा सर्दी महसूस होगी। मौसम विभाग ने कोल्ड वेव का अलर्ट जारी करते हुए बताया कि दिल्ली और पूरे एनसीआर में 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है, जिससे लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ी इलाकों में हो रही भारी बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों पर भी दिखाई दे रहा है। एक ओर जहां घने कोहरे और न्यूनतम तापमान में गिरावट से लोग परेशान हैं, वहीं बीच-बीच में हो रही बारिश मौसम को कुछ सामान्य जरूर करती है, लेकिन अगले दिन से फिर से लोगों को फिर घने कोहरे का सामना करना पड़ता है।

प्रियंक कानूनगो ने दिल्ली के मुख्य सचिव को लिखा पत्र, शेल्टर होम की स्थिति पर जताई चिंता

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुख्य सचिव के नाम गुरुवार को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दिल्ली के शेल्टर होम के हालात को लेकर सवाल उठाए हैं। प्रियंक कानूनगो ने पत्र में लिखा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत देश के सभी लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा करने का अधिकार दिया गया है। आयोग तब से मानवाधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए ठोस प्रयास कर रहा है, जिसमें इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए लोगों को उपलब्ध सुरक्षा उपाय भी शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं आपको यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं, ताकि मैं 30 दिसंबर 2024 के अपने हालिया दौरे के दौरान दिल्ली के कई आश्रय गृहों में देखी गई भयावह और घटिया स्थितियों की ओर आपका तत्काल ध्यान आकर्षित कर सकूं। यह निरीक्षण रोशनारा रोड (सब्जी मंडी), मीना बाजार, जामा

मस्जिद स्थित आश्रय गृहों में किया गया, जो समाज के कमजोर वर्गों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण हैं। दुर्भाग्य से इन आश्रय गृहों की स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसमें तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। पत्र में बताया गया कि निरीक्षण के दौरान रोशनारा रोड स्थित आश्रय गृह में 3 बाथरूम और 4 शौचालय थे, जो वहां रहने वाले 40 लोगों के लिए अपर्याप्त थे। परिसर में हीटर की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा जामा मस्जिद स्थित आश्रय गृह में जल निकासी की पर्याप्त सुविधा नहीं थी, साथ ही खराब स्वच्छता भी देखने को मिली। इस दौरान महिलाओं ने बताया कि उन्हें शौचालय के बाहर खुले क्षेत्र में नहाना पड़ता है और कई बार बाहरी लोग चारदीवारी के ऊपर से झांकते भी हैं।

दिल्ली भाजपा ने 'फर्जी वोटर्स से इश्क है' नाम से जारी किया पोस्टर

प्रात: किरण/ एजेंसी

नईदिल्ली। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को नया चुनावी पोस्टर ह्यफर्जी वोटर्स से इश्क हैह्ण जारी किया, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर नकली वोट बनाने के आरोप लगाये गये हैं। इस मौके पर भाजपा के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा, ह्लपूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों के राजनीतिक गुनाह बहुत ज्यादा है और वे लोग दिल्ली को बर्बाद करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप के राज्य सभा सांसद संजय सिंह अपनी पत्नी श्रीमती अनीता सिंह का वोट कटवाने का झूठा आरोप भाजपा पर लगाये हैं, लेकिन वह बताये कि श्रीमती सिंह का वोट कहां-कहां हैं। संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल और दिल्ली भाजपा की चुनाव आयोग सम्पर्क समिति के संयोजक संकेत गुप्ता भी मौजूद थे। श्री सचदेवा ने कहा कि श्री सिंह 2018 में राज्य सभा चुनाव के दौरान दायर हलफनामा में खुद को हरिनगर विधानसभा का

मतदाता बताया था, लेकिन उस वक्त सुल्तानपुर की नगर पालिका परिषद की मतदाता सूची में श्री सिंह और उनकी पत्नी का नाम था। इतना ही नहीं श्री सिंह साल 2024 में नई दिल्ली विधानसभा में मतदाता हैं और विकासपुरी विधानसभा में भी अपना मत बनवा रखा था। उन्होंने कहा कि शर्मनाक है कि मतदाता सूची में फर्जीवाड़ा करने वाले श्री सिंह चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमका रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हमने संवाददाता सम्मेलन करके श्री सिंह की पत्नी के फर्जी मत का खुलासा किया, तो श्री सिंह ने आनन-फानन में 30 दिसम्बर को वोट स्थानांतरित करने का आवेदन देकर आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर मत था, तो अपनी गलती स्वीकार कर लेनी चाहिये, लेकिन उल्टा मानहानि का दावा करने का एलान कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि दो मत बनवाना एक आपराधिक गतिविधि है और इसके लिये चुनाव आयोग तथा दिल्ली पुलिस को श्री सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि श्री सिंह अपनी मानहानि की बात कर रहे हैं, लेकिन जो व्यक्ति खुद जमानत पर बाहर है, सांसद रहते दो वोट बनवाता है, उसका क्या मान क्या अपमान ? उन्होंने बताया कि श्रीमती सिंह को लेकर श्री सिंह दावा करते हैं, कि चार जनवरी 2024 में उनका नाम सुल्तानपुर की सूची से कट गया है, लेकिन आठ जनवरी 2024 को सांसद नामांकन के साथ जो शपथ पत्र देते हैं, उसमें उनका मत सुल्तानपुर की मतदाता सूची में दर्ज है। उन्होंने कहा कि श्री सिंह बताये कि आखिर उन्होंने लोगों को गुमराह करने का काम क्यों किया। उन्होंने कहा कि श्री सिंह और उनकी पत्न ी के मत फर्जी है और देश में फर्जी मत डालने पर सेक्शन 18 के अंतर्गत एक साल की सजा है। श्री सचदेवा ने बताया कि दिल्ली के महापौर महेश कुमार ने अपनी पत्नी के दो नाम से दो मत एक ही घर में बनवा रखे हैं। एक जगह उनकी पत्नी का नाम श्रीमती ममता और दूसरी जगह श्रीमती निधि है और दोनों जगह एक ही महिला की फोटो है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने कहा कि श्री केजरीवाल ने गत 10 साल में खुद को फर्जी वोटों का, चाहें वह बंगलादेशी मुसलमान हों या रोहिंग्याओं का हो या दो वोटर हों का मसीहा साबित किया है।

पंजाबी बाग फ्लाईओवर को सीएम आतिशी ने किया जनता को समर्पित

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से दिल्ली की जनता को एक और फ्लाईओवर की सौगात मिली है। सीएम आतिशी ने पंजाबी बाग फ्लाईओवर का उद्घाटन किया है। इस दौरान दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष और आम आदमी पार्टी की विधायक राखी बिड़ला और मोती नगर विधायक शिवचरण गोयल भी मौजूद रहे। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि यह पंजाबी बाग और इसके आसपास के इलाकों के लोगों के लिए नहीं बल्कि पूरी दिल्ली के लोगों के लिए तोहफा है। यह रिंग रोड का एक खास हिस्सा है। यहां पर लोग घंटों ट्रैफिक जाम से परेशान होते थे और फंसते थे।\ उन्होंने कहा कि लोग सोचते थे कि कोई और रास्ता ले लिया जाए क्योंकि पंजाबी

बाग और मोती बाग की तरफ इतना ज्यादा ट्रैफिक होता है और जाम होता है कि लोगों का सफर कई घंटो में पूरा होता था। उन्होंने कहा कि आज हम इस फ्लाईओवर का उद्घाटन कर रहे हैं। जिसकी लंबाई 1.12 किलोमीटर की है। ये नजफगढ़ ड्रेन से ईएसआई अस्पताल को पार करता है। उन्होंने कहा कि इस एक फ्लाईओवर के होने से तीन बत्तियों पर मिलने वाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी। इस फ्लाईओवर से आजादपुर, राजा गार्डन, नजफगढ़, ईएसआई हॉस्पिटल इन इलाकों में आने जाने वाली गाड़ियों, बसों, टू व्हीलर को काफी आराम मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले जो मोती नगर में फ्लाईओवर है उसे वन साइड से डबल फ्लाईओवर में बनाया गया था। इस नए फ्लाईओवर से 3.50 लाख वाहन चालकों को रोजाना फायदा मिलेगा। इस एक फ्लाईओवर से 1 साल में 11 लाख-पेट्रोल और डीजल बचेगा। जितना पेट्रोल डीजल की बचत होगी, उतना ही दिल्ली की जनता को प्रदूषण से भी राहत मिलेगी। आतिशी ने कहा कि इस एक फ्लाईओवर को बनाना मतलब 65,000 पेड़ लगाने के बराबर है।

झूठ और लूट पर टिकी है आप सरकार की बुनियाद : तिवारी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली से सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रांत के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी ने प्रदेश सरकार पर तीखा प्रहार किया और कहा कि दुर्भाग्य से दिल्ली में एक ऐसी सरकार है, जिसकी नींव झूठ और लूट पर टिकी हुयी है। दिल्ली के लोगों का जीवन स्तर सही करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय ऊर्जा तथा आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। इस बाद की जानकारी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा सांसद ने दी। तिवारी के अलावा केंद्रीय मंत्री एवं पूर्वी दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा, दक्षिणी दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, उत्तर-पश्चमी दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदोलिया, नई दिल्ली नगर निगम के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल और इस दौरान और दिल्ली प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर मौजूद थे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : 15 सीटों पर आप, बीजेपी-कांग्रेस के बीच होगा त्रिकोणीय मुकाबला

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनावों में आप, बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला होने वाला है। चुनाव एक महीने बाद होने की संभावना है। आप पिछले दो चुनावों में जीत हासिल कर चुकी है, जबकि बीजेपी अपनी स्थिति सुधारने की कोशिश में है। कांग्रेस, जिसने 2015 और 2020 में आप के हाथों अपनी जमीन गंवा दी थी, दिल्ली की राजनीति में फिर से पैर जमाने की कोशिश कर रही है। तीनों पार्टियां चुनाव प्रचार में पूरी ताकत लगा रही हैं और कम वोटों के अंतर वाले सीटों पर विशेष ध्यान दे रही हैं।

क्या कहता है तीनों पार्टियों का रिपोर्ट कार्ड: आम आदमी पार्टी ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया है। 2015 में, आप ने 70 में से 67 सीटें जीतीं और 54.6% वोट हासिल किए। 2020 में, पार्टी को 62 सीटें मिलीं और वोट शेयर थोड़ा कम होकर 53.6% रह गया। भारतीय जनता पार्टी 2013 में 32 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। हालांकि, 2015 में उसकी सीटें घटकर केवल तीन रह गईं, जबकि 2020 में वह 8 सीटें जीतने में कामयाब रही। कांग्रेस का प्रदर्शन पिछले

कुछ चुनावों में लगातार खराब रहा है। 2008 में 43 सीटें जीतने वाली कांग्रेस 2013 में 24.6% वोट शेयर के साथ 8 सीटों पर सिमट गई। 2015 और 2020 में पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई।

15 सीटों पर मुकाबला: इस बार आप और बीजेपी उन सीटों पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं जहां उन्हें पहले भारी समर्थन मिला था। साथ ही, वे उन सीटों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही हैं जहां जीत का अंतर कम था। पिछले चुनाव में 15 ऐसी सीटें थीं जहां जीत का अंतर 10,000 से कम था। 2015 में ऐसी केवल 6 सीटें थीं। 26 सीटों पर जीत का अंतर 10,001 से 20,000 वोटों के बीच था, जबकि 14 सीटों पर यह अंतर 20,001 से 30,000 वोटों के बीच था। 15 सीटों पर जीतने वाले उम्मीदवार को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 30,000 से अधिक वोट मिले, और ये सभी सीटें आप ने जीतीं।

कांग्रेस के वोट शेयर में सुधार, बीजेपी को फायदा: एक वरिष्ठ आप पदाधिकारी ने माना कि कई सीटों पर मुकाबला कड़ा होगा, खासकर जहां जीत का अंतर कम था। कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ, आप पदाधिकारियों ने कहा कि उनके पास उन सीटों पर भी नतीजे बदलने का अच्छा मौका है जहां आप पिछले चुनाव में बड़े अंतर से जीती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आप का वोट बैंक एक ही है, इसलिए कांग्रेस के वोट शेयर में सुधार से हमारी जीत की संभावनाएं सीधे तौर पर बढ़ेंगी। 2020 के चुनावों में, कांग्रेस ने 66 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उसके 3 उम्मीदवारों को 20,000 से अधिक वोट मिले। जबकि 5 को 10,001 से 20,000 के बीच वोट मिले। 20 उम्मीदवारों को 5,001 से 10,000 वोट मिले, जबकि 38 उम्मीदवार 5,000 से कम वोटों पर सिमट गए। एक कांग्रेस पदाधिकारी ने कहा कि हम न केवल कुछ सीटों पर नतीजों को प्रभावित करेंगे, बल्कि हमारे उम्मीदवार इस बार कई सीटें जीतेंगे। इस बार दिल्ली में नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

उत्तर रेलवे

(ई–नीलामी सूचना)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा डीलक्स पे एंड यूज शौचालय BOT, MOT और ROMT के आधार पर अनुबंध लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी IREPS पोर्टल (https://ireps.gov.in) पर ई–बोली ''जैसा है जहां है'' के आधार पर निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है:–

ई–कैंटलॉग संख्या (E-Catalogue No)	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/साइट्
PaynUse01-2025	दिनांक 20.01.2025 को 12:00 बजे	पटेल नगर (PTNR)-1 साइट, शिवाजी ब्रिज (CSB)-1 साइट, पानीपत (PNP)-1 साइट, कुल - 3 साइट्स/स्थल।
वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता		https://ireps.gov.in/
ई–नीलामी में भाग लेने के लिए ठेकेदारों के लिए पूर्वापेक्षाएँ		आईआरईपीएस के ई–नीलामी लीजिंग मॉडयूल के माध्म से आयोजित ई नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए: ई–नीलामी लीजिंग मॉडयूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण – ई–नीलामी लीजिंग मॉडयूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता; एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता; आईआरपीएस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक खाते का एकीकरण; फण्ड का लियन मार्किंग; कारोबार का अद्यतन विवरण; जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉडयूल के लिए आईआरईपीएस खाता नहीं है, वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामीलीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। ई–ऑक्शन लीजिंग मॉडयूल के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (वीएएन) नामक एक नयातंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। बोली लगाने हेतु प्रवेश करने से पहले किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय हो) और वैन मैकेनिज्म के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले का भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरितकरने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई–नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।
सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी		वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली 110055 Email:sanitationcell@gmail.com Tel: 011-23743084

संख्या 7PUB/TN/Pay&Use Toilets/Auction/2022 Dated: 01.01.2025 21/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त खबरें

ग्रेटर कैलाश विधानसभा सीट: सौरभ भारद्वाज को चौका लगाने से क्या रोक पाएगी बीजेपी?

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की तरफ से तैयारी जारी है। अब तक किसी भी दल की तरफ से गठबंधन का ऐलान नहीं किया गया है। आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने भी उम्मीदवारों की 2 लिस्ट जारी कर दी है। ग्रेटर कैलाश सीट से आम आदमी पार्टी की तरफ से एक बार फिर सौरभ भारद्वाज को मैदान में उतारा गया है। सौरभ भारद्वाज इस सीट से लगातार चौथी बार चुनावी मैदान में हैं। आइए जानते हैं इस सीट का क्या है समीकरण और चुनावी मुद्दे। 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शिखा राय को 16,809 वोटों के अंतर से हराया था। सौरभ भारद्वाज को 60,372 वोट मिले थे, जबकि शिखा राय को 43,563 वोट प्राप्त हुए थे। इससे पहले साल 2015 और 2013 के विधानसभा चुनाव में भी सौरभ भारद्वाज ने आम आदमी पार्टी की टिकट पर जीत दर्ज की थी।

गाजियाबाद डीएम के निर्देशन में रेडक्रॉस सोसाइटी ने जनसेवा में रचा इतिहास : सुभाष गुप्ता

गाजियाबाद। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, गाजियाबाद के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए रेडक्रॉस के सभापति डॉ. सुभाष गुप्ता ने डीएम इन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि डीएम के कुशल निर्देशन में रेडक्रॉस सोसाइटी ने जनहित, सीनियर सिटीजन और महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रेडक्रॉस सोसाइटी गाजियाबाद में डीएम इन्द्र विक्रम सिंह की प्रेरणा से लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। चाहे जरूरतमंदों की सहायता हो, महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की पहल हो या वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम, सोसाइटी ने हर पहलू में अपनी जिम्मेदारियों का उत्कृष्ट निर्वहन किया है। डॉ. सुभाष गुप्ता ने कहा कि डीएम इन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व ने रेडक्रॉस को एक नई दिशा दी है, जिससे सोसाइटी समाज के हर वर्ग के लिए मददगार साबित हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजियाबाद रेडक्रॉस की गतिविधियां अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। इस पहल के तहत हाल ही में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन और जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत सामग्री वितरण जैसे प्रयासों ने गाजियाबाद रेडक्रॉस को जनसेवा का सशक्त माध्यम बना दिया है। गाजियाबाद डीएम और उनकी टीम की यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेडक्रॉस सोसाइटी की इस सफलता के लिए सभी के द्वारा भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डीएम इन्द्र विक्रम सिंह और उनकी टीम को एक सराहनीय पहल और बधाई का पात्र बताया जा रहा है।

गैंगस्टर के मामले में भाजपा नेता गिरफ्तार

गाजियाबाद। गैंगस्टर के मामले में वांछित चल रहे भाजपा नेता अनुज कसाना को इंदिरापुरम थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस सूचना के मिलते ही इंदिरापुरम थाने पर दर्जनों भाजपा नेता व कार्यकर्ता पहुंचकर गये। आज सुबह भाजपाईयों ने न केवल जमकर हंगामा किया बल्कि पुलिस पर भाजपा नेता का उत्पीड़न करने और उसपर जबरन गैंगस्टर लगाने के आरोप लगाकर भाजपाई थाने के बाहर धरने पर भी बैठ गये। इस संदर्भ में जहां इंदिरापुरम पुलिस भाजपा नेता की गिरफ्तारी को नियमसंगत बता रही है वहीं पुलिस का यह भी कहना है कि गिरफ्तार किये गये अनुज कसाना के ऊपर गैंगस्टर के अलावा कई अभियोग दर्ज हैं।

नए साल की पार्टी के बाद मारपीट, एक्सीडेंट के वीडियो वायरल, नशे में धुत लोगों को पुलिस ने घर तक पहुंचाया

नोएडा। साल के अंतिम दिन नए साल के जश्न में चप्पे-चप्पे पर पुलिस मौजूद रही। हजारों वाहनों के चालान काटे गए सैकड़ों लोगों को खुले में शराब पीने के चलते नोटिस दिया गया। वहीं कई मारपीट और एक्सीडेंट के वीडियो भी सामने आए। इस दौरान नशे में धुत कई लोगों को पुलिस टीम ने घर तक भी पहुंचाया। मिली जानकारी के मुताबिक नए साल के जश्न के दौरान मारपीट की कई घटनाएं सामने आई। मंगलवार देर रात गार्डन गैलेरिया परिसर के अंदर ही दो पक्ष किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। इसके अलावा सेक्टर-18 में पार्टी कर लौट रहे कार सवार ने छोटा हाथी को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

पूर्वांचलियों को बंगलादेशी-रोहिंग्या कहकर अपमानित करना बंद करे भाजपा: आप

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, 02 जनवरी (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया है कि वह दिल्ली में वर्षों से रह रहे पूर्वांचल समाज के लोगों को बंगलादेशी और रोहिंग्या बताकर उनका वोट कटवाने की कोशिश कर रही है। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि पूरी दुनिया में झूठ फैलाने में माहिर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुबह से कुछ झूठ फैलाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, ह्लआम आदमी पार्टी के तौर पर हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम भारतीय जनता पार्टी के हर एक झूठ का जवाब दें। दिल्ली में 30-40 साल से जो हमारे उत्तर प्रदेश, बिहार और पूर्वांचल के लोग रह रहे हैं, जिन्होंने अपने श्रम और परिश्रम से दिल्ली को बनाने का काम किया, अगर भाजपा सोचती है कि उनका वोट कटवा लेगी, तो आम आदमी पार्टी ऐसा कतई नहीं होने देगी। श्री सिंह ने कहा कि किस तरह भाजपा के लोगों ने दिल्ली में रह रहे हमारे पूर्वांचली भाई-बहनों को रोहिंग्या और बंगलादेशी कहकर अपमानित करके उनका वोट कटवाने के लिए आवेदन दिया है।

उन्होंने कहा, शाहदरा विधानसभा में 11,000 लोगों का वोट कटवाने के लिए भाजपा के एक पदाधिकारी ने आवेदन किया। जनकपुरी विधानसभा में भाजपा के 24 कार्यकर्ताओं ने 4,874 वोट कटवाने के लिए आवेदन किया। तुगलकाबाद विधानसभा में भाजपा के 15 कार्यकर्ताओं ने 2,435 वोट कटवाने के लिए आवेदन दिया, पालम में भाजपा के नौ कार्यकर्ताओं ने 1,641, रजौरी गार्डन में छह कार्यकर्ताओं ने 571, हरी नगर में चार कार्यकर्ताओं ने 637, करावल नगर में दो भाजपा कार्यकर्ताओं ने 3,260 वोट और मुस्तफाबाद में एक कार्यकर्ता ने 534 वोट काटने के लिए आवेदन दिया। यह भाजपा के कुकर्मों और पाप का लेखा-जोखा है। भाजपा को गलतफहमी है कि वह पूर्वांचल के हमारे भाइयों को बंगलादेशी और रोहिंग्या कहेंगे, उन्हें गाली देंगे, उनका वोट कटवाएंगे और मैं चुप रहूंगा। मैं सदन में भी भाजपा से लड़ूंगा और सड़क पर भी लड़ूंगा। श्री सिंह ने कहा कि हम दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों का वोट काटने नहीं देंगे। भाजपा वाले इन्हें बंगलादेशी और रोहिंग्या कहकर अपमानित करना बंद करें। भाजपाइयों को हम पूरी दुनिया और देश के सामने एक्सपोज कर चुके हैं। हमने इनका चुनावी घोटाला पकड़ा है। भाजपा के लोग दिल्ली में वोट कटवाकर चुनाव जीतना चाहते थे, लेकिन उनके मंसूबों पर पानी फिर गया है।

केंद्र सरकार निरस्त कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से लागू करने की तैयारी में : आप प्रमुख केजरीवाल

केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि केंद्र निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों को नीति कहकर उन्हें पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि नई नीति की प्रतियां सभी राज्यों को उनके विचार जानने के लिए भेजी गई हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल एक महीने से अधिक समय से आमरण अनशन पर हैं और उन्होंने चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया है।

प्रात : किरण/एजेंसी

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पंजाब में प्रदर्शनकारी किसानों को कुछ हुआ तो इसके लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिम्मेदार होगी। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी सहित कई मांगों को लेकर आमरण अनशन पर हैं। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि केंद्र निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों को नीति कहकर उन्हें पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि नई नीति की प्रतियां सभी राज्यों को उनके विचार जानने के लिए भेजी गई हैं। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल एक महीने से अधिक समय से आमरण अनशन पर हैं और उन्होंने चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया है। आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति रूपरेखा पर नव घोषित मसौदा नीति को 2020 में पारित तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से प्रवेश का प्रयास करार दिया है। किसानों के एक साल के विरोध के बाद केंद्र ने तीनों कानूनों को निरस्त कर दिया था। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं लेकिन अपने अहंकार के कारण भाजपा सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। आप प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने तीन साल पहले किसानों की मांगों को मान लिया था लेकिन अब वह अपने वादे से मुकर गई है। केजरीवाल ने कहा, आखिर भाजपा को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है कि वह किसी से बात भी नहीं करती ? उन्होंने अपने लंबे पोस्ट में कहा, पंजाब में जो किसान अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं, भगवान उन्हें सलामत रखें लेकिन यदि उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए भाजपा जिम्मेदार होगी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से जब प्रदर्शनकारी किसानों के साथ गतिरोध समाप्त करने के लिए बातचीत करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बुधवार को कहा कि सरकार पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर जारी किसानों के विरोध प्रदर्शन पर उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार काम करेगी। उच्चतम न्यायालय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहा है। शीर्ष अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब सरकार की खिंचाई की और कहा कि उसके अधिकारी तथा कुछ किसान नेता मीडिया में गलत धारणा बना रहे हैं कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने स्थिति को जटिल बनाने के किसी भी प्रयास से इनकार किया और कहा कि डल्लेवाल को अपना अनशन तोड़े बिना चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र पर फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित प्रदर्शनकारी किसानों की मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाने के मकसद से डल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब एवं हरियाणा के बीच खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा किसानों को दिल्ली कूच से रोके जाने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी से पंजाब एवं हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

परियोजना स्थलों पर होगा शिलान्यास समारोह का सीधा प्रसारण: प्रो. योगेश सिंह

इसमें नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का भवन भी शामिल है, जिसमें शिक्षा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि परियोजना स्थलों पर शिलान्यास समारोह के सीधे प्रसारण की व्यवस्था भी की जाएगी जिसमें सैंकड़ों स्थानीय लोग शामिल होंगे।

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन जनवरी को दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर में एक शैक्षणिक ब्लॉक और द्वारका में पश्चिमी परिसर में एक शैक्षणिक ब्लॉक शामिल है। इसमें नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का भवन भी शामिल है, जिसमें शिक्षा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि परियोजना स्थलों पर शिलान्यास समारोह के सीधे प्रसारण की व्यवस्था भी की जाएगी जिसमें सैंकड़ों स्थानीय लोग शामिल होंगे। प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि सूरजमल विहार में, 15.25 एकड़ के पूर्वी परिसर में 373 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से अकादमिक ब्लॉक का निर्माण होगा। इस परिसर में एलएलबी, एलएलएम और पाँच वर्षीय इंटेग्रेटेड एलएलबी प्रोग्राम के साथ अन्य बहुविषयक प्रोग्राम भी संचालित होंगे। इस प्रोजेक्ट के 59618 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र में 60 क्लासरूम, 10 ट्यूटोरियल रूम, 06 मूट कोर्ट, 04 कंप्यूटर लैब, 02 कैफेटेरिया और 02 कॉमन रूम सहित अनेकों अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि द्वारका सैक्टर 22 में बनने वाले पश्चिमी परिसर के पहले चरण में 107 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से नए अकादमिक भवन का निर्माण होगा। इस प्रोजेक्ट के 19434.28 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र में 42 क्लास रूम, 02 मूट कोर्ट, डिजिटल लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, फैकल्टि रूम, कैफेटेरिया, लड़कों एवं लड़कियों के कॉमन रूम और सेमिनार हाल सहित अनेकों अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पश्चिमी परिसर से मात्र 5 मिनट की दूरी पर रोशनपुरा, नजफगढ़ में यूईआर हाइवे के एकदम नजदीक वीर सावरकर के नाम पर एक कॉलेज का निर्माण किया जाएगा। लगभग 140 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 18816.56 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र वाले इस प्रोजेक्ट में अकादमिक गतिविधियों के लिए 24 क्लास रूम, 08 ट्यूटोरियल रूम, एक कैंटीन और 40 फैकल्टि रूम सहित डिपार्टमेंट लाइब्रेरी और और कॉन्फ्रेंस रूम जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शिवराज सिंह चौहान के खत पर आतिशी ने किया दाऊद इब्राहिम वाला तंज

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को किसानों के हितों को लेकर एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा है कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने जो योजनाएं शुरू की हैं उन्हें दिल्ली में अभी तक लागू नहीं किया गया है और इस वजह से किसानों को नुकसान हो रहा है। इस पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी का भी जवाब आ गया है। आतिशी ने कहा कि ₹बीजेपी का किसानों के बारे में बात करना वैसा ही है जैसे दाऊद अहिंसा पर प्रवचन दे रहा हो। जितना बुरा हाल किसानों का बीजेपी के समय हुआ, उतना कभी नहीं हुआ। पंजाब में किसान आमरण अनशन पर बैठे हैं, मोदी जी से कहिए उनसे बात करें। आतिशी ने ये भी कहा कि किसानों से राजनीति करना बंद करें।

कृषि मंत्री ने अपने पत्र में दिल्ली में किसानों की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दिल्ली में ₹आप₹ की सरकार किसानों के प्रति बेहद उदासीन है। किसानों के लिए दिल्ली सरकार में कोई संवेदना नहीं है। उन्होंने लिखा कि, दिल्ली में केजरीवाल और आतिशी ने कभी किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिए हैं। उन्होंने लिखा कि केजरीवाल ने हमेशा चुनावों से पहले बड़ी बड़ी घोषणाएं कर राजनैतिक लाभ लिया है। केजरीवाल ने सरकार में आते ही जनहितैषी निर्णयों को लेने के स्थान पर अपना रोना रोया है। 10 वर्षों से दिल्ली में आप की सरकार है, लेकिन पूर्व सीएम केजरीवाल ने हमेशा किसानों के साथ केवल धोखा किया है। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में लागू नहीं किया है।

किसानों के हित की बात की

शिवराज सिंह चौहान ने पत्र में लिखा, दिल्ली के किसान केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। दिल्ली में आप सरकार का किसानो के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया है। एकीकृत बागवानी मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, बीज ग्राम कार्यक्रम सहित अनेक योजनाओं का लाभ किसान नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली में केंद्र की कृषि योजनाएं लागू नहीं होने से किसान भाई-बहन नर्सरी और टिशू कल्चर की स्थापना, रोपण सामग्री की आपूर्ति, फसल उपरांत प्रबंधन के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, नए बाग, पाली हाउस एवं कोल्ड चैन की सब्सिडी सहित अनेक योजनाओं के लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

कृषि विकास योजना नहीं की दिल्ली में लागू

उन्होंने लिखा, कृषि विकास योजना के लागू नहीं होने से कृषि मशीनीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, फसल अवशेष प्रबंधन, परंपरागत कृषि विकास योजना, कृषि वानिकी और फसल डायवर्सिफिकेशन के लिए सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ दिल्ली के किसान नहीं ले पा रहे हैं। बीज ग्राम कार्यक्रम के दिल्ली में क्रियान्वयन नहीं होने से बीजों के वितरण, बीज परीक्षण, प्रयोगशालाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, बीज प्रमाणीकरण एजेंसियों की सहायता, बीजों की पारंपरिक किस्म के लिए सहायता और बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी जैसे लाभ नहीं मिल पा रहे है।

किसान उपकरण के लिए देना पड़ रहा अधिक दाम

उन्होंने लिखा, दिल्ली में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर सहित किसान उपकरण का पंजीकरण कमर्शियल व्हीकल श्रेणी में किया जा रहा है, जिससे किसानों को अधिक दाम देना पड़ रहा है। आप की सरकार फ्री बिजली की बात करती है, लेकिन दिल्ली में किसानों के लिए बिजली की उच्च दरें निर्धारित कर रखी हैं। यमुना से लगे गांवों में सिंचाई उपकरणों के बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे किसानों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।

कृषि मंत्री ने कहा राजनैतिक प्रतिस्पर्धा किसान कल्याण में बाधा नहीं होनी चाहिए

कृषि मंत्री ने पत्र में लिखा, राजनैतिक प्रतिस्पर्धा किसान कल्याण में बाधा नहीं बननी चाहिए, किसान कल्याण सभी सरकारों का कर्तव्य हैं। दलगत राजनीति से उठकर आप की सरकार को किसानों के हित में निर्णय लेने चाहिए। आम आदमी पार्टी की सरकार को केंद्र की योजनाओं को लागू कर दिल्ली के किसानों को राहत प्रदान करनी चाहिए।

प्रदीप भंडारी ने केजरीवाल से की अपील, 'नए साल पर झूठ नहीं बोलने का लें संकल्प'

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखे जाने पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को ₹झूठ नहीं बोलने₹ का संकल्प लेना चाहिए। प्रदीप भंडारी ने कहा, ₹अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखने का अधिकार है, लेकिन आज साल के पहले दिन मैं उनसे एक निवेदन करना चाहता हूं, यह मेरा राजनीतिक निवेदन नहीं है। मैं पिछले 10 साल से मैं उत्तर गुरुवायुरप्पन मंदिर आता हूं और अभी भी ईश्वर के मंदिर में खड़ा हूं। आज अरविंद केजरीवाल संकल्प ले कि वह झूठ नहीं बोलेंगे। प्रदीप भंडारी ने आगे कहा, ₹अरविंद केजरीवाल ने 50 करोड़ का शीश महल तो बनवा लिया पर दिल्ली और पंजाब की महिलाओं के खातों में आजतक पैसे नहीं आए हैं। हम सबको विकसित दिल्ली बनानी है, जहां पर नए सरकारी अस्पताल बने, नई शिक्षा की व्यवस्था हो, जहां पर टूटी सड़कें नहीं बल्कि सड़कें एकदम साफ हो, जिस तरीके से मध्य प्रदेश और गुजरात में हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ₹मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार महिलाओं के खातों में पैसे डाल रही है, वैसे ही यहां पर पैसे मिले। दिल्ली की जनता एक बार भारतीय जनता पार्टी को मौका देना चाहती है, अलग-अलग राज्यों में दिया है। मैं दिल्ली की जनता से हाथ जोड़कर यही निवेदन करूंगा कि आपने 15 साल कांग्रेस को दिए और 10 साल अरविंद केजरीवाल को दिए एक बार नए साल में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौका दें। अगर हम काम नहीं करते तो पांच साल से पहले ही हमको हटा दें पर एक बार हमें गरीबों की सेवा का मौका जरूर दें।

पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर हुई रिहर्सल

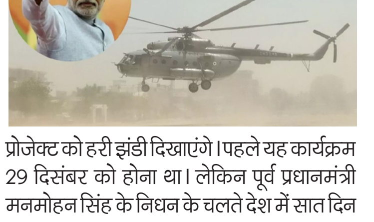

गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेन के अगले प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी का पांच जनवरी को फिर से कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है। हालांकि अभी तक इस तारीख को लेकर कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सम्भावित कार्यक्रम को लेकर फिर से तैयारियों में जुट गए हैं। पीएम का साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से नमो भारत ट्रेन में सवार होकर आंनद विहार स्टेशन तक का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद वह आगे के प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। पहले यह कार्यक्रम 29 दिसंबर को होना था। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के चलते देश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया था जिसके चलते सभी सरकारी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया गया था। ऐसे में गाजियाबाद में भी पीएम मोदी के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। अब फिर से पांच जनवरी की तारीख प्रस्तावित की गई है। प्रस्तावित तारीख को देखते हुए आज पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंथन किया। हिंडन एयरपोर्ट से साहिबाबाद तक के स्टेशन पर वीआईपी काफिले के रूट को लेकर रिहर्सल की गई। इस दौरान सामने आई खामियों को दूर करने के निर्देश दिए गए। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए सडकों की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के काम को फिर से शुरू कर दिया गया है। आज हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर डीएम इन्द्र विक्रम सिंह सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों के बीच तैयारियों को लेकर बैठक भी आयोजित हुई। जिसमें कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई। किस तरह से काफिला स्टेशन पहुचेंगा, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, वीवीआईपी का मूवमेंट, जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत का कार्यक्रम आदि को लेकर चर्चा हुई।

घोषणाएं अरविंद केजरीवाल की इसी घोषणा पर बात करते हुए शाहदरा साऊथ जोन नगर निगम के अध्यक्ष कृष्णा नगर वार्ड के निगम पार्षद संदीप कपूर ने कहा कि झूठे अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई एक और झूठी घोषणा।

एक के बाद एक लगातार झूठी घोषणाएं करते जा रहे हैं केजरीवाल : संदीप कपूर

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि अगर उनकी पार्टी दिल्ली में दोबारा सरकार बनाती है तो वह पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना शुरू करेगी जिसके तहत दिल्ली के मंदिरों में काम करने वाले सभी पंडितों और पुजारियों और गुरुद्वारों में ग्रंथियों को 18, 000 रुपये प्रति माह दिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल की इसी घोषणा पर बात करते हुए शाहदरा साऊथ जोन नगर निगम के अध्यक्ष कृष्णा नगर वार्ड के निगम पार्षद संदीप कपूर ने कहा कि झूठे अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई एक और झूठी घोषणा। संदीप कपूर ने कहा कि पहली बात पिछले 10 वर्षों से दिल्ली की सत्ता पर आम आदमी पार्टी का राज है, 10 वर्ष किसी भी पार्टी के लिए कम नहीं होते अगर वह पार्टी काम करना चाहे लेकिन पिछले 10 वर्षों में अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में कोई काम नहीं किया। संदीप कपूर ने कहा कि 10 वर्ष पहले जहां दिल्ली थी आज दिल्ली के हालात उससे भी ज्यादा बुरे है, सड़कों की हालत खराब है, लोगों के घरों में गंदा पानी आता है, बारिश के समय में जगह जगह जलभराव हो जाता है, प्रदूषण इतना ज्यादा है कि अब लोग दिल्ली छोड़कर अन्य शहरों में जा रहे हैं। संदीप कपूर ने कहा कि अब जब अरविंद केजरीवाल को इस बात का एहसास हो गया है कि उनके कुशासन का नतीजा आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें भुगतना पड़ेगा और आम आदमी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में बहुत बड़ी हार की तरफ बढ़ रही है तो अपनी हार से बचने के लिए अरविंद केजरीवाल नई घोषणाएं कर रहे हैं जिनका आधार सिर्फ और सिर्फ झूठ है। संदीप कपूर ने कहा कि कोई भी पार्टी जो सत्ता में होती है वह जनता से वोट अपने काम पर मांगती है, नई योजनाओं पर नहीं अगर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में काम किया होता तो वह अपने द्वारा किए गए काम पर दिल्ली की जनता से वोट मांगते, उनको नई नई घोषणाएं करने की जरूरत नहीं पड़ती लेकिन जनता से वोट मांगने के लिए अरविंद केजरीवाल के द्वारा नई घोषणाओं का ऐलान करना इस बात का सबूत है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में कोई काम नहीं किया इसलिए जनता से वोट मांगने के लिए उनके पास अपने द्वारा बताए जाने वाला एक काम भी नहीं है जिस कारण अरविंद केजरीवाल झूठी झूठी घोषणाएं कर रहे हैं। संदीप कपूर ने कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल से यह सवाल पूछता हूँ कि क्या पिछले 10 वर्षों में पुजारी ग्रंथी योजना की जरूरत नहीं थी ? संदीप कपूर ने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनके द्वारा बनाई गई आम आदमी पार्टी का आधार सिर्फ और सिर्फ झूठ है, इन्होंने दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में कोई काम नहीं किया और अब अपनी हार से बचने के लिए यह फिर से झूठी घोषणाएं कर रहे हैं ताकि दिल्ली की जनता इन्हें वोट दे लेकिन दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल के झूठ के खेल को समझ चुकी है और अबकी बार दिल्ली की जनता ने पूरा मन बना लिया है कि अरविंद केजरीवाल और उनकी बनाई गई आम आदमी पार्टी को दिल्ली की सत्ता से हटाना है।

संक्षिप्त खबरें

गैंगस्टर के मामले में भाजपा नेता गिरफ्तार

गाजियाबाद। गैंगस्टर के मामले में वांछित चल रहे भाजपा नेता अनुज कसाना को इंदिरापुरम थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस सूचना के मिलते ही इंदिरापुरम थाने पर दर्जनों भाजपा नेता व कार्यकर्ता पहुंचकर गये। आज सुबह भाजपाईयों ने न केवल जमकर हंगामा किया बल्कि पुलिस पर भाजपा नेता का उत्पीड करने और उसपर जबरन गैंगस्टर लगाने के आरोप लगाकर भाजपाई थाने के बाहर धरने पर भी बैठ गये। इस संदर्भ में जहां इंदिरापुरम पुलिस भाजपा नेता की गिरफ्तारी को नियमसंगत बता रही है वहीं पुलिस का यह भी कहना है कि गिरफ्तार किये गये अनुज कसाना के ऊपर गैंगस्टर के अलावा कई अभियोग दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर भाजपाईयों व अनुज कसाना के परिजनों का कहना है कि पुलिस उनके पुत्र के राजनैतिक भविष्य का तहस-नहस करने पर तुली हुई है। समाचार लिखे जाने तक जहां भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं के साथ थाने के बाहर धरने पर बैठे हुए थे वहीं पुलिस अधिकारी भाजपा नेताओं को इस प्रकरण में कंविन्स करने का प्रयास कर रहे थे।

भाजपा युवा मोर्चा ने किया थाने पर प्रदर्शन

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष पर गैंगस्टर लगाये जाने के बाद मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इंदिरापुरम थाने पर प्रदर्शन किया। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा व पार्षद पप्पू नागर के नेतृत्व में काफी समय तक इंदिरापुरम थाने के गेट पर ही डटे रहे। एसपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से बातचीत की। पुलिस ने गैंगस्टर की अपनी कार्रवाई को उचित ठहराया है।

पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर हुई रिहर्सल

गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेन के अगले प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी का पांच जनवरी को फिर से कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है। हालांकि अभी तक इस तारीख को लेकर कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारी सम्भावित कार्यक्रम को लेकर फिर से तैयारियों में जुट गए हैं। पीएम का साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से नमो भारत ट्रेन में सवार होकर आंनद विहार स्टेशन तक का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद वह आगे के प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। पहले यह कार्यक्रम 29 दिसंबर को होना था। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के चलते देश में सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया था जिसके चलते सभी सरकारी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया गया था। ऐसे में गाजियाबाद में भी पीएम मोदी के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। अब फिर से पांच जनवरी की तारीख प्रस्तावित की गई है। प्रस्तावित तारीख को देखते हुए आज पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंथन किया। हिंडन एयरपोर्ट से साहिबाबाद तक के स्टेशन पर वीआईपी काफिले के रूट को लेकर रिहर्सल की गई। इस दौरान सामने आई खामियों को दूर करने के निर्देश दिए गए। पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए सडकों की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के काम को फिर से शुरू कर दिया गया है। आज हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर डीएम इन्द्र विक्रम सिंह सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों के बीच तैयारियों को लेकर बैठक भी आयोजित हुई। जिसमें कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई। किस तरह से काफिला स्टेशन पहुचेंगा, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, वीवीआईपी का मूवमेंट, जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत का कार्यक्रम आदि को लेकर चर्चा हुई।

यमुनानगर तिहरे हत्याकांड में लापरवाही बरतने पर बड़ा एक्शन, 5 पुलिसकर्मी, 2 एसपीओ और 2 होमगार्ड बर्खास्त

प्रात: किरण संवाददाता

यमुनानगर। यमुनानगर जिले से खेड़ी लक्खासिंह गांव में तिहरे हत्याकांड के बाद बुधवार को पांच पुलिसकर्मियों, दो एसपीओ और होमगार्ड के दो जवानों को बर्खास्त कर दिया गया है। जिले में पुलिस विभाग में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

तीनों लोगों की हुई थी हत्या

वह कर्मचारी बच गए, जो डायल 112 पर तैनात थे या किसी कार्य से बाहर ड्यूटी पर थे। इस संबंध में एसपी राजीव देसवाल को फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

खेड़ी लक्खासिंह में 26 दिसंबर को बदमाशों ने शराब ठेकेदार के चचेरे भाई गोलनी निवासी वीरेंद्र राणा, शराब ठेकेदार उन्हेड़ी निवासी अर्जुन राणा व उत्तर प्रदेश के शामली के गांव मखमूलपुर निवासी पंकज मलिक की हत्या कर दी थी।

बता दें कि इस गोलीकांड की एक वीडियो भी वायरल हुई थी, जिसमें नकाबपोश बदमाश जिम करके घर लौट रहे इन तीनों युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए नजर आए थे।

काला राणा गैंग ने वारदात को दिया था अंजाम

काला राणा गैंग ने इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस चौकी के पास इतनी बड़ी वारदात होने पर सवाल उठे। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, वीरेंद्र राणा के घर पर शोक जताने भी पहुंचे थे।

तब स्वजन ने बताया कि पुलिस चौकी के पास बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं, लेकिन चौकी से पुलिसकर्मी बाहर तक नहीं निकले और न ही बदमाशों का पीछा किया।

एसपी ने कर दिया था पूरी चौकी को निलंबित

गोलीकांड में घायल युवकों को भी स्थानीय लोग ही अस्पताल लेकर गए थे। पुलिस घटनास्थल पर भी देरी से पहुंची थी। इस पर कृषि मंत्री ने एसपी से बात की थी। 26 दिसंबर को वारदात के तुरंत बाद एसपी ने पूरी पुलिस चौकी को निलंबित कर दिया था। अब बर्खास्त कर दिया है।

इन पर गिरी गाज

चौकी इंचार्ज एसआइ निर्मल सिंह, एएसआइ जसबीर व दलबीर, हेड कांस्टेबल कृष्ण, सिपाही रवि, एसपीओ प्रदीप व हरविंदर सिंह और होमगार्ड के जवान अमरजीत और लवकेश।

जिनकी कागजों में रवानगी वे बर्खास्त होने से बच गए

चौकी में 14 का स्टाफ था। हालांकि, निलंबित होने के बाद जब विभागीय जांच हुई, तो कुछ कर्मचारियों की रवानगी कागजों में मिली। इसी वजह से वह बर्खास्तगी से बच गए।

गाजियाबाद डीएम के निर्देशन में रेडक्रॉस सोसाइटी ने जनसेवा में रचा इतिहास : सुभाष गुप्ता

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, गाजियाबाद के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए रेडक्रॉस के सभापति डॉ. सुभाष गुप्ता ने डीएम इन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि डीएम के कुशल निर्देशन में रेडक्रॉस सोसाइटी ने जनहित, सीनियर सिटीजन और महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रेडक्रॉस सोसाइटी गाजियाबाद में डीएम इन्द्र विक्रम सिंह की प्रेरणा से लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। चाहे जरूरतमंदों की सहायता हो, महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की पहल हो या वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम, सोसाइटी ने हर पहलू में अपनी जिम्मेदारियों का उत्कृष्ट निर्वहन किया है। डॉ. सुभाष गुप्ता ने कहा कि डीएम इन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व ने रेडक्रॉस को एक नई दिशा दी है, जिससे सोसाइटी समाज के हर वर्ग के लिए मददगार साबित हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजियाबाद रेडक्रॉस की गतिविधियां अन्य जिलों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। इस पहल के तहत हाल ही में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन और जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत सामग्री वितरण जैसे प्रयासों ने गाजियाबाद रेडक्रॉस को जनसेवा का सशक्त माध्यम बना दिया है।

गाजियाबाद डीएम और उनकी टीम की यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेडक्रॉस सोसाइटी की इस सफलता के लिए सभी के द्वारा भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डीएम इन्द्र विक्रम सिंह और उनकी टीम को एक सराहनीय पहल और बधाई का पात्र बताया जा रहा है।

बलिया में बीयर की दुकान पर कहासुनी के बाद दो युवकों की धारदार हथियार से हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

बलिया। बिहार की सीमा से सटे बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र के एक गांव में बीयर की दुकान पर कहासुनी के बाद दो युवकों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, नरही थाना क्षेत्र के कोटवा नारायनपुर गांव में बुधवार की रात प्रशांत गुप्ता (23) और गोलू वर्मा (24) एक दुकान से बीयर खरीदने गए थे कि इस दौरान वहां मौजूद गांव के ही कुछ युवकों से उनकी कहासुनी हो गई जो मारपीट में तब्दील हो गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी युवकों ने दोनों पर कुल्हाड़ी से प्रहार किया, जिसमें प्रशांत और गोलू की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने शव को राष्ट्रीय राजमार्ग पर रख कर जाम किया। आक्रोशित ग्रामीण पुलिस के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे। इससे गाजीपुर झ भरौली मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और बातचीत कर आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया तथा देर रात जाम को खत्म कराया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। उन्होंने बताया कि परिजनों से प्राप्त शिकायत के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। एसपी के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम का गठन किया गया है। साथ ही अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

कुछ घंटे के अंदर ही दबोचा हत्यारोपित

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। मुरादनगर थाने के एसओ मुकेश सोलंकी की टीम ने विनोद मर्डर केस में वांछित मोहित को वारदात के कुछ घंटे के अंदर ही दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान मृतक विनोद के पड़ोसी मोहित ने बताया कि मृतक शराब पीकर जहां उसकी पत्नी से छेड़छाड़ की थी वहीं उसके ऊपर भी बेस बॉल ड़ंडे से हमला किया था। जिसके बाद उसने उसके बेस बॉल के ड़ंड़े को छीनकर उसके सिर पर मार दिया था। उसके बाद विनोद अपने घर चला गया था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलवाने के नाम पर 26 लाख ठगे, जानें पूरा मामला

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। दो लोगों ने गुरुग्राम के डूंडाहेड़ा गांव निवासी एक महिला को दिल्ली यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलवाने के नाम पर 26 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपितों ने साजिश रचकर महिला के परिवारवालों को जाल में फंसाया।

कई बार यूनिवर्सिटी की ई-मेल आईडी से महिला के पास ई-मेल भेजे गए। आरोपितों ने कहे अनुसार जब महिला कागजों की जांच कराने के लिए यूनिवर्सिटी पहुंची तो धोखाधड़ी का पता चला। रुपये वापस मांगने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी उद्योग विहार थाने में बुधवार को धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया।

महिला के भाई ने उद्योग विहार थाना पुलिस को दी शिकायत

महिला के भाई अंकुर राव ने उद्योग विहार थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनकी बहन पूजा यादव शादीशुदा है। वह 2023 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। इस दौरान उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर पद के लिए भी इंटरव्यू दिया, लेकिन इसमें वह फेल हो गईं।

रवि ने बताया कि उनकी नूंह के ताउडू निवासी ओमकार यादव से जान पहचान थी। वह अक्टूबर 2023 में उनके घर आया। उसने बातों-बातों में पूजा की नौकरी के बारे में पूछा। जब उसे इंटरव्यू क्लीयर न होने के बारे में बताया तो उसने कहा कि उसकी दिल्ली यूनिवर्सिटी में उच्च अधिकारियों से जान पहचान है।

आरोपितों ने पूजा के परिवारवालों को दिखाए कई नौकरी के खत

वह पूजा का इंटरव्यू क्लीयर कराकर नौकरी पर लगवा देगा। इसके बाद उसने रोहतक के सांपला निवासी संदीप कुमार व अन्य लोगों से मिलवाया। नौकरी लगवाने के लिए 32 लाख रुपये मांगे गए। झांसे में लेने के लिए आरोपितों ने पूजा के परिवारवालों को कई नौकरी के लेटर दिखाए।

रवि ने शुरुआत में 15 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इंटरव्यू की ई-मेल आने पर पांच लाख रुपये दिए गए। अप्रैल 2024 तक आरोपितों को 26 लाख रुपये दे दिए गए। इस दौरान पूजा के मेल पर यूनिवर्सिटी की ई-मेल आईडी से कई बार मेल आए। कभी इंटरव्यू तो कभी कागजों की जांच की मेल भेजी गई।

जब अप्रैल 2024 में कागजों की जांच के लिए पूजा व रवि कैंपस में पहुंचे तो उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। इस पर उन्होंने ओमकार से रुपये वापस मांगे। कई महीनों तक आरोपित पैसे देने के लिए टाल-मटोल करते रहे। अंत में रुपये वापस मांगने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

बदायूँ उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत युवा कल्याण विभाग ,बदायूं के तत्वाधान में तीन दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम बहेड़ी, बदायूं में किया गया। जिसके अंतर्गत पहले दिन एथलेटिक्स एवं कबड्डी (बालक एवं बालिका) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव के कर कमलो द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा विजेता खिलाडियों को प्रमाण पत्र एवम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया तथा राष्ट्रीय स्तर पर जिला बदायूं का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया एवम शपथ भी दिलाई तथा युवा कल्याण विभाग, बदायूं द्वारा ग्रामीण आंचल से प्रतिभाएं खोज कर लाने हेतु भूरी भूरी प्रशंसा की।

प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ (सब जूनियर वर्ग) पुरुष में प्रथम स्थान राधेश्याम 800 मी दौड़ में रामू पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवम 100 मीटर दौड़ (सब जूनियर वर्ग) महिला में प्रथम स्थान काजल ने तथा 800 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान दीक्षा ने प्राप्त किया। लंबी कूद में प्रथम स्थान अनामिका ने 100 मीटर दौड़ (जूनियर वर्ग) पुरुष में प्रथम स्थान राहुल यादव ने 400 मीटर दौड़ने प्रथम स्थान रामदेव ने प्राप्त किया 1500 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान विपिन यादव ने प्राप्त किया।

100 मीटर दौड़ (सीनियर वर्ग) में प्रथम स्थान मोनू यादव ने प्राप्त किया ।जबकि 100 मीटर दौड़ में (सीनियर वर्ग) महिला प्रथम स्थान अंजली यादव ने प्राप्त किया। कबड्डी सब जूनियर वर्ग महिला में प्रथम स्थान उसावा ब्लॉक द्वितीय स्थान मियांऊ ब्लॉक ने प्राप्त किया। कबड्डी में सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान आसफपुर ब्लाक ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन पवन शंखधार ने किया।

कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा कल्याण अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अमित रिछारिया एवम समस्त विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी एवम जिला खेल पीटीआई श्री राम दास यादव ,पीटीआई ज्योति सक्सेना ,पीटीआई रामऔतार,सत्यवीर यादव कंचन आदि कब्बड्डी एवम एथलेटिक्स के जिला सचिव मधुकर मिश्रा एवं परवेज गाजी उपस्थित रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में किया पार्क का उद्घाटन

बदायूँ। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में पार्क का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पार्क के बन जाने से आमजन को सुविधा होगी तथा वह यहां सुगमता से बैठ सकेंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पौधारोपण भी किया।

उल्लेखनीय है कि गत दिनों जिलाधिकारी द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया गया था। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पार्क के जीर्णोद्धार कराने के निर्देश दिए थे तथा 01 जनवरी को उद्घाटन कराने के लिए कहा था। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा गुरुवार को पार्क के जीर्णोद्धार के उपरांत इसका उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया।

जिलाधिकारी ने नाजीर को नियमित रूप से पार्क की सफाई तथा कलेक्ट्रेट में समुचित साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा कलेक्ट्रेट परिसर में जगह-जगह पर पार्क, पेयजल व्यवस्था व शौचालय किन-किन स्थानों पर संचालित हैं इस संबंध में वॉल पेंटिंग कराने के निर्देश भी दिए हैं ताकि आमजन सुविधाओं का सहजता व सुगमता से प्रयोग कर सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम रील पर कमेंट करना पड़ा भारी, नाबालिगों ने युवक को चाकू से गोदकर उतारा मौत के घाट

कलानौर। हरियाणा के रोहतक के अंतर्गत कलानौर में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग को गिरफ्तार किया है। जब हत्या की वजह का पता चला तो पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस ने हत्या को कारणों का पता लगाया तो सामने आया कि मरने वाले युवक ने इंस्टाग्राम पर डाली गई रील पर कमेंट किया था। जिसके बाद से आरोपितों व युवक के बीच कहासुनी चल रही थी। इसी वजह से नाबालिग आरोपितों ने चाकू से गोदकर युवक की 28 दिसंबर को हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद से ही पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही थी। प्रवीण नाम से हुई मृतक की पहचान बता दें कि मृतक की पहचान कलानौर निवासी प्रवीण (22) के रूप में हुई है। प्रवीण नौवीं कक्षा तक पढ़ा है। उसका एक भाई और बहन भी है। कलानौर के वार्ड नंबर चार छोटा पाना की रहने वाली शारदा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मिड-डे मील वर्कर का काम करती है। 28 दिसंबर की रात करीब साढ़े सात बजे उसका छोटा बेटा प्रवीण कुमार उर्फ पिन्नी खाना खाने के बाद टहलने निकला था। जब वह चौक पर पहुंचा तो तीन-चार युवकों ने उसके बेटे पर चाकुओं से हमला कर दिया था।

सनसनीखेज वारदात: एक शख्स को उतारा मौत के घाट, परिवार में मचा कोहराम; जांच में जुटी पुलिस

पलवल। हरियाणा में पलवल के चांदहट गांव में मुंह दबाकर व्यक्ति की हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या के कारणों और आरोपित का अभी पता नहीं चल पाया है। मृतक का शव चारपाई पर मिला है।

पुलिस ने मामला दर्ज करके शुरू की जांच चांदहट थाना पुलिस ने मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में चांदहट गांव के रहने वाले मेहरचंद ने शिकायत दी है। शिकायतकर्ता ने बताया कि मिष्ठन उर्फ दयाचंद उसका चाचा लगता था। मिष्ठन की उम्र 47 वर्ष थी और वह अविवाहित था। मिष्ठन आटा मांगकर अपना गुजारा करता था और अकेले ही छप्पर डालकर गांव में रहता था। मुंह दबाकर की गई थी हत्या

बताया गया कि रोजाना की तरह वह बुधवार रात को सो गया था। अगली सुबह करीब साढ़े छह बजे मिष्ठन के पड़ोस में रहने वाली महिला ने देखा कि वह सुबह देर तक नहीं जागा है। महिला ने अंदर जाकर देखा तो मिष्ठन चारपाई पर मृत अवस्था में था। किसी ने कपड़े से मिष्ठन का मुंह दबाकर हत्या की हुई थी। यह देखकर महिला ने शोर मचाया तो ग्रामीण इकट्ठा हो गए।पुलिस ने शव को कब्जे में लिया गया इसके बाद हत्या की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने मामले में अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया और शव को जिला नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया। मृतक की किसी से नहीं थी दुश्मनी शिकायतकर्ता के अनुसार, मृतक की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह जैसे-तैसे अपना गुजारा कर रहा था, इसलिए उन्हें किसी पर कोई शक नहीं है। पुलिस हत्या आरोपित को जल्द से जल्द पकड़े और उन्हें न्याय दे। एसएफएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए चांदहट थाना प्रभारी सुंदरपाल के अनुसार, मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। अभी हत्या आरोपित और हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और एसएफएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एफपीओ को बनाएं सशक्त, पराली प्रबंधन पर रहे जोर

बदायूँ जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषक उत्पादक संगठनों की समीक्षा बैठक की गयी। जनपद में कुल 47 कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) पंजीकृत है। जिनके द्वारा विभिन्न विधाओं में कार्य किया जा रहा है। कृषि विभाग को अनुदान पर वितरित कृषि यन्त्रों को कृषक उत्पादक संगठनों के समस्त सदस्यों के उपयोग में लाने एवं पराली प्रबंधन के प्रयोग हेतु निर्देशित किया गया। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी,उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, परियोजना अधिकारी नेडा, मुख्य प्रबंधक एच0पी0सी0एल0 सैजनी दातागंज, प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक एवं कृषक उत्पादक संगठनों के निदेशक उपस्थित रहे।

हरियाणा में चलती ट्रेन में बच्चे का जन्म, महिला को तेज दर्द के बाद मदद के लिए आगे आए यात्री

जींद। हरियाणा में चलती ट्रेन में महिला बच्चे को जन्म दिया है। रेलवे के अधिकारियों और यात्रियों की सूझबूझ से ट्रेन में ही महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया।

प्रसव होने के बाद महिला को रेवाड़ी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। महिला और बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। महिला के स्वजन व यात्रियों ने रेलवे की सराहना की है। क्या है पूरा मामला? दरअसल, दो जनवरी को गाड़ी संख्या 20474 में उदयपुर से दिल्ली यात्रा कर रही एक गर्भवती महिला को यात्रा के दौरान ट्रेन में ही प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इसके बाद रेलवे के अधिकारियों को सूचना दी गई। इसी दौरान आसपास बैठी महिला यात्रियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए गर्भवती का सुरक्षित प्रसव करवाकर बच्चे को जन्म दिया।

इसके बाद यात्रियों ने रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 रेल मदद ऐप पर महिला यात्री के लिए सहायता मांगी, जिस पर रेल प्रशासन की ओर से तुरंत कार्रवाई करते हुए रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने पर रेलवे के डॉक्टरों ने महिला यात्री व नवजात शिशु को ट्रेन से उतारने के बाद उचित उपचार दिया।

महिला और बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ इसके बाद महिला व नवजात शिशु को एंबुलेंस की मदद से जिला नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया। बता दें कि महिला और बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। जयपुर मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मीणा ने बताया कि दो जनवरी को उनके पास एक महिला यात्री की ओर से मदद मांगी गई थी। इसके बाद महिला व नवजात को उचित उपचार देकर सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया।

इससे पहले भी आ चुकी हैं ऐसी घटनाएं बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि किसी महिला ने चलती ट्रेन में बच्चे को जन्म दिया है, इससे पहले भी कई ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी है। इससे पहले द्वारका ओखा से गुवाहाटी जा रही ट्रेन संख्या 15635 में खगड़िया से ट्रेन खुलने के उपरांत बोगी संख्या एस 6 के 76 नंबर पर यात्रा कर रही गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गया था। जिसके बाद उसके पति ने इसकी सूचना तत्काल ट्रेन में चल रहे टीटीई को दी थी।

सर्दी के मौसम में नाक, कान और गले का रखें विशेष ध्यान: डॉ. बी.पी.एस. त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

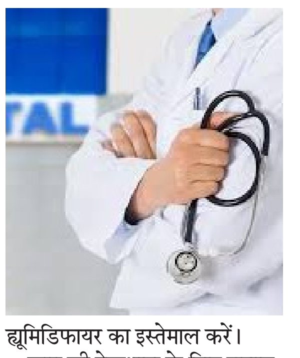

गाजियाबाद। सर्दियों का मौसम अपने साथ ठंडक और सर्द हवाओं को लेकर आता है, लेकिन यह मौसम नाक, कान और गले से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। हर्ष ईएनटी अस्पताल के चेयरमैन, डॉ. बी.पी.एस. त्यागी ने सर्दी में इन अंगों की सेहत को बनाए रखने के लिए कुछ खास सावधानियों की सलाह दी है।

नाक की देखभाल के लिए सुझाव

1. नाक को सूखा और साफ रखें: ठंड में नाक के अंदरूनी हिस्से में सूखापन और क्रस्ट बनना आम समस्या है। इसके लिए दिन में दो बार गुनगुने पानी से नाक को साफ करें और नेसल स्प्रे का उपयोग करें।

2. सर्दी-जुकाम से बचाव: सर्दियों में वायरल संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है। ठंडी चीजों के सेवन से बचें और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें।

3. गरम हवा से बचाव: हीटर का ज्यादा उपयोग न करें, क्योंकि यह नाक की नमी को कम कर सकता है। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें।

कान की देखभाल के लिए सुझाव

1. ठंड से कान ढककर रखें: बाहर जाते समय मफलर या कैप का उपयोग करें ताकि ठंडी हवाएं कान में प्रवेश न करें।

2. कान में खुजली या दर्द से बचें: कान में कोई भी नुकीली चीज डालने से बचें और यदि दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

3. पानी से बचाव: कान में ठंडा पानी न जाए, खासकर नहाने के दौरान।

गले की सेहत के लिए सुझाव

1. गर्म पेय का सेवन करें: सर्दी के दिनों में गुनगुना पानी, हर्बल चाय या सूप पीना गले के लिए फायदेमंद होता है।

2. तला-भुना खाने से बचें: यह गले में सूजन और इंफेक्शन को बढ़ा सकता है।

3. गरारे करें: गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करने से गले की सूजन और खराश से राहत मिलती है।

अन्य जरूरी सावधानियां

ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करें, जैसे फल, सब्जियां, और अदरक व हल्दी से युक्त खाद्य पदार्थ। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर घरेलू उपचार की जगह अपने विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क करें।

डॉ. बी.पी.एस. त्यागी का कहना है कि ठंड के मौसम में थोड़ी सी सावधानी बरतकर हम नाक, कान और गले की बीमारियों से बच सकते हैं। बेहतर सेहत के लिए जागरूक रहना और सही समय पर इलाज कराना बेहद जरूरी है।

सहारनपुर में रेलवे पटरी पर धातु का टुकड़ा मिला, अधिकारियों ने जांच शुरू की

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में टपरी हरिद्वार लाइन पर रेलवे पटरी पर लोहे के एक बड़े टुकड़े का समय रहते पता चलने से एक बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रेलवे ने मंगलवार की सुबह हुई इस घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। रेलवे अधिकारी, राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीमों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। अवरोध को हटाने के लिए ट्रेन यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। बाद में रेलवे सेवाएं सुचारू रूप से बहाल हो सकीं। सहारनपुर के स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि मंगलवार रात्रि एक बजे टपरी रेलवे पटरी पर लोहे का एक बड़ा टुकड़ा पड़ा होने की जानकारी मिलते ही आनंद विहार से कोटद्वार जा रही ट्रेन को रोक दिया गया। मौके से लोहे के इस टुकड़े को हटाकर रेल मार्ग को सुचारू कर दिया गया। 15 मिनट की देरी के बाद आनंद विहार कोटद्वार एक्सप्रेस को रवाना कर दिया गया। सुनील कुमार ने बताया कि इस घटना को साजिश मानकर जांच कराई जा रही है। आर पी एफ शामली द्वारा इस मामले की जांच की जाएगी।

जिलाधिकारी ने की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की बैठक

अधिक से अधिक युवाओं को लाभ दिए जाने के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग की ओर से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के सम्बंध में एक महत्वपूर्ण वैठक समूह की महिलाओं उद्यमियों और उद्योग जगत से जुड़े संगठनों के साथ आयोजित की गई ।उपायुक्त उद्योग श्री शैलेंद्र ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के तहत एक लाख युवाओं को प्रतिवर्ष तथा 10 वर्ष में कुल 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना में 21 से 40 वर्ष आयु न्यूनतम आठवीं पास की शैक्षिक योग्यता तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से कौशल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है परियोजना लागत पर 10% मार्जिन मनी का अनुदान दिया जाएगा रुपए 5 लाख तक के उद्योग सेवा परियोजनाओं पर 100% ब्याज मुक्त एवं बिना गारंटी के ऋण दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि योजना से अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिया जाए। कहा कि बैंक स्तर पर भी लोन से संबंधित कोई भी दिक्कत नहीं आनी चाहिए समय से युवाओं को रोजगार के लिए ऋण दिया जाए। जिला धिकारी ने कहा कि ग्राम और नगर क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार जागरूकता कार्यक्रम योजना के सम्बंध में किया जाए। कार्यशाला आयोजित कर लोगों को योजना से जोड़ा जाय। कहा कि यह सरकार की बहुत महत्वाकांक्षी योजना है अधिक से अधिक कौशल की ट्रेनिग दिलाकर आवेदन कराया जाए। जिनके पास कौशल की ट्रेनिग नहीं है उन्हें प्रशिक्षित किया जाए । सभी खंड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम क्षेत्रों में योजना के बारे में बताया जाए ग्राम में बहुत से लोग बेरोजगार घूम रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप उप जिला अधिकारी अमरोहा नौगांवा, धनौरा उपायुक्त उद्योग सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

सम्पादकीय

नए साल में गांव को स्वच्छ बनाने का संकल्प लें

पूरी दुनिया में इस समय पर्यावरण और इससे जुड़े मुद्दे सबसे अहम माने जा रहे हैं. विशेषकर घरों से निकलने वाला कचरा सबसे अधिक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है. इससे न केवल वातावरण बल्कि मानव सभ्यता भी प्रभावित हो रही है. एक अनुमान के मुताबिक अकेले भारत में ही प्रतिदिन डेढ़ लाख मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। जिसमें 90 फीसद का उचित निस्तारण होता है, बाकी अपशिष्ट पदार्थ खुले वातावरण में छोड़ दिए जाते हैं. जिनसे कई प्रकार की गंभीर बीमारियां उत्पन्न होती हैं। कचरा प्रबंधन की यह समस्या केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि देश के ग्रामीण क्षेत्र भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। कचरा प्रबंधन तंत्र की पर्याप्त सुविधाओं का नहीं होना और जागरूकता की कमी के कारण यह समस्या लगातार विकट होती जा रही है. देश के अन्य ग्रामीण इलाकों की तरह बिहार के मुजफ्फरपुर के कई ग्रामीण इलाके भी अब इस समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि भारत के ग्रामीण क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के लिए माना जाता है। लेकिन शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव से अब ये क्षेत्र भी कचरा प्रबंधन की गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। इस संबंध में मुजफ्फरपुर के मड़वन ब्लॉक स्थित गोरियरा गांव के 52 वर्षीय किसान किशन शर्मा बताते हैं कि पहले गांव में कचरे की मात्रा कम हुआ करती थी. जिसका निपटान लोग आसानी से कर लिया करते थे. चूंकि पहले ऐसे पदार्थों का उपयोग किया जाता था जो प्रकृति में आसानी से घुल जाया करता था. इसलिए पहले के लोग कचरे को गड्ढे में डाल कर उसका प्राकृतिक खाद बनाया करते थे, जिसका उपयोग खेतों में खाद के रूप में किया जाता था। यह पूरी तरह से एक प्राकृतिक प्रक्रिया हुआ करती थी। लेकिन अब इन प्राकृतिक पदार्थों की जगह प्लास्टिक ने ले ली है। जो न केवल सेहत बल्कि प्रकृति के लिए भी हानिकारक बन चुका है। वहीं 71 वर्षीय बुजुर्ग महिला रेशमी देवी अनुभव के आधार पर बताती हैं कि हमारे समय में तो गांव में इतना कचरा होता ही नहीं था। प्लास्टिक का उपयोग करना लोग जानते ही नहीं थे. इसके स्थान पर लोग कपड़े के बने झोला का उपयोग किया करते थे. इसके अतिरिक्त दौरी (बांस की बनी टोकरी) का भी अधिकाधिक उपयोग किया जाता था. ऐसे में प्रकृति को नष्ट करने वाले कारकों का उपयोग नहीं होता था. जिससे कचरा निस्तारण की समस्या गंभीर नहीं होती थी। एक अन्य ग्रामीण वीरेंद्र साह बताते हैं पुराने जमाने में लोग कचरे को निपटाने के लिए कई तरीके इस्तेमाल करते थे। जो पूरी तरह से प्राकृतिक हुआ करता था. इनमें से कुछ तरीके आज भी इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन प्लास्टिक के आने से अब यह पर्यावरण के लिए हानिकारक हो चुके हैं. वीरेंद्र साह कहते हैं कि आधुनिकता के नाम पर प्लास्टिक ने अपनी जगह ले ली है। जिसका न केवल निस्तारण बल्कि रिसाइकिल भी प्रकृति और वातावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। प्लास्टिक ने खेतों की उर्वरा शक्ति को भी प्रभावित किया है। अक्सर लोग इस्तेमाल के बाद प्लास्टिक को खुले में छोड़ देते हैं जो हवा के साथ उड़कर खेतों में पहुंच रहा है. वह कहते हैं कि हमें कचरे को निपटाने के लिए पर्यावरण-मित्र तकनीकों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है. हमें कंपोस्ट बनाने, रीसाइक्लिंग करने और कचरे को सही तरीके से निपटाने के ऐसे माध्यमों को बढ़ावा देने की जरूरत है जिससे प्रकृति को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे और इंसानी जरूरतें भी पूरी होती रहें। वहीं सलाहपुर गांव की 35 वर्षीय निर्मला देवी कहती हैं कि कचरा फेंकने का कोई निश्चित स्थान नहीं होने के कारण लोग जहां तहां खुले में घर का कचरा फेंक देते हैं। जिससे निकलने वाली बदबू पूरे गांव के वातावरण को दूषित कर रही है। इसके कारण लोग पहले की अपेक्षा अधिक बीमार हो रहे हैं। विशेषकर इसका सबसे बुरा प्रभाव छोटे बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है। वह कहती हैं कि सरकार की ओर से गांव में कचरा उठाने वाली गाड़ी की व्यवस्था है, लेकिन नियमित रूप से गाड़ी के नहीं आने से लोग खुले में कचरा फेंक देते हैं। निर्मला कहती हैं कि पहले की तुलना में गांव अधिक विकसित हो गया है. पक्की सड़कें बन गई हैं. बिजली की व्यवस्था सुधर गई है। जल जीवन मिशन के तहत पीने का साफ पानी उपलब्ध हो रहा है। लेकिन दूसरी ओर कचरा निपटान के मामले में लोग और भी अधिक पिछड़ते जा रहे हैं. जिसके लिए समाज को ही पहल करनी होगी।

पास/फेल की बजाय समग्र विकास/जीवन कौशल की नीतियां बनाएं

नो डिटेंशन पॉलिसी के तहत कक्षा 1 से 8 तक के किसी भी छात्र को फेल नहीं किया जा सकता था। हालांकि अब इन छात्रों को फेल किया जा सकेगा। साथ ही फेल छात्रों को 2 महीने के भीतर फिर से परीक्षा का अवसर मिलेगा। अगर इसमें भी फेल होते हैं तो उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। शिक्षा के अधिकार अधिनियम की नो-डिटेंशन पॉलिसी के अनुसार, किसी भी छात्र को तब तक फेल या स्कूल से निकाला नहीं जा सकता, जब तक वह कक्षा 1 से 8 तक की प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता। लेवल 8 तक के सभी विद्यार्थियों को स्वचालित रूप से अगली कक्षा में पदोन्नत कर दिया जाएगा। नीति का मुख्य बिंदु यह है कि कक्षा 8 तक, पारंपरिक अर्थों में कोई ह्लपरीक्षाह्व नहीं होती है।

डॉ सत्यवान सौरभ
(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार)

नो डिटेंशन पॉलिसी के तहत कक्षा 1 से 8 तक के किसी भी छात्र को फेल नहीं किया जा सकता था। हालांकि अब इन छात्रों को फेल किया जा सकेगा। साथ ही फेल छात्रों को 2 महीने के भीतर फिर से परीक्षा का अवसर मिलेगा। अगर इसमें भी फेल होते हैं तो उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। शिक्षा के अधिकार अधिनियम की नो-डिटेंशन पॉलिसी के अनुसार, किसी भी छात्र को तब तक फेल या स्कूल से निकाला नहीं जा सकता, जब तक वह कक्षा 1 से 8 तक की प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता। कक्षा 5 और 8 में छात्रों के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करना भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत शुरू की गई इस नीति का उद्देश्य छात्रों की असफलता को रोककर शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना था। हालाँकि, सीखने के परिणामों में गिरावट की चिंताओं के साथ, संशोधन अकादमिक सुधार पर जोर देकर पहुँच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने से यह सुनिश्चित होता है कि छात्र शिक्षा प्राप्त करना जारी रखें, भले ही वे अकादमिक रूप से संघर्ष करते हों, जिससे सार्वभौमिक पहुँच के सिद्धांत को बल मिलता है। जिन छात्रों को असफलता के कारण निष्कासित कर दिया जाता था, उन्हें अब परीक्षा फिर से देने और सुधारात्मक सहायता प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

असफल छात्रों को रोककर, नीति सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही को प्रोत्साहित करती है, जबकि अभी भी शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच को प्राथमिकता देती है। कक्षा 5 में असफल होने वाले छात्रों को अब अगली कक्षा में जाने से पहले सुधार करने का मौका मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे पीछे न छूट जाएँ। नीति में सुधारात्मक निर्देश के प्रावधान शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी छात्र शैक्षणिक संघर्ष के कारण शिक्षा से वंचित न रहे, न्यायसंगत पहुँच को बढ़ावा दिया जाता है। उदाहरण के लिएः कक्षा 5 में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को विशेष सहायता और पुनः परीक्षा के अवसर मिलते हैं, जिससे उन्हें शिक्षा प्रणाली में बने रहने में मदद मिलती है। माता-पिता संघर्षरत छात्रों की पहचान करने और प्रगति की निगरानी करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी बच्चों को, चाहे उनका प्रदर्शन कैसा भी हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। माता-पिता शिक्षकों के साथ नियमित संचार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि शैक्षणिक विफलता के कारण कोई भी बच्चा अनदेखा न हो। नीति का उद्देश्य छात्रों को सफल होने के कई अवसर देकर उन्हें शिक्षा प्रणाली में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करके उन्हें स्कूल छोड़ने से रोकना है। नीति परिवर्तन के बाद, कक्षा 8 में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने का एक और मौका दिया जाता है, जिससे स्कूल छोड़ने की दर कम हो जाती है। नीति परिवर्तन स्कूलों को उन छात्रों की पहचान करने के लिए प्रेरित करता है जिन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है, सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अधिक अनुकूलित दृष्टिकोण पर जोर देता है। केंद्रीय विद्यालयों में, संघर्षरत छात्रों को अब सीखने के अंतराल को दूर करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग प्रदान की जाती है, जिससे बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन सुनिश्चित होता है। पुनः परीक्षा प्रणाली रटने के बजाय योग्यता-आधारित परीक्षणों पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों के सीखने के परिणाम अधिक सार्थक और प्रभावशाली हों। सैनिक स्कूलों में, हाल ही में लागू की गई योग्यता-आधारित परीक्षाएँ व्यावहारिक ज्ञान का आकलन करती हैं, जिससे छात्र तथ्यों को याद करने के बजाय मूल अवधारणाओं को समझने में सक्षम होते हैं। नीति यह सुनिश्चित करके समग्र विकास को बढ़ावा देती है कि असफल छात्रों को शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत ध्यान मिले। दिल्ली सरकार के स्कूलों में, संघर्षरत छात्रों को समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक सुधार के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन भी मिलता है। शिक्षक अब सीखने के अंतराल की पहचान करने और उसे दूर करने के लिए ज़िम्मेदार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे प्रत्येक छात्र की प्रगति में अधिक निवेश करें। कक्षा शिक्षक अब प्रगति रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और विषयों में संघर्ष करने वाले छात्रों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करते हैं, जिससे लक्षित हस्तक्षेप रणनीतियाँ बनती हैं। पास होने के लिए कई मौके देकर, नीति विफलता के कलंक को कम करती है, छात्रों को लगे रहने और सुधार करने के लिए प्रेरित करती है। जो छात्र पहले असफल हुए थे, वे कलंक के जोखिम में थे, लेकिन अब उन्हें दूसरा मौका दिया गया है, जिससे ड्रॉपआउट दर कम हुई है और दृढ़ता की सुविधा मिली है। नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने से बेहतर सीखने के परिणामों के साथ सार्वभौमिक पहुँच का संतुलन बना रहता है। जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देकर, यह शिक्षण और मूल्यांकन में सुधार ला सकता है। हालाँकि, इस बदलाव को सफल बनाने के लिए शिक्षकों के बेहतर प्रशिक्षण, सुधारात्मक सहायता और छात्रों के आधारभूत कौशल को मजबूत करने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। देश में शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के मूल कारणों को संबोधित करने के बजाय, पूरा ध्यान पास/फेल प्रणाली को फिर से लागू करने पर है। समय की मांग है कि सभी पक्षों को अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए, और अब समय आ गया है कि शेष मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास किए जाएं। परिणामस्वरूप, नीति में नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए उपयुक्त समायोजन के साथ संशोधन किया जाना चाहिए, या इसे एक नए, अधिक संतुलित दृष्टिकोण से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। मुख्य लक्ष्य बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन कौशल प्रदान करना होना चाहिए।

बिहार सरकार को भारी पड़ता युवाओं पर लाठीचार्ज का मुद्दा

70 वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिए। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था।

कुमार कृष्णन
लेखक

बिहार में राजनीति कैसे खेल दिखाती है यह तब स्पष्ट दिखाई दिया जब दिसम्बर माह की हाड़ कंपकपाती ठंड के बावजूद आंदोलनरत छात्रों पर पानी की बौछार करवाने की जरूरत उन नीतीश कुमार को पड़ गयी जो स्वयं 1974 के छात्र आंदोलन की उपज हैं। बिहार लोक सेवा आयोग यानि बीपीएससी छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना के बाद बिहार की सियासत में उबाल आ गया है। छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद अब दूसरे दलों के नेता भी इस मामले में राजनीति करने लगे हैं। पूरे विपक्ष ने नीतीश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वही पटना की बर्बरतापूर्ण घटना के खिलाफ दूसरे जिलों में भी छात्रों का विरोध प्रदर्शन आरंभ हो गया है। कहा तो यह भी जा रहा है कि बीपीएससी ने जितनी छवि नीतीश कुमार की खराब की है, उतनी किसी ने नहीं की है। पूरे देश में सबसे ज्यादा वैकेंसी बिहार में आई, लेकिन बीपीएससी ने परीक्षा सही तरीके से नहीं कराई और सबसे ज्यादा बदनामी करा दी। बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। यहां आंदोलनकारियों का जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है। नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि ह्यवे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी।ह्व हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे भी मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। बिहार विधानसभा चुनाव भी होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है।बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और दुबारा परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज के मामले को लेकर सोमवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। राजभवन से निकलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने उनकी बातों को सुना। उन्होंने बताया, ह्ल राज्यपाल ने उनके सामने ही बीपीएससी चेयरमैन से बात की और जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की बात कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करने का भी भरोसा दिया है। उन्होंने लाठीचार्ज की जांच की बात भी की है।ह्वपप्पू यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर नाम लिए बिना कहा कि ह्यफ्रॉड किशोरह्ल ने बच्चों को गालियां दीं। वे बच्चों की ताकत नहीं जानते हैं। निर्दलीय सांसद ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने तथा लाठीचार्ज के दौरान महिला परीक्षार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की है। इससे पहले पप्पू यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करके प्रशांत किशोर पर अभ्यर्थियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए लिखा, ह्लप्रशांत किशोर खुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औकात का धौंस दिखा रहे हैं। आज जब धेले भर की चुनावी औकात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखाकर भाग गए, सवाल पूछने पर गाली?ह्व पप्पू यादव के मिलने के बाद बीपीएससी के चेयरमैन ने भी राज्यपाल से मिलकर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत करा दिया है। पप्पू यादव के सामने ही राज्यपाल ने फोन कर बीपीएससी की चेयरमैन को बुलाया था। दूसरी ओर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मिला। हालांकि, इस बातचीत का फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। इस बीच छात्रों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अनु कुमारी ने कहा, ह्लउन्होंने हमारी सारी बातों को सुना, ऐसा लगता है कि निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में एक पैमाना होता है, निर्णय लेने का। जांच करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के पटना आने के बाद मुलाकात करवाने का भी आश्वासन दिया।ह्वराम कश्यप ने कहा, ह्लउनका कहना था कि एक केंद्र पर 18 हजार बच्चे हैं। ऐसा पहले भी हुआ है कि एक परीक्षा केंद्र की परीक्षा रद्द की गई है।

राकेश अचल

मनोज श्रीवास्तव पर मोहन की कृपा

सेवा कीजिये तो मेवा जरूर मिलती है , ये हमारे बुजुर्गों का अनुभवजन्य वाक्य है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक पूर्व अधिकारी मनोज श्रीवास्तव पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की कृपा बरसते देख तमाम लोगो के पेट में दर्द हो रहा है। राज्य शासन द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव को 1 जनवरी, 2025 से छः वर्ष या 66 वर्ष की आयु पूर्ण होने, जो पहले हो, तक की अवधि के लिये आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग के पद पर नियुक्त किया गया है। मनोज श्रीवास्तव को मैं तब से जानता हूँ जब से वे भातीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित हुए। मनोज जी 1987 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। वे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर प्रमुख सचिव के पद से अप्रैल 2021 में सेवानिवृत्त हुए थे। छोटे कद के मनोज श्रीवास्तव ने वास्तव में बड़े-बड़े कामों को अंजाम दिया। सामान्य परिवार से भाप्रसे में आना उनकी अद्वितीय मेधा का ही परिणाम है। वे मध्यप्रदेश के तमाम मुख्यमंत्रियों के प्रिय रहे, क्योंकि उन्हें अपने हर आका की मंशा भांपना भली-भाँती आता है। उनकी सरकारी सेवाओं की एक लंबी और गौरवपूर्ण सूची है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वे जब इंदौर इंदौर कलेक्टर, थे तब उनके ऊपर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की महती कृपा थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उन्होंने इंदौर में अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलकर दिग्विजय विरोधी तमाम बिल्डरों की अनेक बहुमंजिला इमारतों को बारूद से उड़ा दिया था। वे अपनी प्रतिभा के बूते ही प्रदेश के जनसंपर्क आयुक्त, मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव, और वाणिज्य कर विभाग के प्रमुख सचिव जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा, वे पशुपालन समिति और कई अन्य प्रशासनिक इकाइयों में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। मनोज श्रीवास्तव को प्रदेश सरकार के अलावा संघ और भाजपा का समर्थन कोई एक दिन में हासिल नहीं हुआ। इसके पीछे उनकी लम्बी साधना है। वे हर मुख्यमंत्री के सुर में सुर मिलाने में सिद्धहस्त अधिकारी रहे हैं। वे अध्येता है। खूब पढ़ते हैं, खूब लिखते हैं। उनकी दर्जनों पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। एक जमाने में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर को खुश करने के लिए धर्म और राष्ट्रगीत वन्देमातरम तक पर लघु पुस्तिकाएं लिखीं। वे जिस पद पर रहे, उस पद पर अपने आपको प्रमाणित करके ही निकले। उन्हें प्रशासनिक सेवा में हर समय मेवा ही नहीं मिली, वनवास भी मिला। वे राजस्व मंडल में भी सजा भुगतने वाले प्रशासनिक अधिकारीयों में शामिल हैं, किन्तु उन्होंने राजस्व मंडल में भी कमल का धमाल किया था।वे सेवानिवृत्त के बाद सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय हैं। मनोज श्रीवास्तव मुझसे उम्र में छोटे हैं किन्तु ज्ञान में बहुत बड़े हैं। मेरे जैसे अज्ञानियों का अनुभव है कि मध्यप्रदेश में भाजपा और संघ की रीतिनीति पर प्रदेश में सबसे जायदा और मुखरता से जितना काम पत्रकारों में विजय मोहन तिवारी ने किया उतना ही काम प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों में मनोज श्रीवास्तव ने किया। दोनों भाजपा की सनातन थ्योरी के उद्घोषक है। जो काम वे सरकारी सेवा में नहीं कर पाए उसे उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद कर दिखाया। इसका नतीजा ये हुया की तिवारी जी प्रदेश के सूचना आयुक्त बन गए और मनोज श्रीवास्तव पहले प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्य बनाये गए और बाद में प्रदेश के निर्वाचन आयुक्त। प्रशासनिक हलकों में खबर गर्म है की मनोज श्रीवास्तव के पद पर नियुक्ति से पहले, इस पद के लिए पूर्व मुख्य सचिव वीरा राणा और रिटायर्ड एसीएस मलय श्रीवास्तव के नामों पर भी चर्चा हो रही थी। दरअसल, 30 सितंबर को वीरा राणा के रिटायरमेंट के दिन उन्हें राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाए जाने का आदेश जारी होने वाला था, लेकिन अनुराग जैन को मुख्य सचिव बनाए जाने के बाद समीकरण बदल गए, और मनोज श्रीवास्तव के नाम की लाटरी खुल गयी। मनोज श्रीवास्तव का भाजपा और संघ प्रेम सबके ऊपर भारी पड़ा। भाजपा और संघ की नीतियों के मुखर समर्थक मनोज श्रीवास्तव ने अपना संघ और भाजपा प्रेम सेवा में रहते हुए उजागर नहीं होने दिया था। उन्हें उनकी सेवाओं के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा दिए जाने वाले स्वामी विवेकानंद पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। मनोज श्रीवास्तव को काउंसिल फॉर इंटरनेशनल कल्चरल रिलेशंस एंड नेहरू सेंटरह्ल, साउथ बैंक्स, लंदन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विमानन पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में वह महात्मा मांधी द्वारा स्थापित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के हिंदी भवन से प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका अक्षरा के प्रधान संपादक हैं। मनोज जी ने एक -दो नहीं बल्कि पूरी 38 पुस्तकें लिखी। उन्हें उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए मध्य प्रदेश सरकार का सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार कबीर सम्मान से सम्मानित. किया जा चुका है। वह सहित्य के क्षेत्र में काफी सक्रिय हैं, कभी-कभी उनकी सक्रियता से ईर्ष्या भी होने लगती है।

मनरेगा के तहत दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ रही योगी सरकार

डिजिटल तकनीक और पारदर्शिता से सशक्त हुई मनरेगा योजना, दिव्यांगजनों को मिला सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, प्रदेश सरकार राज्य के सबसे कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में कार्य कर रही है। ग्राम्य विकास विभाग मनरेगा योजना के तहत गरीबों, मजदूरों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध करा रहा है। सरकार की यह पहल समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाते हुए एक आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नींव रख रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि विकास का असली अर्थ तभी है जब समाज के सबसे कमजोर वर्ग की जरूरतें पूरी हों और उन्हें उनका अधिकार मिले। मनरेगा योजना को इस तरह से लागू किया गया है कि दिव्यांगजन भी इस योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्यमंत्री का यह प्रयास प्रदेश के समग्र विकास और समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने की विशेष व्यवस्था कर रही योगी सरकार

मनरेगा योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को उनकी योग्यता, क्षमता और कार्यकुशलता के अनुसार रोजगार प्रदान किया जा रहा है। समाज के इस वर्ग को भी आजीविका का समान अधिकार मिले, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी प्रयासरत हैं। इसी के मद्देनजर वर्ष 2017-18 से लेकर अब तक 1.24 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को रोजगार देकर उनकी आजीविका को सशक्त बनाया गया है। इन दिव्यांगजनों के माध्यम से अब तक 44.64 लाख मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। ग्राम्य विकास से मिली जानकारी के अनुसार, मनरेगा योजना के अंतर्गत जरूरतमंद श्रमिकों को उनकी मांग के अनुसार 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। दिव्यांगजनों को उनकी जरूरतों और क्षमता के आधार पर कार्य सौंपा जा रहा है। यह योजना न केवल रोजगार प्रदान कर रही है, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता को भी बढ़ावा दे रही है।

दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराने में ऐतिहासिक प्रगति

वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराने में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। इस वर्ष 50,201 पंजीकृत दिव्यांग जॉब कार्ड धारकों में से 23,262 दिव्यांगजनों को मनरेगा योजना के तहत रोजगार प्रदान किया गया है। इसके साथ ही, अब तक 8.28 लाख मानव दिवस सृजित किए गए हैं। बीते वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2017-18 में 11,332, 2018-19 में 10,993, 2019-20 में 10,699, 2020-21 में 17,400, 2021-22 में 14,065, 2022-23 में 13,948 और 2023-24 में 22,630 दिव्यांगजनों को रोजगार प्रदान किया गया। वर्तमान वर्ष में यह आंकड़ा 23,262 तक पहुंच चुका है।

रोजगार सृजन में अपनाई जा रही है डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार ने मनरेगा योजना को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग किया है। पंजीकरण, जॉब कार्ड वितरण और कार्य आवंटन की प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया है। इससे योजना की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहती है और लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार कार्य शीघ्रता से प्रदान किया जाता है। मनरेगा योजना के तहत दिव्यांगजनों को उनकी शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य प्रदान किया जाता है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उन्हें ऐसे कार्य सौंपे जाएं, जिन्हें वे सहजता से कर सकें। सरकार की यह पहल न केवल उनकी आजीविका को सुरक्षित करती है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीने का अवसर भी प्रदान करती है।

उत्तर प्रदेश सरकार की मनरेगा योजना, दिव्यांगजनों सहित सभी जरूरतमंदों के लिए रोजगार सृजन का एक प्रभावी साधन बन गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, यह योजना समाज के हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई आज

लखनऊ। यूपी के संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क की याचिका पर आज इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई होगी। जिया उर रहमान बर्क ने अपनी याचिका के जरिए संभल में हुई हिंसा के संबंध में दर्ज एफआईआर को रद्द करने और उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की है। दरअसल, संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हुई और 20 पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल भी हो गए थे।

इस मामले में संभल पुलिस ने बर्क को मुख्य आरोपी बनाया है। हालांकि, उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। सांसद का तर्क है कि उनकी गिरफ्तारी से उन्हें अपूरणीय क्षति होगी और वह घटना के दौरान संभल में मौजूद नहीं थे। बर्क के अनुसार, संभल में हिंसा के दौरान वह उस समय बेंगलुरु में थे और एफआईआर के बारे में जानने के बाद उन्होंने मामले को बढ़ने से रोकने के लिए दिल्ली में ही रहने का फैसला किया। सांसद का कहना है कि उन्होंने समुदाय के सदस्यों से संपर्क किया और उनसे शांति बनाए रखने का आग्रह किया।

संभल पुलिस ने बर्क पर हिंसा से कुछ दिन पहले मस्जिद में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि उनके बयान के बाद ही अशांति भड़की थी। इसके अलावा एफआईआर में स्थानीय विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल का भी नाम है, जो इस घटना में कथित तौर पर शामिल है।

बर्क ने अपनी याचिका में आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरोप उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बनाने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा हैं। शाही जामा मस्जिद को मंदिर के ऊपर बनाए जाने के दावों के बाद बढ़े तनाव के बीच हिंसा भड़की। पत्थरबाजी और आगजनी के साथ स्थिति और बिगड़ गई, जिसमें कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। संभल पुलिस गुरुवार को बर्क के खिलाफ अदालत में सबूत पेश करेगी।

संक्षिप्त खबरें

षड़यंत्रों का जवाब संगठन को मजबूत कर देगा अपना दल : अनुप्रिया पटेल

लखनऊ। अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष एवं केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई को और भी मजबूती से अपना दल लड़ेगा। अपना दल अपने खिलाफ हो रहे षड़यंत्रों का जवाब संगठन को मजबूत कर देगा। अपना दल नये वर्ष में संगठन को मजबूत करेगा और कार्यकताओं के बल पर बड़े मुकाम हासिल करेगा। केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने लखनऊ में आयोजित अपना दल कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि अपना दल के किसी नेता कार्यकर्ता के प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी तो हम समझौता नहीं करेगें। अपना दल के विरूद्ध षड़यंत्र कहां से चल रहे हैं, एक एक कार्यकर्ता अच्छे से जानते है। षड़यंत्र करने वाली ताकतें कान खोलकर सुन लें, षड़यंत्रों में पड़ कर अपना दल सामाजिक न्याय का विषय उठाना छोड़ देगा। यह होने वाला नहीं है। इस अवसर पर अपना दल (सोनेलाल) के प्रदेश अध्यक्ष ने अपना दल कमेरादल छोड़कर आये लाल जी पटेल, फूलचंद्र सरोज सहित तमाम नेताओं को अपना दल सोनेलाल की सदस्यता दिलायी। अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने नये सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि आपका अपने पुरानी जगह और सोनेलाल की पार्टी में स्वागत है। आप का समय अनमोल है, श्रम महत्वपूर्ण हैं।

कार्यालय में कर्मचारी के साथ मारपीट का वीडियो वायरल

झांसी। सोशल मीडिया पर एक युवक के साथ मारपीट का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। मारपीट का यह वीडियो अन्य कर्मचारियों के सामने बनाया गया है। अन्य कर्मचारी बैठे हुए संभवतः लंच का आंनद ले रहे हैं। लेकिन कोई भी उस कर्मचारी को बचाने के लिए अपनी कुर्सी से उठा तक नहीं । बताया जा रहा है कि यह वीडियो उधार लेनदेन को लेकर एक युवक द्वारा कर्मचारी को पीटने का है। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि वीडियो नवाबाद थाना क्षेत्र स्थित सिंचाई विभाग के कार्यालय का है। वीडियो में एक युवक कर्मचारी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करते हुए दिखाई दे रहा है। साथ ही इस वीडियो को बनाने के साथ उसके खिलाफ जांच कराने की भी बात करता दिखाई दे रहा है। फिलहाल हिन्दुस्थान समाचार इसकी कोई पुष्टि नहीं करता है। इस संबंध में सीओ सिटी रामवीर सिंह ने बताया कि उनके संज्ञान में ऐसा कोई मामला नहीं है। यदि संज्ञान में लाया जाता है तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

पंचनद तट पर हिमांशु शेखर परिदा की रेत कला का जादू

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। विश्व के अनोखे पांच नदियों–चंबल, यमुना, सिंध, पहुज और क्वारी–के महासंगम पर चंबल संग्रहालय के बैनर तले कटक, उड़ीसा के सुविख्यात सैंड आर्टिस्ट हिमांशु शेखर परिदा अपनी रेत कला का जादू बिखेरेंगे। आगामी 9 जनवरी को पंचनद तट उनके उत्कृष्ट सृजन से गुलजार होगा। हिमांशु शेखर परिदा भारतीय रेत कला के क्षेत्र में एक अग्रणी कलाकार हैं, जिनकी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल ने उन्हें वैश्विक मंच पर ख्याति दिलाई है। उनकी कलात्मक यात्रा कटक के एक समृद्ध कलात्मक विरासत वाले परिवार में आरंभ हुई। उनके पिता, गगन बिहारी परिदा, जो एक प्रसिद्ध चित्रकार और मूर्तिकार थे, ने हिमांशु के बचपन में ही उनके भीतर कला के प्रति प्रेम और समर्पण का बीज बोया।

दस वर्ष की आयु में हिमांशु ने अपने पिता के मूर्तिकला कार्यों में हाथ बंटाना शुरू किया। उनके शुरूआती दिन कटक की शांत नदियों के किनारे रेत के साथ खेलते हुए बीते, जो आगे चलकर उनकी हस्ताक्षर कला का आधार बना। 12वीं के बाद उन्होंने दृश्य कला में स्नातक की पढ़ाई उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय से की, जहां उन्हें उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने मूर्तिकला में विशेषज्ञता के साथ परास्नातक डिग्री प्राप्त की।

उनकी रेत मूर्तियां न केवल भारत में बल्कि इटली, स्लोवेनिया, ऑस्ट्रिया और नेपाल जैसे देशों में भी प्रदर्शित हुई हैं। उनकी कृतियां पारंपरिक तकनीकों और आधुनिक सौंदर्यबोध का अद्भुत संगम हैं। उनके कला कार्य शक्तिशाली सामाजिक संदेशों को उजागर करने के साथ-साथ ऐतिहासिक हस्तियों जैसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस और स्वामी विवेकानंद के योगदान को सम्मानित करते हैं। हिमांशु ने डिजिटल मीडिया के माध्यम से अपनी कला के दायरे को और विस्तृत किया। रेत, पत्थर, लकड़ी, मिट्टी और मिक्स मीडिया के साथ-साथ डिजिटल कला में उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित किया है। उनका हर कार्य उनकी रचनात्मकता और कला के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

चंबल संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि 9 जनवरी 2025 को पंचनद तट पर उनकी प्रस्तुति कला प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगी। हिमांशु शेखर परिदा की कलात्मकता आने वाले समय में भी भारतीय रेत कला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने और कला के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने का कार्य करेगी।

संवैधानिक अधिकार यात्रा के गोरखपुर पहुंचने पर संकल्प दिवस रैली : डॉ संजय निषाद

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। निषाद पार्टी (निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल) के अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक माह से संवैधानिक अधिकार यात्रा चल रही है। संवैधानिक अधिकार यात्रा के गोरखपुर पहुंचने की तिथि 13 जनवरी तय हुई है। यात्रा के गोरखपुर पहुंचने पर निषाद पार्टी अपना 12वां संकल्प दिवस आयोजित कर रही है। संकल्प दिवस रैली में गोरखपुर में विशाल मैदान में हजारों की संख्या में मछुआ, निषाद समाज के लोग एवं पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी बुलाये गये हैं। संवैधानिक अधिकार यात्रा लेकर निकले मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि उत्तर प्रदेश में निषाद पार्टी के पदाधिकारियों को गोरखपुर में आयोजित संकल्प दिवस को सफल बनाने के लिए लगाया गया है। सभी जनपदों से मछुआ समाज के लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। हमारे मछुआ समाज के लोगों के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक आरक्षण के मुद्दों पर रणनीति बनायी जाएगी। निषाद को भी आरक्षण का लाभ मिले, इसके लिए संकल्प दिवस में मछुआ समाज को एसटी आरक्षण में भागीदारी का मुद्दा उठाया जाएगा।

लखनऊ में यात्रा के पहुंचने के प्रश्न पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि अभी लखनऊ में संवैधानिक अधिकार यात्रा के पहुंचने की तिथि तय नहीं की गयी है। लखनऊ में पहुंचने की तिथि को राष्ट्रीय पदाधिकारी तय कर रहे हैं। गोरखपुर के बाद अयोध्या मंडल में यात्रा प्रवेश करायी जायेगी। अभी संवैधानिक अधिकार यात्रा बलिया जनपद से आगे बढ़कर देवरिया जनपद में प्रवेश कर गयी है। गांव-गांव, डगर-डगर निषाद समाज की बात रखते हुए अगले दस दिनों में गोरखपुर पहुंचेगी।

मथुरा : कार ने परिक्रमा कर रही महिला श्रद्धालु को रौंदा, मौके पर मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बुधवार को एक अनियंत्रित कार ने पैदल परिक्रमा कर रही महिला श्रद्धालु को रौंद दिया है जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

घटना मथुरा के गोवर्धन थाना क्षेत्र स्थित राधाकुण्ड बाईपास की है। काफी देर तक कार के नीचे महिला श्रद्धालु फंसी रही और काफी दूर तक कार उसे घसीटकर ले गई। कार चालक मौके से फरार हो गया।

संदेह जताया जा रहा है कि कार चालक का नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना घटी। हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

नववर्ष पर ठाकुर श्री बांके बिहारी के दर्शन के लिए मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान मंदिर से लेकर मुख्य मार्ग तक श्रद्धालुओं की कतार देखी गई। मंदिर परिसर में भक्तों ने भव्य सजावट का आनंद लिया और प्रार्थनाओं के साथ नववर्ष की शुरूआत की। नए साल के चलते मथुरा में बुधवार को दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ श्रीकृष्ण जन्मभूमि एवं द्वारकाधीश मंदिर पर भी उमड़ी। भीड़ के कारण श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश के लिए लंबी लाइनों में लगते हुए देखा गया। मथुरा की इन प्रमुख धार्मिक स्थलों पर उमड़ी इस भीड़ ने नववर्ष के दिन एक अद्वितीय धार्मिक उत्सव का माहौल बना दिया।

बलिया में बीयर की दुकान पर कहासुनी के बाद दो युवकों की धारदार हथियार से हत्या

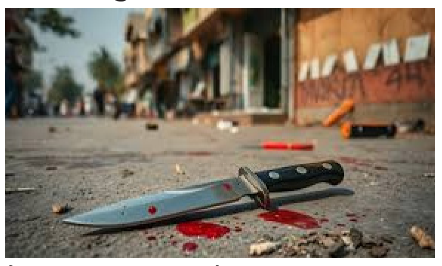

बलिया। बिहार की सीमा से सटे बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र के एक गांव में बीयर की दुकान पर कहासुनी के बाद दो युवकों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, नरही थाना क्षेत्र के कोटवा नारायनपुर गांव में बुधवार की रात प्रशांत गुप्ता (23) और गोलू वर्मा (24) एक दुकान से बीयर खरीदने गए थे कि इस दौरान वहां मौजूद गांव के ही कुछ युवकों से उनकी कहासुनी हो गई जो मारपीट में तब्दील हो गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी युवकों ने दोनों पर कुल्हाड़ी से प्रहार किया, जिसमें प्रशांत और गोलू की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने शव को राष्ट्रीय राजमार्ग पर रख कर जाम किया। आक्रोशित ग्रामीण पुलिस के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे। इससे गाजीपुर झ भरौली मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और बातचीत कर आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया तथा देर रात जाम को खत्म कराया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। उन्होंने बताया कि परिजनों से प्राप्त शिकायत के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। एसपी के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम का गठन किया गया है। साथ ही अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

पालिका ने रात्रि में बेसहारा जरूरतमंदों को सर्दी से बचाव के लिये दिये कंबल

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। मौसम की पड़ रही हाड़ कँप कपां देने वाली ठंड को देखते हुए अधिशासी अधिकारी ने नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित रैन बसेरे का निरिक्षण किया गया। रैन बसेरे में रुके हुए मुसाफिरों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। उसके बाद खुले आसमान में सौ रहे बेसहारा लोगों को पालिका के रैन बसेरे में भेजा गया। वही असहाय लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण किये। देर रात्रि अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने पालिका प्रशासन द्वारा संचालित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने रेन बसेरा हुए मुसाफिरों से पालिका द्वारा दी जा रही सुविधाओं जैसे बिस्तर, बेड खाने पीने की सामग्री की जानकारी ली। ईओ ने नव वर्ष पर अच्छी पहल करते हुए खुले में सौ रहे लोगों को पालिका की एंबुलेंस के माध्यम से पालिका रैन बसेरे में भेजा। ईओ विजेंद्र सिंह पाल ने रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप, फुव्वारा चौक, आरएसपी तिराहे, मिल तिराहे, थाना चौराहे, नवादा चुंगी सहित अनेक स्थानों पर पहुंचा कर गरीब लोगों को कंबल वितरित किये। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि नव वर्ष के मौके पर शहर भर में घूम कर गरीब लोगों को कंबल वितरित किये गए है ताकि वह सर्दी से बच सके। हमें इंसानियत को सबसे पहले ध्यान रखना चाहिए और सभी लोगों की मदद करनी चाहिए। इस मौके पर जेई सागर, प्रधान लिपिक देवेंद्र सिंह, लिपिक मोहम्मद शान, सभासद जब्बार अंसारी, मोहम्मद असलम, जावेद अहमद आदि मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने चलाया नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। एन.सी.सी. कैडेट्स ने नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर समाज को जागरूक किया। नगर के आर.एस.पी इंटर. कॉलेज में प्रधानाचार्य मधुबाला शर्मा के दिशा निर्देशन एवं एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने नशे के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर समाज को जागरूक किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या मधुबाला शर्मा ने कहा कि विद्यालयों के पास नशो से होने वाले दुष्प्रभावों के होर्डिंग लगाई जाए। इसके अतिरिक्त माता-पिता को भी अपने बच्चों को नशे से होने वाली हानियों से अवगत कराया जाना चाहिए ' वास्तव में सार्वजनिक स्थलो का पुर्णतः नशा मुक्त होना अनिवार्य है' समय समय पर विद्यालयों में इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। जिन विद्यालयों में नशे के प्रति जागरूक किया जाता है वे विद्यालय अन्य विद्यालयों के लिए आदर्श बनते हैं। हमारे देश का आने वाला भविष्य इन छात्र छात्राओं से है। एक मेधावी छात्र नशे के चंगुल में फंसकर अपना सब कुछ खो देता है' हम सबको मिलकर नशे के प्रति जागरूकता अभियान चलाना चाहिए जो की आज के समय मे अति आवश्यक है। नशे को खत्म करने के प्रचार प्रसार के लिये एनसीसी कैडेट्स व स्टाफ को शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

वैंकटेश्वरा में अंतरराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र में कैरियर अवसर विषय पर एकदिवसीय वैश्विक संगोष्ठी

भारत में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के प्रभावी रूप से लागू होने से पूरे विश्व में देश की साख बढ़ी है: सुधीर गिरि

- बौद्धिक सम्पदा अधिकार से जहां एक ओर नक्कालों एवं जालसाजों पर रोक लगी है, वही दूसरी ओर साइबर कानून आपकी प्राइवेसी (निजता), गोपनीयता एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरूपयोग को नियंत्रित करता है: डा. राजीव त्यागी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र में भारतीय युवाओं के लिए कैरियर अवसर विषय पर एक दिवसीय वैश्विक संगोष्ठी का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता /अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए यूनाइटेड किंगडम लन्दन से आयी अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञ डा. अंजली एस. डोहार्टी ने बौद्धिक सम्पदा कानून अधिकार को विस्तार से समझाते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय युवाओं के लिए विभिन्न कैरियर संभावनाओं पर प्रकाश डाला। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के डा. सी.वी. रमन सभागार में बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के क्षेत्र में भारतीय युवाओं के लिए कैरियर संभावनाएंह्न विषय पर आयोजित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, मुख्य अतिथि / वक्ता एवं अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञों डा. अंजली एस. डोहार्टी, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. (डा.) कृष्ण कान्त दवे, वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. (डा.) मधु चतुर्वेदी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। एकदिवसीय वैश्विक संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता लन्दन से आयी अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञ डा. अंजली एस. डोहार्टी ने कहा कि आज के इस डिजिटल युग में बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानून, इंटरनेशनल रिलेशनशिप कानून, साइबर लॉ आदि क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर भारतीय युवाओं के लिए ढेरों अवसर है। आज बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानूनों के माध्यम से जहा बुद्धिजीवी लोग अपनी बौद्धिक संपदाओं को कापीराईट एक्ट एवं पेटेंट एक्ट द्वारा डुप्लीकेसी एवं पाइरेसी से बचा रहे है, वही दूसरी ओर साइबर लॉ जैसे कानून के माध्यम से आज हम अपनी प्राइवेसी (निजता/गोपनीयता) की रक्षा के साथ-साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरूपयोग को भी रोकने में सफल रहे है लॉ, आई टी, सोशल वर्क, डिजिटल एवं तकनीक के क्षेत्र से जुड़े भारतीय युवाओं के लिए आज यू. के. एवं यू.एस. समेत यूरोपियन देशों में लाखों कैरियर संभावनाएं उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. (डा.) कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव प्रो. पीयूष पांडेय, डा. मधु चतुर्वेदी आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर समूह सलाहकार डा. आर एस. शर्मा, डा. राजेश सिंह, डा. टी.पी.सिंह, डा. सी.पी. सिंह, डा. योगेश्वर शर्मा, डा. लक्ष्मण सिंह रावत, डा. दिनेश गौतम, डा. ओमप्रकाश गुसाई, डा. अश्विन सक्सेना, डा. मनीष शर्मा, डा. आशुतोष, डा. अरुण गोस्वामी मेरठ परिसर से डा. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी का आह्वान, टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश के लिए आगे आएं सेवानिवृत्त अधिकारी और शिक्षाविद

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब एक अभिनव पहल की है। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त हो चुके आईएएस, आईपीएस, पूर्व कुलपतिगणों/शिक्षाविदों व अन्य वरिष्ठ नागरिकों को निक्षय मित्र की बड़ी जिम्मेदारी दी है। निक्षय मित्र के रूप में यह वरिष्ठ नागरिक टीबी उन्मूलन के प्रयासों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी के साथ बैठक की और टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया।

विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और पूर्व कुलपतिगणों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत से ही समर्थ भारत का निर्माण संभव है और जब भारत समर्थ होगा तभी शक्तिशाली होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसे मिशन मोड में लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में सबसे अधिक टीबी रोगी भारत मे हैं और भारत को टीबी मुक्त करने के लिए सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश में टीबी उन्मूलन अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने टीबी उन्मूलन की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में टीबी रोगियों की जांच पहले के मुकाबले चार गुना हो गई है। नैट एवं एक्सरे मशीनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में टीबी उपचार की सफलता दर पिछले चार वर्षों में 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निःक्षय पोषण योजनान्तर्गत डीबीटी के माध्यम से लगभग 27 लाख टीबी रोगियों के खाते में 775 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान हो चुका है। इसी तरह, फेफड़े के टीबी रोगियों के साथ रहने वालों को टीबी रोग न हो, उन्हें टीबी से बचाव का उपचार दिया जा रहा है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में जनभागीदारी के महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक 45 हजार से अधिक निःक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों को गोद लिया गया है और प्रदेश की 1372 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी ने लंबे समय तक समाज के बीच कार्य किया है। सभी सुदीर्घ अनुभव रखते हैं। अब सेवानिवृत्ति के बाद आप सभी इस राष्ट्रीय मिशन में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सबका साझा दायित्व है कि कोई भी टीबी का रोगी छूटने न पाये और जिनको भी टीबी से ग्रसित पाया जाए, उनको तत्काल सही और निरंतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाए। उनको अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराया जाए और कोई न कोई निःक्षय मित्र उनसे जुड़कर उनका सहारा बने। इसके साथ ही उनके परिवार के शेष सदस्यों की भी जांच कराकर उचित चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी रोगी समाज का अंग हैं, समाज में उनको सम्मान प्रदान कराया जाना, हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। निक्षय मित्र के रूप में सभी सेवानिवृत्त आईएएस/आईपीएस और पूर्व कुलपतिगण टीबी मरीजों को गोद लें, उन्हें उपचार के बारे में जानकारी दें और समुचित सहायता उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी के लापता रोगियों को खोजना, टीबी की मृत्यु दर को कम करना एवं स्वस्थ व्यक्तियों को टीबी के संक्रमण से बचाना है। प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए प्रदेश सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है और प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी अति आवश्यक है। बैठक में उपस्थित सभी सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों और कुलपतिगणों ने मुख्यमंत्री के आह्वान के लिए आभार जताया और सहयोग के लिए शपथ भी ली।

महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर खानपान सामग्री में नजर आएगी स्वच्छता

प्रात : किरण, संवाददाता

महाकुंभ नगर, । सनातन आस्था के सबसे बड़े समागम को सफल बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार पूरे मनोयोग से जुटी हुई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए योगी सरकार के साथ ही केंद्र सरकार भी कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। रेलवे भी यात्रियों की सुविधाओं को लेकर लगातार अपनी सेवाओं में विस्तार कर रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज मंडल ने सभी कैटरिंग स्टॉल लाइसेंस धारकों को खानपान सामग्री में स्वच्छता के साथ निर्धारित शुल्क पर बिक्री करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्टॉल्स पर सामान सुव्यवस्थित ढंग से रखने, कर्मचारियों को उचित ड्रेस और नेम प्लेट लगाने के साथ ही श्रद्धालुओं को विनम्र व्यवहार के लिए कहा गया है। प्रयागराज मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) हिमांशु शुक्ला ने कहा कि महाकुंभ 2025 में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज में दर्शन एवं स्नान के लिए आ रहे हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल से यात्रा करते हैं। रेलवे के लिए सेवाभाव के साथ अपनी सर्वोत्तम सेवाएं प्रस्तुत करने की अहम जिम्मेदारी है और रेलवे इसके लिए पूर्ण रूप से तैयार है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) ने सभी कैटरिंग स्टॉल लाइसेंस धारकों को खानपान सामग्री में स्वच्छता के साथ निर्धारित शुल्क पर बिक्री करने के निर्देश दिए हैं। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि सभी स्टॉल पर सामान सुव्यवस्थित ढंग से रखे हों, कर्मचारियों के परिधान उचित हों, नेम प्लेट लगी हो और व्यवहार विनम्र हो। सभी प्रकार के स्टॉल्स एवं यात्री सुविधाओं के नियमित और औचक निरीक्षण भी किए जाएंगे। सभी खानपान सेवा देने वाले लाइसेंस धारकों को अपने बेस किचन का विवरण तत्काल उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने सभी लाइसेंस धारकों को स्टॉल्स पर विजिटर बुक रखने का निर्देश दिया है और अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। जन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कर्मचारियों और लाइसेंस धारकों के सुझावों को भी आमंत्रित किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) ने कहा कि महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 13,000 से अधिक गाड़ियां चलाई जाएंगी। 10,000 से अधिक नियमित गाड़ियां एवं 3,000 से अधिक विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल 9 रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ मेला क्षेत्र में यूटीएस, एटीवीएम, एमयूटीएस, पूछताछ और पीआरएस सहित कुल 560 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें 132 काउंटर प्रयागराज जंक्शन पर बनाए जा रहे हैं। इन काउंटरों से प्रतिदिन लगभग 10 लाख टिकट वितरित किए जा सकेंगे। रेलवे ने कुंभ मेले के दृष्टिगत अब अग्रिम रेलवे टिकट 15 दिन पूर्व लेने की सुविधा शुरू कर दी है। रेलवे ने 1 नवंबर 2024 से टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 जारी किया है। 1 जनवरी 2025 से यह 24 घंटे प्रति शिफ्ट चार ऑपरेटरों द्वारा संचालित किया जा रहा है और मेला अवधि के दौरान उड़िया, तमिल/तेलुगु, मराठी और बांग्ला जैसी भाषाओं में जानकारी उपलब्ध कराएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए बहुभाषी उद्घोषणा प्रणाली शुरू की जा रही है। बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली के माध्यम से महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को यात्रा संबंधित जानकारियां 12 भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, तामिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, बांग्ला, उड़िया, पंजाबी एवं असमिया) में उद्घोषित की जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

झील में नौका पलटी, एक किशोर की मौत

उन्नाव । उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक झील में नौका पलटने से एक किशोर की मौत हो गई। नौका में सात किशोर सवार थे और वे झील में रील बना रहे थे, पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रतिराम पुरवा निवासी सात किशोर पास की एक झील में नौका विहार कर रहे थे और मोबाइल से रील बना रहे थे, तभी नाव पलट गई और सभी पानी में गिर गए। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से छह किशोरों को बचा लिया गया लेकिन 14 वर्षीय किशोर उमेर की डूबने से मौत हो गई। जाजमऊ चौकी के प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह घटना लापरवाही के कारण हुई प्रतीत होती है। मामले की जांच की जा रही है।

बहराइच: आपस में टकराईं रोडवेज बस, आधा दर्जन यात्री घायल

जरवल/बहराइच, । लखनऊ-बहराइच मार्ग पर जरवल रोड क्षेत्र में यात्रियों को लखनऊ ले जा रही रोडवेज बस और लखनऊ आ रही आलमबाग डिपो की बस में जोरदार टक्कर हो गई। जिससे बस में सवार आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बहराइच रोडवेज बस अड्डे से बस गुरुवार को लखनऊ के लिए रवाना हुई। बस जरवल रोड थाना क्षेत्र के लखनऊ बहराइच मार्ग पर बरवलिया गांव के पास पहुंची। दोपहर डेढ़ बजे के आसपास साइड लेने के चक्कर में लखनऊ से आ रही आलमबाग डिपो की बस में जोरदार टक्कर मार दी। आलमबाग डिपो की बस यात्रियों को लेकर बहराइच आ रही थी। हादसे में बस में सवार पयागपुर थाना क्षेत्र के बेलवा पदुम गांव निवासी गीता पत्नी विनोद कुमार, प्रियांशु पुत्र विनोद कुमार, सुल्तानपुर जिले के बंधुवा कला हसनपुर गांव निवासी मोहम्मद शोएब पुत्र सलीम खान समेत आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। चौकी इंचार्ज राणा राज सिंह ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोहरे के चलते विद्युत पोल से टकराई बाइक, एक की मौत

जालौन, । कालपी-कदौरा बॉर्डर पर अलीपुर गांव के पास गुरुवार की सुबह घना कोहरा होने की वजह से विद्युत पोल से टकराई बाइक हुआ दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकरा गई। इस हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका मामा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना कदौरा के अलीपुर गांव के पास बने कंजड़ नाले की है। कालपी कोतवाली क्षेत्र के गुलौली गांव का रहने वाला अयान बेग (18) अपने मामा अतुरुल रहमान के साथ बाइक से कदौरा की ओर जा रहा था। घने कोहरे के कारण बाइक चालक को सड़क किनारे लगा बिजली का खंभा दिखाई नहीं दिया। तेज रफ्तार बाइक खंभे से टकरा गई। इससे दोनों सवार सड़क किनारे गिर गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सड़क से उछलकर खेत में जा गिरी और दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। अयान बेग के सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अतुरुल रहमान को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद वहां से गुजरने वाले राहगीरों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। कदौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कदौरा थाने के प्रभारी निरीक्षक प्रभात सिंह ने बताया कि हादसा घने कोहरे के कारण हुआ। कोहरे के चलते बिजली का खंभा दिखाई नहीं दिया और बाइक खंभे से टकरा गई। इस हादसे में एक युवक की

बलिया में दो युवकों की हत्या

बलिया, । बलिया में नरही थाना क्षेत्र के कोटवा नारायणपुर गांव में मामूली कहासुनी के कारण नववर्ष की पहली शाम मातम में बदल गई। घटना में मुख्य आरोपित बताया जा रहा युवक मनबढ़ किस्म का है। उसके साथियों पर भी दबंगई के आरोप हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने सीओ सदर के नेतृत्व में तीन टीमें गठित की हैं। पुलिस की मानें तो बुधवार रात करीब नौ बजे कोटवा बाजार में बियर की दुकान पर दो युवक प्रशांत और गोलू पहुंचे थे। तभी शिवम राय और उसके साथ कुछ अन्य युवक भी पहुंच गए। बियर की दुकान पर किसी बात को लेकर दोनों ग्रुपों में वाद-विवाद होने लगा। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि कुल्हाड़ी से प्रशांत गुप्ता और गोलू वर्मा पर वार किया गया। जिसके बाद परिजन दोनों को बिहार के बक्सर स्थित एक अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन दोनों शवों को लेकर कोटवा पहुंचे और सड़क पर शव रख कर जाम लगा दिया। मौके पर एडीएम और एएसपी पहुंचे।

10 हजार का इनामी गैंगस्टर बागपत से गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

बागपत, । बागपत की चाँदीनगर पुलिस ने दस हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से अवैध हथियार और कारतूस भी मिले हैं। अपराधी लूट ओर गैंगस्टर के मामले में फरार चल रहा था। अपर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया है कि बागपत पुलिस के विशेष अभियान के तहत चांदीनगर थाना पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने 10 हजार रुपये के इनामी और 2/3 गैंगस्टर एक्ट में फरार अपराधी उमेश उर्फ रमेश उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपित के पास से एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपित उमेश ग्राम चौका, थाना बृजमनगंज, जनपद महाराजगंज का निवासी है। वह राजपुर लोनी, गाजियाबाद में रह रहा था। पुलिस जांच में पता चला कि उसने खेकड़ा थाने में दर्ज डकैती के एक मामले में जमानत पाने के लिए अपना नाम और पहचान बदलकर खुद को रमेश उर्फ छोटू, निवासी विश्वास नगर, थाना शाहदरा, दिल्ली बताया था। बताया गया है कि 11 दिसंबर 2024 को खेकड़ा थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद से उमेश फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजय वर्गीय ने 27 दिसंबर 2024 को इस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उसके खिलाफ खेकड़ा थाने में डकैती, गैंगस्टर एक्ट और अवैध हथियार जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने अब आरोपित के खिलाफ नाम बदलकर जमानत लेने के मामले में भी कार्रवाई शुरू कर दी है। बागपत पुलिस की इस सफलता को अपराधियों के लिए एक सख्त संदेश और कानून-व्यवस्था की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है।

गौतमबुद्ध नगर के तीन थानों को आईएसओ सर्टिफिकेट मिला, पुलिस महानिदेशक ने दी बधाई

प्रात : किरण, संवाददाता

नोएडा, । पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के थाना एक्सप्रेसवे, थाना बादलपुर तथा थाना नॉलेज पार्क को आईएसओ 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम्स प्रदान किया गया है। प्रदेश में जन शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्वक निस्तारण के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में गौतमबुद्धनगर के तीन थानों एक्सप्रेसवे, बादलपुर और नॉलेज पार्क को आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर), गुणवत्ता प्रबंधन (क्वालिटी मैनेजमेंट), थाना कार्यालय प्रक्रिया (ऑफिस प्रोसीजर) को जनमानस और पुलिस सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप मान्य पाए जाने पर आईएसओ 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम्स प्रदान किया गया है। पुलिस महानिदेशक ने इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश पुलिस का मान बढ़ाने के लिए वीडियो संदेश जारी करते हुए पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह की सराहना की। इसके लिए पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने एक निर्धारित एक्शन प्लान के तहत, इन थानों के मानकीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया था। इसी क्रम में इन थानों में स्थित विभिन्न शाखाओं जैसे थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, आईजीआरएस, मालगृह, जीडी, पासपोर्ट, डाक सेक्शन, आर्म्स-एम्युनिशन के रखरखाव, साइबर डेस्क, महिला हेल्प डेस्क, नए कानून के क्रियान्वयन आदि के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार कराई गई थी। प्रोटोकॉल निर्धारित करने के साथ-साथ इन थानों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रभावी पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था, महिलाओं एवं आम नागरिकों को तुरंत और प्रभावी न्याय दिलाए जाने तथा सिटीजन चार्टर के प्रभावी क्रियान्वयन कराए जाने के लिए भी सुव्यवस्थित एवं योजनाबद्ध ढंग से ठोस और सार्थक प्रयास प्रारंभ कराए गए। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आईएसओ सर्टिफिकेट देने वाली रॉयल इम्पैक्ट सर्टिफिकेशन लिमिटेड की टीम ने थाना एक्सप्रेसवे, थाना बादलपुर और थाना नॉलेज पार्क के सभी पहलुओं का विस्तृत एवं गहन ऑडिट किया था और थाना स्टाफ को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया था। आईएसओ कमेटी ने विभिन्न बिन्दुओं में तुरंत जवाबदेही, नए कानूनों के प्रभावी ढंग से अनुपालन तथा आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए सिटीजन चार्टर के प्रभावी क्रियान्वयन कराए जाने संबंधी समस्त प्रक्रियाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाया। इसके बाद थाना एक्सप्रेसवे, थाना बादलपुर तथा थाना नॉलेज पार्क को आईएसओ 9001:2015 क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम्स प्रदान किया गया है।

कानपुर में ट्रेन पलटाने की साजिश का मामला: एटीएस ने की जांच-पड़ताल, कई लोगों से की पूछताछ

कानपुर, । बुधवार सुबह बर्राजपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के पश्चिमी किनारे पर पांच किलो वाला खाली गैस सिलेंडर रेलवे लाइन के बीचों-बीच में पड़ा मिला था। जीआरपी को एक धमकी भरा लेटर भी मिला। ट्रेन पलटाने की साजिश की आशंका के चलते जांच के लिए एटीएस समेत अन्य जांच एजेंसियां मामले में सक्रिय हो चुकी हैं। एटीएस की एक टीम गुरुवार को जांच पड़ताल करने पहुंची। एटीएस के एक्सपर्ट सर्विलांस की मदद से रेलवे ट्रैक किनारे लैपटॉप लेकर घंटों जांच-पड़ताल में जुटे रहे। कई लोगों से मामले में पूछताछ की। बता दें, इससे पहले भी इसी रेलवे ट्रैक पर भरा हुआ गैस सिलेंडर और पेट्रोल बम रखकर कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन को उड़ाने की साजिश की गई थी। ऐसे में, जांच एजेंसियां मामले को गंभीरता से देख रही हैं। पुरानी कड़ियों को जोड़कर दोबारा जांच शुरू की गई है। आसपास के सीसीटीवि खंगाले गए हैं। कई लोगों से बात करके बयान भी दर्ज किए गए हैं।

नए साल की पार्टी के बाद मारपीट, एक्सीडेंट के वीडियो वायरल, नशे में धुत लोगों को पुलिस ने घर तक पहुंचाया

प्रात : किरण, संवाददाता

नोएडा, । साल के अंतिम दिन नए साल के जश्न में चप्पे-चप्पे पर पुलिस मौजूद रही। हजारों वाहनों के चालान काटे गए सैकड़ों लोगों को खुले में शराब पीने के चलते नोटिस दिया गया। वहीं कई मारपीट और एक्सीडेंट के वीडियो भी सामने आए। इस दौरान नशे में धुत कई लोगों को पुलिस टीम ने घर तक भी पहुंचाया। मिली जानकारी के मुताबिक नए साल के जश्न के दौरान मारपीट की कई घटनाएं सामने आईं। मंगलवार देर रात गार्डेन गैलेरिया परिसर के अंदर ही दो पक्ष किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। इसके अलावा सेक्टर-18 में पार्टी कर लौट रहे कार सवार ने छोटा हाथी को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गार्डेन गैलेरिया मॉल के टॉय बॉय बार के बाहर दो पक्षों में मारपीट हो गई। पार्टी में शामिल होने आई एक युवती से बदसलूकी के बाद दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। इसका 28 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें युवाओं की भीड़ दिख रही है। इसमें एक युवक को गोद में उठाकर हटाया जा रहा है। वहां चारों तरफ से आवाजें आ रही है। वीडियो को कई लोगों ने साझा किया है। पुलिस अधिकारियों को टैग कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग यूजर ने की है। वहीं सेक्टर-39 थाना प्रभारी का मामले को लेकर कहना है कि अभी तक किसी ने शिकायत नहीं दी है। शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पार्टी कर जा रहे कार सवार ने सेक्टर-18 में पीछे से एक वाहन में टक्कर मार दी। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। इसका भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 14 सेकंड के इस वीडियो में क्षतिग्रस्त कार व आसपास जाम की स्थिति दिखाई दे रही है। सेक्टर-18 व गार्डेन गैलेरिया के पास पार्टी के बाद अधिक नशे में होने के कारण कई लोग अपने घर नहीं जा पा रहे थे। ऐसे में पुलिस ने कई लोगों को घर तक भिजवाया।

फरीदाबाद में प्रेम प्रसंग में युवक को अगवा कर पीट-पीटकर मार डाला, शव जलाया

फरीदाबाद में एक प्रेम प्रसंग ने खौफनाक मोड़ ले लिया। युवक तैयब को अगवा कर पीट-पीटकर मार डाला गया और फिर उसके शव को जला दिया गया। मृतक की बहन शबनम ने आरोप लगाया है कि तैयब की पत्नी अनीशा का रवि नाम के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था और इसी के चलते यह हत्या हुई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पत्नी और उसके साथियों पर लगे गंभीर आरोप पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज जागरण संवाददाता, फरीदाबाद। धौज थाना क्षेत्र स्थित मांगर के पहाड़ी में अधजली अवस्था के एक युवक का शव मिला। युवक के स्वजन ने छह दिन पहले उसके अपहरण की शिकायत दी थी।मृतक की बहन शबनम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके भाई तैयब की शादी 12 साल पहले पाखल की रहने वाली अनीशा के साथ हुई थी। उनका भाई अनीशा के साथ उसके मायके में ही रहता था।

पावर-डीडीएल ने सार्वजनिक सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली पुलिस के साथ सहयोग किया है

- विद्युत सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा और अपराध की रोकथाम सहित विभिन्न सुरक्षा मुद्दों को कवर किया जाएगा
- **इसका उद्देश्य लोगों को सुरक्षित विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाना है**

प्रात : किरण, संवाददाता

राजधानी में नॉर्थ दिल्ली की लगभग 90 लाख की आबादी के लिए बिजली वितरण कर रही अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने राष्ट्रीय राजधानी में सार्वजनिक सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली पुलिस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। एमओयू के तहत, दोनों पक्ष विद्युत सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा और अपराध की रोकथाम सहित विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाली सूचनात्मक वीडियो (एवी) का उत्पादन और साझा करने के लिए मिलकर काम करेंगे इस पहल का उद्देश्य नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाना, उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में सुरक्षित प्रथाओं को अपनाने में मदद करना है। दोनों संगठन ह्लत्योहारों के मौसम से पहले सुरक्षा जागरूकताह्न और ह्लमहिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवसह्न जैसे अभियानों पर संयुक्त रूप से काम करेंगे। समझौता ज्ञापन पर टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री गजानन एस काले और दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त और जनसंपर्क अधिकारी श्री संजय कुमार त्यागी ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। टाटा पावर-डीडीएल उत्तरी दिल्ली में व्यापक आबादी की सेवा कर रहा है और दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा का संरक्षक है, यह सहयोग वीडियो और अन्य डिजिटल सामग्री के माध्यम से जनता तक महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी प्रसारित करने में प्रभावशाली होगा। यह पहल विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान बिजली के उपयोग से संबंधित सुरक्षा युक्तियों को बढ़ावा देकर विद्युत सुरक्षा सहित प्रमुख सुरक्षा क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह सड़क सुरक्षा को भी संबोधित करेगा, सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को प्रोत्साहित करेगा, विशेष रूप से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान, और साइबर सुरक्षा, डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के तरीके के बारे में सुझाव देगा। यह साझेदारी महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की पहल का समर्थन करके उनकी सुरक्षा को बढ़ावा देगी, साथ ही दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों से पहले आग और बिजली के खतरों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाएगी। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री गजानन एस. काले ने कहा, ह्लसार्वजनिक सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की इस महत्वपूर्ण पहल में दिल्ली पुलिस के साथ साझेदारी करने पर हमें गर्व है। टाटा पावर-डीडीएल के व्यापक ग्राहक आधार और समुदाय में दिल्ली पुलिस की स्थापित उपस्थिति का लाभ उठाते हुए, हम सुरक्षा जागरूकता संदेश का प्रभावी ढंग से प्रसार सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रत्येक नागरिक के लिए सुरक्षा एक प्राथमिकता है।

नोएडा वाले नए साल का जश्न मनाते मनाते 13 करोड़ की गटक गए शराब

ग्रेटर नोएडा, । नए साल के जश्न में नोएडा के लोग 13 करोड़ की शराब गटक गए। आबकारी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 31 दिसंबर को जिले में करीब 13 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई है। इसमें सबसे ज्यादा शराब इंडियन मेड फॉरेन लिकर की बिकी है। 13 करोड़ में से करीब 9 करोड़ की बिक्री इंडियन मेड फॉरेन लिकर की हुई है। 31 दिसंबर को पिछले साल के मुकाबले करीब 2 करोड़ रुपये की ज्यादा शराब बिकी है। जिला आबकारी विभाग के रेकॉर्ड के अनुसार सुबह 10 बजे से लेकर रात 11 बजे तक करीब 13 करोड़ की शराब बिकी है। वहीं, अगर उससे पांच दिन पहले तक के रेकॉर्ड की बात करें तो करीब 35 करोड़ की शराब 31 दिसंबर के पहले के पांच दिन में बिक गई है। यानि अनुमानित तौर पर साल 2024 के अंतिम सप्ताह में 50 करोड़ से भी ज्यादा की शराब बिकी है। बताया जा रहा है कि पिछले नए साल से एक दिन पहले करीब 11 करोड़ की शराब की बिक्री हुई थी, लेकिन इस बार करीब 13 करोड़ की बिक्री हुई है। हालांकि इसका कोई कारण नहीं बताया जा रहा है कि लेकिन विभाग का कहना है कि पिछले साल से करीब 2 करोड़ की ज्यादा की शराब इस बार बिकी है।बता दें कि 31 दिसंबर की शाम नोएडा, ग्रेटर नोएडा में हर तरफ जश्न का माहौल था। ऐसे में शराब की दुकानें भी रोजाना की अपेक्षा एक घंटा ज्यादा देर तक खुली रहीं। रोजाना जहां सुबह 10 बजे से लेकर रात 10 बजे तक शराब की दुकानें खुलने का समय है। वहीं, 31 दिसंबर को सुबह 10 बजे से रात के 11 बजे तक दुकानें खुली रहीं।

फरीदाबाद में अब इन उपभोक्ताओं पर एक्शन की तैयारी, बिजली विभाग ने बना ली पूरी कुंडली

फरीदाबाद बिजली निगम ने डेढ़ लाख से अधिक डिफाल्टरों से 490 करोड़ रुपये की वसूली की है। इनमें से कई उपभोक्ताओं के कनेक्शन चालू हैं और उन पर 170.72 करोड़ रुपये बकाया है। लंबे समय से कटे हुए कनेक्शन वाले डिफॉल्टरों पर 320.11 करोड़ रुपये बकाया है। कई सरकारी विभागों पर भी 22.6 करोड़ रुपये बकाया है। ग्रेटर फरीदाबाद में हैं सबसे अधिक बकायादार। नए वर्ष में डिफाल्टरों के घर-संस्थानों की बत्ती होगी गुल। औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में बिजली निगम के डेढ़ लाख से अधिक डिफॉल्टर बिजली निगम का 490 करोड़ करोड़ रुपये दबाए बैठे हैं। इनमें से बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ताओं भी हैं जिनके कनेक्शन चालू हैं। इन पर 170.72 करोड़ रुपये बकाया चल रहे हैं। दूसरी श्रेणी में वह डिफॉल्टर हैं, जिनका लंबे समय से कनेक्शन कटा हुआ है। ऐसे डिफॉल्टर ने 320.11 करोड़ रुपये जमा कराने हैं। कई सरकारी विभागों पर बिजली निगम पर 22.6 करोड़ रुपये बकाया चल रहा है। यह विभाग बीच-बीच में बकाया बिल जमा भी करवाते रहते हैं। जिले में ऐसे भी कई डिफॉल्टर हैं, जो बिल तो जमा नहीं करा रहे हैं, मगर अब बिजली चोरी करके बिजली निगम को चूना लगा रहे हैं। बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान ऐसे कई मामले सामने आए हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब बिजली निगम ने नए वर्ष में वसूली पर ध्यान देना शुरू किया है। साथ ही अब नए साल में ऐसे डिफॉल्टरों पर कार्रवाई की तैयारी में लग गया है। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता जितेंद्र ढुल ने सभी कार्यकारी अभियंताओं से रिपोर्ट लेकर कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए हैं।

ग्रेटर फरीदबाद में सबसे अधिक डिफॉल्टर

डिफॉल्टर	बकाया राशि	डिवीजन
61915	208.83 करोड़	ग्रेटर फरीदाबाद
34424	122.42 करोड़	ओल्ड फरीदाबाद
48739	128.59	बल्लभगढ़
14759	30.99 करोड़	एनआइटी
	490.83 करोड़	डिफाल्टर की कुल बकाया राशि

लाइन लॉस के मामले में ग्रेफ की स्थिति ठीक नहीं

ठी७३

बिजली निगम के रिकार्ड की बात करें तो चोरी बढ़ने से लाइन लॉस की स्थिति भी नहीं सुधर पाई है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष लाइन लॉस बढ़ा है। लाइन लॉस के मामले में ग्रेफ की स्थिति ठीक नहीं है। एनआईटी में स्थिति ठीक है।

लाइन लॉस की मौजूदा स्थिति प्रतिशत में	गत वर्ष	डिवीजन
12.52	9.52	ग्रेटर फरीदाबाद डिवीजन
7.10	5.23	बल्लभगढ़
4.43	06	ओल्ड फरीदाबाद
2.64	03	एनआईटी

सभी कार्यकारी अभियंता को आदेश दिए गए हैं कि वह अपनी-अपनी डिवीजन में डिफाल्टर के कनेक्शन काटने की कार्रवाई को गति दें। यह अभियान शुरू भी हो गया है। ऐसे घरों, संस्थानों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिन पर बहुत ज्यादा बकाया है और पिछले लंबे समय से बिल जमा नहीं कराया है। बिजली चोरी के खिलाफ अभियान भी तेज किया जाए। सरकारी विभाग के मुखिया को बकाया राशि जमा करवाने को पत्र लिखा गया है। अगर 15 दिन में सरकारी विभागों की ओर से बकाया बिल जमा नहीं कराया गया तो आगे कार्रवाई के मामले में उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया जाएगा। लाइन लास की स्थिति में भी सुधार किया जाएगा।

फरीदाबाद में भरे बाजार युवक की हत्या, चाकू से ताबड़तोड़ किए आठ वार; वारदात का खौफनाक CCTV वीडियो आया सामने

हरियाणा के फरीदाबाद से एक खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां बसेलवा कॉलोनी में भरे बाजार एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। आरोपितों ने कुछ पहले इंस्टाग्राम पर युवक को धमकी भी दी थी। पुलिस ने इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। वारदात वीडियो सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि आरोपितों ने युवक पर चाकू से आठ वार किए। युवक को कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर मिली थी धमकी शिकायत का पुलिस वालों ने नहीं लिया था संज्ञान फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद थाना क्षेत्र में स्थित बसेलवा कॉलोनी में रहने वाले युवक की कुछ बदमाशों में बाजार में चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपित युवक को मारने के बाद वहां से फरार हो गए। आरोपितों ने इंस्टाग्राम पर दी थी धमकी मृतक अंशुल बसेलवा कॉलोनी का ही रहने वाला था। अंशुल के दोस्त अनमोल ने बताया कि कुछ दिन पहले आरोपितों ने इंस्टाग्राम पर अंशुल को धमकी दी थी। जिसको लेकर अंशुल ने पुलिस को शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस की ओर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बदमाशों ने क्यों की अंशुल की हत्या? अनमोल के अनुसार, वह बुधवार को अंशुल के साथ गली में खड़े थे। इस दौरान चार से पांच बदमाश वहां से गुजरे। बदमाशों के साथ अंशुल का किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। अंशुल और उसके दोस्त ने बदमाशों को वहां से भगाने के लिए उन पर पत्थर मारे। जब बदमाश भागे तो अंशुल ने भी उनका पीछा करने शुरू कर दिया। सीसीटीवी में कैद हो गई वारदाता इस दौरान अंशुल को एक बदमाश ने पकड़कर उस पर चाकू से हमला कर दिया। फिर तीन से चार आरोपितों ने अंशुल पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला किया। चाकू मारने के बाद वह फरार हो गए। ओल्ड फरीदाबाद थाना पुलिस के अनुसार आरोपितों की तलाश की जा रही है। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 03 जनवरी, 2025

पीएम मोदी से मिले दिलजीत दोसांझ, किन मुद्दों पर हुई बात सिंगर ने बताया

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली, । पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत भी हुई और सिंगर ने प्रधानमंत्री मोदी को तोहफा भी दिया। दिलजीत दोसांझ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पीएम मोदी के साथ हुई मुलाकात की कई तस्वीरें भी शेयर की, जिसमें वह पीएम मोदी को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते दिखाई दे रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उनका स्वागत करते हुए ह्लसत श्री अकालह्व भी बोलते हैं। दिलजीत ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, 2025 की शानदार शुरूआत! प्रधानमंत्री नरेंद्र के साथ एक बहुत ही यादगार मुलाकात। हमने संगीत सहित कई चीजों पर बात की। पीएम मोदी ने पंजाबी सुपरस्टार के साथ अपनी मुलाकात की रिशेयर किया। उन्होंने लिखा, दिलजीत दोसांझ के साथ शानदार बातचीत! वह वाकई बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, उनमें प्रतिभा और परंपरा का मिश्रण है। हम संगीत, संस्कृति और अन्य चीजों से जुड़े हुए हैं। वीडियो में प्रधानमंत्री दिलजीत की तारीफ करते हुए कहते हैं,जब गांव का कोई भारतीय युवा दुनिया में मशहूर होता है तो अच्छा लगता है। दिलजीत हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ का जवाब देते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा,आपके परिवार ने आपका नाम दिलजीत रखा है और आप बस लोगों का दिल जीतते जा रहे हैं। इस पर दिलजीत ने कहा,मैं पढ़ता था कि भारत महान है और जब मैं पूरे देश में घूमा, तभी मुझे एहसास हुआ कि यह देश महान क्यों है। उनके शब्दों पर प्रधानमंत्री मोदी मुस्कुराए और उन्होंने कहा, भारत की विशालता वास्तव में एक ताकत है। हम एक जीवंत समाज हैं। वीडियो में दिलजीत को योग के बारे में भी सुना जा सकता है, जिस पर पीएम मोदी कहते हैं, ह्लजिसने योग का अनुभव किया है, वह वास्तव में इसकी शक्ति से अवगत है।ह्व पंजाबी सुपरस्टार ने उन पलों को भी याद किया, जब पीएम मोदी ने गंगा नदी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी थी और मां-बेटे के रिश्ते का संदर्भ देते हुए कहा था कि वह इससे अभिभूत हैं। उन्होंने गुरु नानक का भावपूर्ण उल्लेख करते हुए पंजाबी में कुछ पंक्तियां भी गाईं, जिस पर प्रधानमंत्री ने मेज भी थपथपाई।

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई,। अभिनेता वरुण धवन की साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म ह्यबेबी जॉनह्ण फिलहाल 25 दिसंबर को क्रिसमस पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बेहद निराशाजनक है। फिल्म की कमाई लगातार गिरती जा रही है। फिल्म की लागत भी निकलना मुश्किल हो रहा है। अभिनेता ह्यबेबी जॉनह्ण थलापति विजय की तमिल फिल्म ह्यथेरीह्ण का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन एटली कुमार ने किया है। फिल्म में वरुण धवन के साथ साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही फिल्म में वामिका गब्बी और राजपाल यादव की भी अहम भूमिका है। इस फिल्म की कहानी सामाजिक मुद्दों पर टिप्पणी करती है। इसमें एक्शन, रोमांस और ड्रामा है लेकिन ये फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकामयाब रही। फिल्म ने 8वें दिन के कलेक्शन सामने आ गए है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, ह्यबेबी जॉनह्ण ने अपनी रिलीज के आठवें दिन 2.75 करोड़ कमाई की है, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 35.40 करोड़ रुपये हो गया है। वही फिल्म ने पहले दिन 11.25 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत की थी। इसका बजट 180 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निमार्ता फिल्म के सीक्वल बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा का फर्स्ट पोस्टर रिलीज

मुंबई,। जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स ने फिल्म ह्यदेवाह्ण का फर्स्ट पोस्टर रिलीज कर दिया है। एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने लगातार अपडेट्स देकर ऑडियंस की एक्साइटमेंट को बनाए रखा है। ऐसे में अब इस फिल्म से शाहिद कपूर का नया जबरदस्त लुक पोस्टर रिलीज करके मेकर्स ने एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। देवा के नए पोस्टर में शाहिद कपूर का लुक काफी दमदार और रॉ लग रहा है। सिगरेट पीते हुए शाहिद का स्टाइल और एटीट्यूड कमाल का दिख रहा है, जिसमें पावर और रफनेस साफ झलक रही है। पोस्टर को और दमदार बनाता है बैकग्राउंड में 90 के दशक के आइकॉनिक अमिताभ बच्चन की झलक। रोशन एंड्रयूज के निर्देशन में बनी और जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स निर्मित फिल्म ह्यदेवाह्ण 31 जनवरी को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में शाहिद कपूर के साथ पूजा हेगड़े भी अहम भूमिका में नजर आयेंगी।

साजिद खान ने स्वीकारा- मी टू आरोपों के बाद नहीं मिला काम

मुंबई,। साजिद खान बॉलीवुड के एक लोकप्रिय निर्देशक हैं। उन्होंने बॉलीवुड को ह्यहाउसफुलह्ण, ह्यहिम्मतवालाह्ण, ह्यहे बेबीह्ण जैसी सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने बिग बॉस में भी हिस्सा लिया था। साल 2018 में मी टू अभियान के तहत महिलाओं के शोषण के आरोप लगने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह से बदल गयी। इन आरोपों के चलते साजिद को काम मिलना बंद हो गया। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इस पर टिप्पणी की। एक इंटरव्यू में साजिद खान ने खुलासा किया कि डिप्रेशन के कारण उन्होंने कई बार आत्महत्या करने के बारे में भी सोचा था। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर और पिछले छह सालों पर बात की। उन्होंने कहा, पिछले 6 सालों में मेरे मन में कई बार आत्महत्या के ख्याल आए हैं। इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन से मंजूरी मिलने के बाद भी मुझे काम नहीं दिया जा रहा है। मैं खुद को खड़ा करने की कोशिश कर रहा हूं। अपने पैरों पर खड़ा हो रहा हूं। साजिद ने कहा, कमाई न होने के कारण मुझे अपना घर बेचना पड़ा। मैं किराए के फ्लैट में रह रहा हूं। मैं 14 साल की उम्र से काम कर रहा हूं। मेरे पिता का निधन हो गया और मैं और बहन फराह खान कर्ज में डूब गए।

फिल्म धुरंधर के सेट से लीक हुआ रणवीर सिंह का धांसू लुक

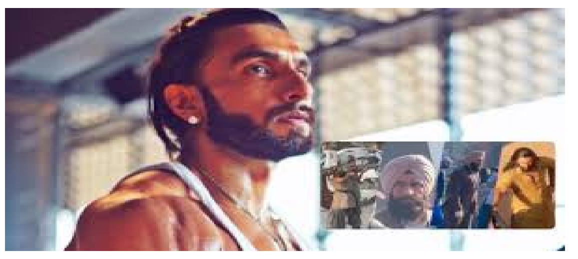

मुंबई,। अभिनेता रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ब्लॉकबस्टर बनाने वालेआदित्य धर अब धुरंधर के निर्देशन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि रणवीर सिंह इस फिल्म में किस तरह का किरदार निभाएंगे, खासकर जब उनके पिछले कुछ प्रोजेक्ट्स उम्मीदों पर पूरी तरह खरे नहीं उतर सके। रणवीर सिंह का धुरंधर से लीक हुआ लुक वाकई में काफी दिलचस्प और अलग नजर आ रहा है। पगड़ी, सूट, और चेहरे पर चोट के निशान उनके किरदार की गहराई और गंभीरता को बयां करते हैं। साथ ही, लंबे बाल और दाढ़ी-मूंछ उनके लुक को और प्रभावशाली बना रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह फिल्म उनके करियर में एक नया मोड़ ला सकती है। ये फिल्म इसी साल रिलीज हो सकती है और रणवीर और उनके फैंस के लिए बेहद रोमांचक समय होगा। फिल्म में आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, और अर्जुन रामपाल जैसे दिग्गज अभिनेताओं की मौजूदगी इसे और भी खास बनाती है। इन शानदार कलाकारों का संगम स्क्रीन पर देखने लायक होगा।

हेमा मालिनी ने नवी मुंबई के इस्कॉन मंदिर की तस्वीरें साझा कर कहा, कुछ खूबसूरत होने वाला है

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई,। हिन्दी फिल्मों की दिग्गज अभिनेत्री और मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हेमा मालिनी हाल ही में नवी मुंबई के खारघर इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर गईं। गुरुवार को हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से इस्कॉन मंदिर परिसर से अपनी कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने एक लंबा नोट भी लिखा और बताया कि मंदिर का उद्घाटन 15 जनवरी, 2025 को होगा। उन्होंने लिखा,नवी मुंबई के खारघर में कुछ खूबसूरत होने वाला है। यह मेरे दिल के बहुत करीब है।इस्कॉन ने एक बेहद खूबसूरत मंदिर बनाया है, जहां मुख्य देवता राधा मदनमोहन हैं। उन्होंने आगे बताया,यह सब सूरदास प्रभु जी और इतने सारे भक्तों और कारीगरों की अथक मेहनत का नतीजा है, जिन्होंने इस मंदिर को हकीकत बनाने के लिए 10 साल तक कड़ी मेहनत की है। मैं नए साल के दिन खारघर में प्रणाम करने गई और मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हुई। मंदिर का उद्घाटन 15 जनवरी, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इससे पहले हेमा मालिनी ने स्वच्छता अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली में हिस्सा लिया था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर रैली की कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, वृंदावन के परिक्रमा मार्ग पर, स्वच्छता अभियान के महत्व के बारे मंभ जन जागरूकता पैदा करने के लिए महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा आयोजित रैली में 200 बच्चों ने भाग लिया। हेमा मालिनी ने लगातार तीसरी बार मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव जीता है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों में अभिनेत्री ने आसानी से जीत हासिल की थी। अभिनेत्री ने वेम्पति चिन्ना सत्यम के साथ कुचिपुड़ी और कलामंडलम गुरु गोपालकृष्णन के साथ मोहिनीअट्टम का अध्ययन किया। उन्होंने तुलसीदास के रामचरितमानस में नरसिंह और राम सहित कई नृत्य भूमिकाएं निभाई हैं। दिग्गज अभिनेत्री को 2000 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, जो भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है।

बंगाली निर्देशक अरुण रॉय का 56 साल की उम्र में निधन, फेफड़ों में थी दिक्कत

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई,। मशहूर बंगाली निर्देशक अरुण रॉय का गुरुवार को 56 साल की उम्र में फेफड़ों में गंभीर संक्रमण के कारण निधन हो गया। रॉय एक साल से कैंसर से जूझ रहे थे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने उनकी मौत की पुष्टि की। अरुण रॉय, जिनका असली नाम अरुणव रायचौधरी है। हाल ही में बिगड़ती सेहत की वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुरूआत में उन्हें आईसीयू में रखा गया था और फिर उन्हें BiPAP सिस्टम की मदद से रखा गया था, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनकी हालत और बिगड़ जा रही थी, जिसके वजह से उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया था। काफी समय से चल रहा था इलाज आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। दिवंगत निर्देशक का इलाज कर रहे डॉ. किंजल नंदा ने उनकी मृत्यु की पुष्टि की। उन्होंने फेसबुक पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी शेयर की, जिसमें लिखा, मेरे हीरालाल, शांति से रहो, बिल्कुल असली हीरालाल की तरह। डॉ. नंदा ने बताया कि अरुण रॉय को गुरुवार दोपहर 1 बजे उनके हरिदेवपुर स्थित घर पर ले जाया जाएगा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को टेक्नीशियन स्टूडियो में रखा जाएगा, ताकि प्रशंसक और सहकर्मी उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। कब पता चला था कि अरुण को कैंसर था 2023 की बाघा जतिन क्रांतिकारी जतिंद्रनाथ मुखर्जी के जीवन पर आधारित इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें एसोफैजियल कैंसर का पता चला था। फिल्म इंडस्ट्री में कैसे मिली पहचान अरुण रॉय को बंगाली सिनेमा में उनके बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपनी पहली फिल्म हीरालाल के जरिए बड़ी पहचान बनाई थी, जिसमें किंजल नंदा अहम किरदार में दिखाई दिए थे। इस फिल्म की सफलता के बाद, अरुण को सिनेमा की दुनिया में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त हुआ। अरुण रॉय को उनकी पहली ही फिल्म हीरालाल से काफी प्रसिद्धि मिली थी। इसके अलावा 2023 में बाघा जतिन क्रांतिकारी जतिंद्रनाथ मुखर्जी के जीवन पर आधारित फिल्म बनाई, जिसका किरदार देव ने निभाया था। इस फिल्म को आलोचकों और दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

सोनू सूद की फिल्म फतेह 10 को होगी रिलीज

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई,। बालीवुड की फिल्म फतेह 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में जारी किया गया था, जिसमें सोनू सूद एक्शन मोड में नजर आए थे। फिल्म के तीन गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है। अब फिल्म की जो चीज सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह है फतेह का हाईटेक विलेन। हालांकि, अब तक इस विलेन का किरदार निभाने वाले अभिनेता का नाम रहस्य बना हुआ था, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि फिल्म में सोनू सूद के सामने जो विलेन खड़ा है, उसका नाम सूरज जुमानी है। सोशल मीडिया पर फिल्म का एक पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें सोनू सूद, सूरज जुमानी को हथौड़ी से घसीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह पोस्टर दर्शकों को फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन और विलेन की ताकत का संकेत दे रहा है। सूरज जुमानी इस फिल्म में एक साइबर फ्रॉड के किरदार में नजर आएंगे, जो सोनू सूद के खुफिया एजेंट वाले किरदार को जबरदस्त चुनौती देगा। सूरज जुमानी चेन्नई के रहने वाले हैं और एमबीए करने के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इससे पहले वह आई लव दुबई, आई लव दुबई 2.0 और काली तेरी जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। अब, फतेह में वह एक हाईटेक क्रिमिनल के रूप में दर्शकों को दहशत में डालने के लिए तैयार हैं। फिल्म में सोनू सूद के साथ विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। जैकलीन फर्नांडीस सोनू सूद के अपोजिट फिल्म में नजर आएंगी, और सोनू सूद इस फिल्म में एक खुफिया एजेंट का रोल निभा रहे हैं। कहानी एक पंजाब के गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो साइबर क्राइम सिंडिकेट का शिकार हो जाती है, और फिर सोनू सूद, खुशी (जैकलीन फर्नांडीस) के साथ मिलकर इन विलेन से मुकाबला करते हैं।

ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला रुबीना दिलैक का

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नई तस्वीरों की सीरीज साझा की। इसमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला। शेयर की गई इन तस्वीरों में रुबीना ने ग्रीन कलर का फिशकट गाउन पहना है, जो न केवल आकर्षक बल्कि बेहद स्टाइलिश भी है। गाउन के फ्रंट हिस्से में नेट डिजाइन है, जो उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है। इस लुक में रुबीना किसी मोरनी की तरह नजर आ रही हैं, और उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। रुबीना ने इस लुक को और भी शानदार बनाने के लिए अपने बालों को मैसी बन में बांधा है और ग्लोसी मेकअप के साथ रेड कलर की ज्वैलरी पहनी है। उनका यह ग्लैमरस अवतार सोशल मीडिया पर एक ट्रेंड बन चुका है और उनके फॉलोअर्स इसे खूब पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रुबीना ने जीवन के बारे में अपनी सोच भी जाहिर की। उन्होंने लिखा, हम चाहे जितना भी पीछा करें, पीछे भागें या उसे कसकर पकड़ने की कोशिश करें, भगवान के पास हमेशा हमारे लिए बड़ी योजनाएं होती हैं। यह शाम मेरे लिए उनकी योजनाओं में से एक थी। प्रक्रिया पर भरोसा रखें और जाने दें। इस कैप्शन के जरिए उन्होंने अपने फैंस को आत्मविश्वास और सकारात्मकता का संदेश दिया है। रुबीना दिलैक की पर्सनल लाइफ भी चर्चा में रहती है। पिछले साल, वह जुड़वा बेटियों की मां बनीं और अपनी मातृत्व की खुशियों को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर करती हैं। उनका करियर टीवी शो छोटी बहू से शुरू हुआ था, जो उन्हें घर-घर में पहचान दिलाने में मददगार साबित हुआ। इसके बाद उनका शो शक्ति भी सुपरहिट रहा। रुबीना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, और उनकी तस्वीरें एवं पोस्ट्स उनके फैंस को नई प्रेरणा देती हैं।

प्रीति झंगियानी ने फिल्म मोहब्बतें के सेट पर शाहरुख खान को गानों के डांस स्टेप्स सिखाए थे

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति झंगियानी इंडियन आइडल 15 के मांच पर बताया है कि उन्होंने फिल्म मोहब्बतें के सेट पर शाहरुख खान को गानों के डांस स्टेप्स सिखाए थे। इस वीकेंड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर बहुचर्चित सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल सीजन 15 एक विशेष उत्सव के साथ नए साल का स्वागत करेगा, जिसमें संगीत उद्योग की दिग्गज हस्तियाँ शामिल होंगी। इनमे ललित पंडित, अभिजीत भट्टाचार्य, साधना सरगम, साथ ही अभिजीत भट्टाचार्य की पत्नी सुमति भट्टाचार्य और सदाबहार अभिनेत्री प्रीति झंगियानी, जो ह्यमोहब्बतेंह्ण में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं, शामिल हैं।इस एपिसोड में ऑल टाइम ग्रेट लव सॉन्ग्स की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रतियोगी रोमांटिक माहौल बनाएंगे और जज श्रेया घोषाल और विशाल ददलानी के साथ महान प्रेम गीतों की प्रस्तुति देंगे। इस एपिसोड का मुख्य आकर्षण ललित जी की यह घोषणा होगी कि वह इंडियन आइडल के प्रतियोगियों के आगामी गीत के लिए एक नई महिला आवाज खोजना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ह्लयह एक बहुत ही सुंदर गीत है; मैं आज एक नई आवाज खोजना पसंद करूँगा,ह्व जिसने महिला प्रतियोगियों के बीच प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया। एक और खास पल तब आया जब रंजिनी उर्फ आइडल के मल्टीवर्स की रानी को आंखें खुली गाने के लिए सराहा गया। ललित जी ने उन्हें छोटा पैकेट, बड़ा धमाका कहा। रंजिनी ने खुलासा किया कि उन्हें मोहब्बतें के सभी गाने बहुत पसंद हैं और फिल्म की 25वीं सालगिरह के मौके पर रंजिनी ने अभिनेत्री प्रीति झंगियानी से पूछा कि क्या यह सच है कि उन्होंने शाहरुख खान को गानों के डांस स्टेप्स सिखाए थे। प्रीति ने जवाब दिया, वास्तव में, यह सच है क्योंकि हमने बहुत अच्छी तरह से रिहर्सल की थी। शाहरुख सर को वास्तव में बहुत रिहर्सल की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्हें सेट पर स्टेप्स दिखाए गए थे, इसलिए वे हमसे पूछते थे कि आगे क्या करना है। फिर हम उन्हें बताते थे कि अगले स्टेप्स क्या होंगे। यह रात अनिरुद्ध के लिए भी खास होगी, जिन्हें आइडल के सुर-स्वरम के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने बताया कि वे साधना सरगम के प्रशंसक हैं, उन्होंने कहा, मैम, यह एक फैनबॉय मोमेंट है! चूंकि मैं साउथ से हूं, इसलिए मैंने हैरी सर के साथ आपके कई गाने सुने हैं, और उदया उदया मेरा पसंदीदा है। अनिरुद्ध ने फिर गाने की दो लाइनें गाईं, और इस गाने के लिए अपने प्यार का इजहार किया। आइडल की ज़िद्दी गर्ल - मिस्मी के मेरे हाथ में गाने को सुनने के बाद ललित जी ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, बहुत अच्छा गाया आपने। उन्होंने जतिन जी से अलग होने से पहले के आखिरी एल्बम फना पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, यह जतिन-ललित का आखिरी एल्बम है। इसी फि ल्म के दौरान हमारा अलगाव हुआ था। जतिन और मैं बहुत परेशान थे। जब से यह ब्रांड टूट रहा था, मेरे दिल में एक ही विचार था - कि हमें ऐसा संगीत बनाना चाहिए जिससे लोग हमें याद रखें। मैंने चाँद सिफारिश और देखो ना गाने बनाए, और जतिन थोड़ा अलग-थलग हो गया था। लेकिन मैंने उन्हें मिक्स करने में महीनों बिताए। हम जिस दर्द से गुजर रहे थे, वह इस गाने में झलकता है। आइडल की क्लासिकल क्वीन - मयूरी की दीवानी मस्तानी की अविश्वसनीय प्रस्तुति ने भी ललित जी को संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने कहा,मुझे संजय जी के साथ काम करने का भी अवसर मिला। यह बहुत मजेदार था। लेकिन उस समय, वह कुछ बना नहीं रहे थे; वह निर्देशन कर रहे थे, इसलिए हमारी बातचीत थोड़ी अलग थी।

अमिताभ बच्चन ने कजरा रे में दिया जुगलबंदी का आइडिया, शंकर महादेवन ने तुरंत लिख दी लाइनें

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । अमिताभ बच्चन सिनेमा के सबसे चर्चित सितारों में से एक हैं। अमिताभ बच्चन को अभिनय के साथ गाना गाने में भी दिलचस्पी रखते हैं। शंकर महादेवन ने अमिताभ बच्चन को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि कजरा रे गाने में जो जुगलबंदी हुई, उसमें अमिताभ बच्चन का खास रोल था। द न्यू इंडियन के साथ बातचीत में, शंकर महादेवन ने बताया,बच्चन सर स्टूडियो आया करते थे, हमारे साथ बैठते थे। हमारे साथ मस्ती मजाक भी करते थे। कजरा रे गान में ह्यधिन धिनक धिन. भी उन्ही का आइडिया था। बातों में जुगल बंदी वाला आइडिया भी उन्ही से आया था। ये गाना मेरा चैन वैन सब उजड़ा से शुरू हो रहा था। उन्होंने कहा कि इससे पहले कुछ जुगलबंदी लेते हैं। मैंने ये पांच मिनट में ही कर दिया। इससे वे बहुत खुश हो गए थे। शंकर महादेवन ने बताया कि उन्होंने गाने के डमी वर्जन को तैयार किया। वे चाहते थे कि इस गाने को कोई और अभिनेता गाए। इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा, तुम किसे फोन करने जा रहे हो? मैंने कहा, और भी गायक आएंगे और इस गाने को गाएंगे। उन्होंने कहा, उसको हाथ लगाओगे तो मैं तुम्हें मार डालूंगा। ये गाना तुम्हारी आवाज में होना चाहिए। मुझे तुम्हारी आवाज बहुत पसंद है। गुलजार द्वारा लिखे गए इस कजरा रे गाने को अलीशा, शंकर और जावेद अली ने गाया है और ऐश्वर्या राय, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन पर फिल्माया गया है, जिसकी कोरियोग्राफी वैभवी मर्चेंट ने की है। फिल्म में शंकर की आवाज अमिताभ पर फिल्माई गई है और जावेद की आवाज अभिषेक ने लिप-सिंक की है।

संक्षिप्त खबरें

अशोक लेलैंड की कुल बिक्री दिसंबर में पांच प्रतिशत बढ़कर 16,957 इकाई

नई दिल्ली,। वाणिज्यिक वाहन विनिमार्ता अशोक लेलैंड की दिसंबर 2024 में कुल बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 16,957 इकाई हो गयी। दिसंबर 2023 में उसने 16,154 वाहन बेचे थे। अशोक लेलैंड ने बयान में कहा, घरेलू बिक्री दिसंबर 2023 की 15,153 इकाई से चार प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 15,713 इकाई हो गई। बयान के अनुसार, घरेलू बाजार में मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 10,488 इकाई हो गई। दिसंबर 2023 में यह 9,932 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा, पिछले महीने घरेलू बाजार में हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 5,225 इकाई पर स्थिर रही, जो दिसंबर 2023 में 5,221 इकाई थी।

रॉयल एनफील्ड की दिसंबर में बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 79,466 इकाई

नई दिल्ली,। रॉयल एनफील्ड की दिसंबर, 2024 में कुल बिक्री 25 प्रतिशत बढ़कर 79,466 इकाई हो गई। दिसंबर, 2023 में कंपनी ने 63,387 वाहन बेचे थे। रॉयल एनफील्ड ने बयान में कहा कि उसकी घरेलू बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 67,891 इकाई हो गई, जो दिसंबर, 2023 में 57,291 इकाई थी। इसी तरह निर्यात भी पिछले महीने 90 प्रतिशत बढ़कर 11,575 इकाई हो गया, जबकि दिसंबर, 2023 में यह 6,096 इकाई था। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. गोविंदराजन ने कहा, 2025 मेंह्व.हम अपनी वृद्धि गति को बनाए रखने और दुनियाभर में अपने ग्राहकों को ह्यप्योर मोटरसाइकिलिंगह्ल पहल से प्रेरित करना जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

वारी एनर्जीज को 150 मेगावाट सोलर मॉड्यूल का ठेका मिला

नई दिल्ली,। वारी एनर्जीज को भारत में एक प्रमुख नवीकरणीय परियोजना के लिए 150 मेगावाट क्षमता के सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, इस ठेके में वारी के प्रमुख उच्च दक्षता वाले ग्लास एन-टाइप टॉपकॉन बाइफेसियल मॉड्यूल की आपूर्ति शामिल है, जिसकी रेटिंग 585/590डब्ल्यूपी है। इन मॉड्यूल को उनके स्थायित्व, असाधारण ऊर्जा उत्पादन और उन्नत प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है। मॉड्यूल की आपूर्ति अगले वित्त वर्ष 2025-26 में की जानी है। इस परियोजना के कार्यान्वयन से भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी, जिससे ह्यग्रीनहाउस गैसह्ल उत्सर्जन में कमी आएगी और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

टीवीएस मोटर कंपनी की दिसंबर में कुल बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 3,21,687 इकाई

नई दिल्ली,। टीवीएस मोटर कंपनी की दिसंबर, 2024 में कुल बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 3,21,687 इकाई हो गई। दिसंबर, 2023 में कंपनी ने 3,01,898 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा, पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 3,12,002 इकाई हो गई, जबकि दिसंबर, 2023 में यह 2,90,064 इकाई थी। घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री दिसंबर, 2024 में मामूली रूप से बढ़कर 2,15,075 इकाई हो गई, जो दिसंबर, 2023 में 2,14,988 इकाई थी। कंपनी के अनुसार, पिछले महीने उसकी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 79 प्रतिशत बढ़कर 20,171 इकाई हो गई, जबकि दिसंबर, 2023 में यह 11,288 इकाई थी। दिसंबर, 2023 के 11,834 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री कम होकर 9,685 इकाई रह गई। बयान में कहा गया, पिछले महीने निर्यात 22 प्रतिशत बढ़कर 1,04,393 इकाई हो गया, जो पिछले साल समान महीने में 85,391 इकाई था।

नैसकॉम फाउंडेशन ने ज्योति शर्मा को नियुक्त किया सीईओ

नई दिल्ली,। नैसकॉम फाउंडेशन ने ज्योति शर्मा को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। उन्होंने तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभाल लिया है। कंपनी बयान के अनुसार, निधि भसीन का स्थान लेने वाली शर्मा के पास सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ाने और कार्यक्रम विकास, संसाधन जुटाने और हितधारक जुड़ाव में अग्रणी भूमिका निभाने का 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है। नासकॉम फाउंडेशन के चेयरमैन रोस्टोव रावनन ने कहा, ह्यह्यउनका दूरदर्शी नेतृत्व तथा गहन विशेषज्ञता हमारे प्रमुख कार्यक्रमों के जरिये ।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली,। घरेलू सरार्फा बाजार में आज सोना महंगा हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आज 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सरार्फा बाजार में इसकी कीमत 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सरार्फा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है।

शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई । बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव भी बना, लेकिन थोड़ी ही देर में खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.50 प्रतिशत और निफ्टी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, ओएनजीसी, इंफोसिस और कोटक महिंद्रा के शेयर 3.11 प्रतिशत से लेकर 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर सन फार्मास्युटिकल्स, ब्रिटानिया, एनटीपीसी, अडाणी एंटरप्राइजेज और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 0.88 प्रतिशत से लेकर 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,360 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,566 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 794 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 7 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 150.11 अंक उछल कर 78,657.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक गिर कर 78,542.37 अंक तक पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इस सूचकांक में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 78,936.65 अंक तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 394.67 अंक की मजबूती के साथ 78,902.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 40.10 अंक की तेजी के साथ 23,783 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव के कारण इस सूचकांक में भी मामूली गिरावट आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 105.80 अंक की बढ़त के साथ 23,848.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 368.40 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,507.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 98.10 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,742.90 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

अशोक लेलैंड की बिक्री दिसंबर में पांच प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली,। वाणिज्यिक वाहन विनिमार्ता अशोक लेलैंड की दिसंबर 2024 में कुल बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 16,957 इकाई हो गई। दिसंबर 2023 में उसने 16,154 वाहन बेचे थे। अशोक लेलैंड ने कहा, घरेलू बिक्री दिसंबर 2023 की 15,153 इकाई से चार प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 15,713 इकाई हो गई। कंपनी के बयान अनुसार घरेलू बाजार में मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 10,488 इकाई हो गई। दिसंबर 2023 में यह 9,932 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा पिछले महीने घरेलू बाजार में हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 5,225 इकाई पर स्थिर रही, जो दिसंबर 2023 में 5,221 इकाई थी।

हो जाए तैयार साल 2025 में बंपर कमाई कराएगा शेयर बाजार

मुंबई,। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और लगातार इंफास्ट्रक्कर विकास के कारण 2025 में भी शेयर बाजार में तेजी रहेगी। यह बयान सोमवार को बाजार जानकारों के द्वारा दिया गया। बाजार जानकार ने कहा कि कैपिटल गुड्स, टेक्नोलॉजी, वित्तीय सेवाएं, उपभोग और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में तेजी आने की उम्मीद है, जबकि सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक और मैन्युफैक्करिंग, रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे उभरते क्षेत्र निवेशकों का अधिक ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। 2024 भारतीय शेयर बाजार के लिए एक उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। इसकी वजह अर्थव्यवस्था का धीमा होना, तरलता की सख्त स्थिति और सरकारी खर्च में देरी होना था। हाल ही में आरबीआई द्वारा सीआरआर में कटौती से तरलता की स्थिति में नरमी आने की उम्मीद है। साथ ही सरकारी खर्च में भी बढ़ोतरी हुई है। इन दो कारकों के कारण इंडस्ट्रियल आउटपुट और उपभोग में सुधार होने की संभावना है। अक्टूबर 2024 तक सरकार का पूंजीगत व्यय 4,66,545 करोड़ रुपये रहा। इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में केंद्र द्वारा निवेश बढ़ाने से इंफ्रास्ट्रक्कर, रक्षा और रेलवे जैसे क्षेत्रों में सुधार देखने को मिल सकता है। जानकार ने बताया कि शहरी खपत में धीमापन होने के कारण एफएमसीजी सेक्टर पर नकारात्मक असर हुआ है, लेकिन अब इसमें रिकवरी होती दिख रही है। इसकी वजह सरकारी खर्च में सुधार होना और वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। वहीं एक रिसर्च टीम ने कहा कि 2024 भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए एक उल्लेखनीय साल रहा है, खासकर स्मॉलकैप और मिडकैप सूचकांकों के लिए, जिन्होंने उल्लेखनीय रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है। टीम ने कहा कि 2025 में भी स्मॉलकैप और मिडकैप का प्रदर्शन अच्छा रह सकता है। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स, जिसने हाल ही में एक मल्टी-ईयर रुकावट के स्तर का ब्रेकआउट दिया है 22,700 के स्तर तक जा सकता है। वहीं, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 67,700 के स्तर को छू सकता है।

रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ 85.75 डॉलर पर

●रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85 .64 पर बंद हुआ था

प्रात: किरण/एजेंसी

मुंबई,।डॉलर सूचकांक और अमेरिका के 10 वर्ष के बॉण्ड प्रतिफल में उल्लेखनीय तेजी की वजह से रुपया गुरुवार को शुरूआती कारोबार में 11 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर खुला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि 2024 में अधिकतर मुद्राओं के मुकाबले डॉलर ने बढ़त दर्ज की और इस वर्ष भी यह मजबूत स्थिति में बना रहेगा। इसके अलावा लगातार विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को और भी प्रभावित किया। वहीं वैश्विक बाजारों में भी कम कारोबार की आशंका है, क्योंकि ब्रिटेन तथा यूरोप जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में छुट्टियां का समय चल रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.69 पर खुला। फिर फिसलकर 85.75 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट दशार्ता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.64 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.48 पर रहा। अमेरिकी डॉलर सूचकांक अच्छा प्रदर्शन करते हुए पिछले कुछ सत्रों से 108 अंक के आसपास मजबूत बना हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में नए साल के मौके पर छुट्टी होने की वजह से कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में भी आज कमजोरी नजर आ रही है। नए साल की छुट्टी के कारण पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में कोई कारोबार नहीं हुआ, जिसकी वजह से डाउ जॉन्स, एसएंडपी 500 और नैस्डेक में कोई बदलाव नहीं हुआ। दूसरी ओर छुट्टी के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में आज बढ़त के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल ये सूचकांक 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,618.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर कमजोरी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में हैं। वहीं टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में आज कोई कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,928 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,124.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,783.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.35 प्रतिशत फिसल कर 2,391.09 अंक तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 294.69 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,765.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.16 प्रतिशत टूट कर 1,383.93 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.05 प्रतिशत फिसल कर 3,316.50 अंक के स्तर पर और ताइवान वेटेड इंडेक्स 235.45 अंक यानी 1.02 प्रतिशत लुढ़क कर 22,799.65 अंक के स्तर तक गिर गए हैं।

भारत का कोयला उत्पादन दिसंबर 2024 में बढ़कर 97.94 मिलियन टन , 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली,। कोयला मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत का कुल कोयला उत्पादन दिसंबर 2024 के दौरान 5.33 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए 97.94 मिलियन टन (एमटी) पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 92.98 एमटी था। कैप्टिव और दूसरी खदानों ने 18.95 एमटी उत्पादन किया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 14.62 एमटी की तुलना में 29.61 प्रतिशत की शानदार वृद्धि को दशार्ता है। बयान में कहा गया है कि 24 दिसंबर तक क्यूमलेटिव कोयला उत्पादन में भी शानदार वृद्धि देखी गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 726.29 एमटी तक पहुंच गया, जबकि यह वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के दौरान 684.45 एमटी था, जो 6.11 की वृद्धि दशार्ता है। कोयला डिस्पैच के मामले में, 24 दिसंबर के आंकड़े बढ़कर 92.59 मीट्रिक टन हो गए, जबकि दिसंबर 2023 में यह 87.06 मीट्रिक टन था, जो 6.36 प्रतिशत की वृद्धि दर है। कैप्टिव और दूसरे खदानों से डिस्पैच 18.13 मीट्रिक टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 31.83 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, दिसंबर 2024 तक क्यूमलेटिव कोयला डिस्पैच वित्त वर्ष 2024-25 में 750.75 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 711.07 मीट्रिक टन था, जो 5.58 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दशार्ता है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह उत्पादन बढ़ाने और देश की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से काम कर रहा है। कोयला उत्पादन और डिस्पैच में लगातार वृद्धि से कोयले में आत्मनिर्भरता हासिल करने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने में मदद मिलेगी। घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान भारत का कोयला आयात 3.1 प्रतिशत घटकर 149.39 मिलियन टन (एमटी) रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 154.17 मीट्रिक टन था। कोयला मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि अप्रैल 2024 से अक्टूबर 2024 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.87 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई है, लेकिन इसी अवधि के दौरान थर्मल पावर प्लांट द्वारा मिश्रण उद्देश्यों के लिए आयात में 19.5 प्रतिशत की कमी आई है।

एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया ने मोबाइल दरें 11-25 प्रतिशत बढ़ाई

प्रात: किरण/एजेंसी

मुंबई,। दूरसंचार कंपनियों का कुल राजस्व सालाना आधार पर सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 91,426 करोड़ रुपये रहा है। यह वह अवधि है, जब मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने शुल्क दरें बढ़ाई थीं। दूरसंचार नियामक ट्राई की एक रिपोर्ट मंय यह कहा गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में संकेत देने वाली तिमाही रिपोर्ट के अनुसार, समायोजित सकल राजस्व 13.11 प्रतिशत बढ़कर 75,310 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 66,583 करोड़ रुपये था। समायोजित सकल राजस्व पर सरकार अपने शुल्क की गणना करती है। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया ने अपनी मोबाइल सेवाओं की दरों में 11-25 प्रतिशत की वृद्धि की है। शुल्क दर में वृद्धि के बाद कंपनियों ने प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) में वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, इससे कंपनियों ने ग्राहक भी गंवाये। रिपोर्ट के मुताबिक, मोबाइल सेवाओं के लिए मासिक एपीआरयू सितंबर तिमाही में 9.60 प्रतिशत बढ़कर 172.57 रुपये हो गया, जो जून तिमाही में 157.45 रुपये था। वहीं सितंबर तिमाही में प्री-पेड कनेक्शन के लिए एआरपीयू सितंबर तिमाही में 171 रुपये और पोस्ट-पेड सेगमेंट में 190.67 रुपये था। मोबाइल ग्राहकों की संख्या तिमाही आधार पर जुलाई-सितंबर, 2024 में 1.68 करोड़ घटकर 115.37 करोड़ रही, जो जून तिमाही में 117 करोड़ थी। सार्वजनिक क्षेत्र की और कर्ज में डूबी एमटीएनएल का राजस्व तिमाही के दौरान 9.41 प्रतिशत घटकर 152.81 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 168.69 करोड़ रुपये था।

महाकुंभ पहुंचने वाले लोगों के लिए आईआरसीटीसी ने बनाई खास टेंट सिटी

सुपर डीलक्स टेंट का एक दिन रात का किराया 18000 रुपए, विला का 20000 रुपए

प्रात: किरण/एजेंसी

प्रयागराज, ।प्रयागराज में महाकुंभ पहुंचने वाले लाखों लोगों के लिए आईआरसीटीसी की ओर से खास टेंट सिटी बनाई गई है जहां अलग अलग सुविधाओं वाले टेंट में ठहरने की व्यवस्था की गई। टेंट सिटी में आपको सारी सुविधाएं मिलेंगी। महाकुंभ में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत और उनके ठहरने के लिए आईआरसीटीसी ने शानदार टेंट सिटी बनाई है। जिसमें कई तरह की सुविधाओं वाले लग्जरी टेंट भी तैयार किए गए हैं। आप इन टेंट की बुकिंग करा सकते हैं और इस ऐतिहासिक और यादगार समारोह के साक्षी बन सकते हैं। टेंट सिटी को प्रयागराज के नैनी में सेक्टर 25 अरैल रोड पर स्थापित किया गया है। टेंट सिटी त्रिवेणी संगम से करीब 3.5 किलोमीटर दूर है। आईआरसीटीसी की ओर से टेंट सिटी में सुपर डीलक्स टेंट हाउस हैं और विला टेंट हाउस भी हैं। इन टेंट में रुकने वालों को बाथरूम में चौबीस घंटे गर्म पानी की सुविधा दी गई है। टेंट को गर्म रखने के लिए रूम ब्लोअर मिलेंगे। टेंट में बेड लिनन, टॉबल और टॉयलेटरीज भी दी जाएंगी। टेंट के किराए में खाना भी शामिल है। विला टेंट में रहने वाले लोगों को अलग से बैठने की एक आरामदायक जगह भी दी जाती है जहां वो बैठकर टीवी देख सकते हैं। टेंट में रुकने वालों के लिए टेंट सिटी में सीसीटीवी की सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा सुविधा, चौबीस घंटे आपातकालीन सहायता भी उपलब्ध है। सुपर डीलक्स टेंट का एक दिन रात का किराया 18000 रुपए, विला के लिए 24 घंटे का किराया 20000 रखा गया है। शाही स्नान के अलावा अन्य दिनों में बुकिंग कराने पर आपको 10 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा। आप आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर कुंभ ग्राम टेंट सिटी की बुकिंग अपने हिसाब से करा सकते हैं। आईआरसीटीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसका अलग से प्रचार किया जा रहा है।

विराट कोहली के पास अपने पुराने तेवर दिखाने का आखिरी मौका

प्रात: किरण,/ एजेसी

सिडनी,। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का शुक्रवार से सिडनी में शुरू होने वाला पांचवां और आखिरी टेस्ट स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लिए अपने पुराने तेवर दिखाने का आखिरी मौका होगा। अब तक सुपर फ्लॉप रहे कोहली को सिडनी में बड़ा स्कोर बनाकर दिखाना होगा कि उनमें अभी दमखम बाकी है। पहले ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में दो विराट कोहली हिस्सा ले रहे हैं और इसमें गलती खुद उनकी ही है। छह वर्ष पहले जब वह यहां आए थे तब उन्होंने एक ऐसा शतक लगाया था जिसे घर के बाहर किसी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सबसे बेहतरीन शतक की संज्ञा दी जा सकती है। 2018 में पर्थ में खेली गई उनकी पारी यह विश्वास दिलाने के लिए पर्याप्त थी कि जब तक वह क्रीज पर हैं, तब कुछ भी संभव है। यहां तक कि 2024 की शुरूआत भी उनके लिए काफी बेहतर हुई थी। कोहली ने ऐसी पिच पर 46 रन बनाए थे जहां दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम

55 पर सिमट गई थी। कोहली के सामने जितनी ही बड़ी चुनौती आई वह उतनी ही रफ़्तार के साथ उससे पार पाने में सफल रहे। हर टीम को ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है। मौजूदा दौरे पर कोहली सभी छह बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को छेड़ने के दौरान आउट हुए हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, अब समय आ गया है जब उन्हें ना सिर्फ. रन बनाने होंगे बल्कि इस समस्या से निकलने के लिए उन्हें आउट होने का कोई दूसरा तरीका भी ढूंढना होगा। मैंने अब तक ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा है जिसका टेस्ट क्रिकेट पर कोहली जितना इम्पैक्ट हो और उसके साथ यह कमजोरी हो। मुझे नहीं लगता कि किसी शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के साथ ऐसी कोई कमजोर कड़ी रही हो। हां ऐसा हो चुका है कि कई बार खिलाड़ी एक ही तरह से आउट हुए हैं लेकिन कोहली के संदर्भ में यह काफी समय से घटित हो रहा है। मांजरेकर ने मैच डे हिंदी में कहा,कोहली के पास एक विकल्प यह है कि वह बाहर की गेंदों को छोड़ें और जैसा कि उन्होंने (मेलबर्न टेस्ट) पहली पारी में किया भी। स्टीव स्मिथ अलग अलग तरह से अपनी समस्याएं कम करते हैं लेकिन कोहली के साथ यह काफी लंबे समय से घटित हो रहा है। उस खिलाड़ी जिसके हिस्से में कई बड़ी पारियां हैं उसका बार बार एक ही तरह की गलती दोहरना काफी दिलचस्प है। मेलबर्न में कोहली और सैम कॉन्स्टास के बीच हुई भिड़ंत भी चर्चा का केंद्र बनी रही, जहां 35 वर्षीय सुपरस्टार का एक 19 वर्षीय खिलाड़ी से उलझना काफी लोगों को अखर गया।

कुसल परेरा का शतक, श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को सात रनों से हराया

प्रात: किरण,/ एजेसी

नेल्सन (न्यूजीलैंड),।कुसल परेरा (101) की तूफानी शतकीय, चरित असलंका (तीन विकेट) और वानिंदु हसरंगा (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने गुरुवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया है। हालांकि न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीती। कुसल परेरा को उनकी तूफानी शतकीय पारी के लिए ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व से तथा सीरीज में आठ विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज जेकब डफी ह्यप्लेयर ऑफ द सीरीजह्व से नवाजा गया। श्रीलंका के 218 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टिम रॉबिंसन और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़े। आठवें ओवर में बी फर्नांडो ने टिम रॉबिंसन (37) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद चरित असलंका ने मार्क चैपमैन (नौ) और ग्लेन फिलिप्स (छह) को आउट कर न्यूजीलैंड को दो झटके दिये। 13वें ओवर में असलंका ने रचिन रविंद्र को बोल्ड कर श्रीलंका को चौथी सफलता दिलाई। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (69)रनों की पारी खेली। 16वें ओवर में हसरंगा ने मिचेल हे (आठ) को बोल्ड कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने माइकल ब्रेसवेल (एक) को भी अपना शिकार बना लिया। श्रीलंका के लिये सातवां महत्वपूर्ण विकेट नुवान तुषारा ने डैरिल मिचेल को आउट कर झटका। डैरिल मिचेल ने 17 गेंदों में एक चौका और चार छक्के लगाते हुए (35) रन बनाये। मिचेल सैंटनर (14) और जैकरी फॉक्स (21) रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की टीम निधारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 211 रन ही बना सकी और सात रन से मुकाबला हार गई। श्रीलंका की ओर से चरित असलंका ने तीन विकेट और वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिये। नुवान तुषारा और बी फर्नांडो ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपना पहला विकेट पथुम निसंका (14) के रूप में गवां दिया। उन्होंने मैट हेनरी ने विकेटकीपर मिचेल हे के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद पांचवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस को ब्रेसबेल के हाथों कैच आउट करा दिया। कुसल मेंडिस ने 16 गेंदों में (22) रन बनाये। श्रीलंका का तीसरा विकेट अविष्का फर्नांडो (17) के रूप में गिरा। उन्हें जैकब डफी ने पगबाधा आउट किया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कुसल परेरा इस दौरान एक छोर थामे खड़े रहे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान चरित असलंका ने कुसल परेरा के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिए 100 रनों की साझेदारी हुई। दोनों ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। 17वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने चरित असलंका को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। चरित असलंका ने 24 गेंदों में एक चौका पांच छक्के लगाते हुए (46) रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में डैरिल मिचेल ने कुसल परेरा को आउट किया। कुसल परेरा ने 46 गेंदों में 13 चौके और चार छक्कों की मदद से (101) रनों की शतकीय पारी खेली। यह टी-20 में उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है। इसके साथ उन्होंने टी-20 में अपने दो हजार भी पूरे किये। श्रीलंका ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 218 रनों का स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी, जेकब डफी, जैकरी फॉक्स, मिचेल सैंटनर और डैरिल मिचेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच गुरुवार को खेले गये तीसरे टी-20 मैच का स्कोर बोर्ड इस प्रकार है:-

श्रीलंका बल्लेबाजी.

बल्लेबाज..रन
पथुम निसंका कैच हे बोल्ड हेनरी 14
कुसल मेंडिस कैच ब्रेसवेल बोल्ड सैंटनर.........22
कुसल परेरा कैच रविंद्र बोल्ड मिचेल............101
अविष्का फर्नांडो पगबाधा डफी 17
चरित असलंका कैच फिलिप्स बोल्ड फॉक्स.....46
भानुका राजपक्षा नाबाद.............................06
चामिंदु विक्रमासिंघे नाबाद.........................06
अतिरिक्त...........................छह रन

कुल 20 ओवरों में पांच विकेट पर 218 रन

विकेट पतनः 1-24, 2-42, 3-83, 4-183, 5-207
न्यूजीलैंड गेंदबाजी..
गेंदबाज..........ओवर..मेडन..रन..विकेट
मैट हेनरी..........4.......0.....47....1
जेकब डफी........4.......0.....30....1
जैकरी फॉक्स......4.......0.....52....1
मिचेल सैंटनर.....3........0....36.....1
माइकल ब्रेसवेल..3........0....34....0
ग्लेन फिलिप्स.....1........0....12.....0
डैरिल मिचेल.......1.......0.....6......1

न्यूजीलैंड बल्लेबाजी..

बल्लेबाज..रन
टिम रॉबिंसन कैच सब. (के मेंडिस) बोल्ड बी फर्नांडो.......37
रचिन रविंद्र बोल्ड असलंका.......................................69
मार्क चैपमैन कैच निसंका बोल्ड असलंका......................09
ग्लेन फिलिप्स कैच निसंका बोल्ड असलंका....................06
डैरिल मिचेल कैच विक्रमासिंघे बोल्ड तुषारा....................35
मिचेल हे बोल्ड हसरंगा...08
माइकल ब्रेसवेल कैच असलंका बोल्ड हसरंगा..................01
मिचेल सैंटनर नाबाद..14
जैकरी फॉक्स नाबाद..21
अतिरिक्त.......................................11 रन
कुल 20 ओवरों में सात विकेट पर 211 रन
विकेट पतनः 1-81, 2-94, 3-112, 4-129, 5-168, 6-170, 7-170
श्रीलंका गेंदबाजी..
गेंदबाज................ओवर..मेडन..रन..विकेट
चामिंदु विक्रमासिंघे......1.......0....11....0
नुवान तुषारा..............4......0.....33...1
बिनुरा फर्नांडो............4......0.....43...1
महीश तीक्षणा............3......0.....33...0
वानिंदु हसरंगा ....4......0.....38...2
चरित असलंका...........4......0.....50...3

कमर में जकड़न के कारण आकाश दीप आखिरी टेस्ट से बाहर

सिडनी,। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप कमर में जकड़न के कारण शुक्रवार से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए। आकाश ने ब्रिसबेन और मेलबर्न में दो टेस्ट खेलकर पांच विकेट लिये हैं। वह बदकिस्मत रहे कि उनकी गेंदबाजी के दौरान दोनों मैचों में कैच छूटे। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ह्यह्यआकाश दीप कमर की तकलीफ के कारण बाहर है। गंभीर ने कहा कि अंतिम एकादश पिच को देखने के बाद तय की जायेगी। आकाश दीप ने दो टेस्ट में 87.5 ओवर फेंके और अधिक कार्यभार भी उनकी चोट का कारण हो सकता है। आस्ट्रेलियाई मैदानों पर तेज गेंदबाजों को घुटने, टखने और कमर के मसले आते हैं। आकाश दीप की जगह हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा खेल सकते हैं। भारत श्रृंखला में 1.2 से पीछे है और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी बरकरार रखने के लिये आखिरी टेस्ट हर हालत में जीतना है।

डबल्यूपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी लेग स्पिनर प्रेमा रावत

बेंगलुरु,। उत्तराखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाली लेग स्पिनर प्रेमा रावत महिला प्रीमियर लीग (डबल्यूपीएल) के लिए हुई मिनी नीलामी के बाद सभी की नजरों में आई हैं। प्रेमा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 1.20 करोड़ की बड़ी रकम देकर अपने साथ जोड़ा है। प्रेमा अपनी स्पिन गेंदबाजी के अलावा एक अच्छी फील्डर भी हैं। प्रेमा ने इसी साल हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। वह निचले प्रेमा लोअर ऑर्डर में शानदार बल्लेबाजी भी कर सकती हैं। आरसीबी के दल में आशा शोभना के रूप में पहले से ही एक शानदार लेग स्पिन गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी टीम ने प्रेमा रावत को अपने साथ नीलामी में शामिल किया है। इसका कारण कारण शोभना का पूरी तरह से फिट नहीं होना है। ऐसे में फ्रेंचाइजी किसी तरह का कोई खतरा मौल नहीं लेना चाह रही है। यही कारण है कि लेग स्पिनर के तौर पर प्रेमा को टीम के साथ जोड़ा गया है। पिछले सत्र में स्मृति मंधाना की कप्तानी में आरसीबी ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में प्रेमा के ऊपर बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदारी होगी। वहीं अगर आशा शोभना अगर पूरी तरह से फिट रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें इंतजार करना पड़ सकता है। प्रेमा ने अब तक सभी प्रारुपों को मिलाकर कुल 49 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजी में दमदार खेल दिखाते हुए 54 विकेट लिए जबकि बल्लेबाजी करते हुए 184 रन बनाए हैं।

आपकी तबीयत ठीक होने पर मुलाकात करेंगे, कपिल देव ने कांबली से कहा

मुंबई,। महान हरफनमौला कपिल देव ने भारत के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली से वादा किया है कि वह जल्दी ही उनसे मुलाकात करेंगे। कांबली को मूत्रमार्ग में संक्रमण की शिकायत पर 21 दिसंबर को ठाणे के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने बाद में कहा कि 52 वर्ष के कांबली के दिमाग में भी थक्का जम गया था। कांबली को बुधवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। आकृति अस्पताल के निदेशक शैलेष ठाकुर ने बताया कि अस्पताल में रहने के दौरान कांबली ने भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव को वीडियो कॉल भी किया जिन्होंने मदद की पेशकश की। वीडियो कॉल के दौरान कांबली ने कहा, हैलो कपिल पाजी। आप कैसे हो। कपिल ने इस पर कहा,मैं तुमसे मिलने आऊंगा। तुम अब ठीक लग रहे हो। दाढी भी रंग ली है। जल्दबाजी मत करो। कुछ दिन और अस्पताल में रहना पड़े तो रह जाओ। डॉक्टर से पूछ लो कि दो दिन और रूकने की जरूरत है क्या। जब ठीक हो जाओगे तो मैं तुमसे मिलूंगा।

सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 का ऐलान, मार्श बाहर

प्रात: किरण,/ एजेसी

सिडनी,। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से ऑलराउंडर मिचेल मार्श को बाहर कर दिया गया है और उनकी जगह बो वेबस्टर टेस्ट टीम में पर्दापण करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने गुरुवार को पांचवें टेस्ट मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिडनी में होने वाले पांचवें टेस्टस के लिए टीम में एक बदलाव किया गया है। ऑलराउंडर मिचेल मार्श की जगह बो वेबस्टुर टेस्ट टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि कमर दर्द से परेशान रहे मिचेल स्टाटर्क मैच खेलने के लिए फिट हैं। वेबस्टर ने पिछले कुछ सत्र में शेफील्ड शील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पिछले सीजन में वह 58.62 की औसत से 938 रन बनाकर शील्ड में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और 29.30 की औसत से 30 विकेट लिए। इस सीजन के चार मैचों में उन्होंने 50.50 की औसत से 303 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है और 96.5 ओवरों में 37.88 की औसत से नौ विकेट लिए हैं। उन्होंने तस्मेनिया के लिए डीन जोन्स ट्रॉफी के 50 ओवर के मैच में 17 रन देकर छह विकेट लिए थे और पहले चार दिवसीय मैच में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नाबाद अर्धशतक लगाया है और मेलबर्न में दूसरे मैच में दो बार तीन विकेट लिए हैं। कमिंस ने कहा, मिची ने जाहिर तौर पर इस सत्र में उतने रन नहीं बनाए हैं या शायद उतने विकेट नहीं लिए हैं, जितने वह लेना चाहते थे। इसलिए हमें लगा कि अब समय आ गया है कि हम तैयार हो जाएं और बो टीम के साथ हैं। वह शानदार रहे हैं। इसलिए यह मिची के लिए शर्म की बात है, क्योंकि हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितना कुछ लेकर आते हैं, लेकिन हमें लगता है कि बो के लिए अब अवसर मिलने का यह अच्छा सप्ताह है। उन्होंने कहा,वह पूरी तरह से समझदार था। मुझे लगता है कि उसके शब्द, हां, जरूरी नहीं कि वह अचंभित करने वाले हों। वह जानता है कि उसने रन नहीं बनाए हैं या विकेट नहीं लिए हैं जो वह चाहता था। इसलिए यह आपको कमजोर बनाता है। बो के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। उसने जो पहली बात कही, मैं बो को वहां जाकर अवसर देने का इंतजार नहीं कर सकता। पांचवें टेस्टब के लिए ऑस्ट्रेवलियाई एकादश : सैम कॉन्टा स, उस्मोन ख्औवाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीववन स्मिथ, ट्रैविस हेड, बो वेबस्ट र, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टावर्क, नेथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

भारत का चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये पाकिस्तान नहीं जाना दुर्भाग्यपूर्ण : वाटसन

प्रात: किरण,/ एजेसी

सिडनी, ।आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वाटसन ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये भारतीय टीम के पाकिस्तान नहीं जा पाने को ह्यदुर्भाग्यपूर्णह्व बताया लेकिन कहा कि इस आईसीसी टूनार्मेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार बल्लेबाजों को लंबे समय से चले आ रहे खराब फॉर्म से उबरने का मौका मिलेगा। आईसीसी ने चैम्पियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल में कराने पर मंजूरी जताई है जिसमें भारतीय टीम के सारे मैच दुबई में खेले जायेंगे। वाटसन ने यहां चैम्पियंस ट्रॉफी टूर के दौरान मीडिया से कहा,यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे हालात बने। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि भारत.पाकिस्तान मैचों का सभी को इंतजार रहता है। जब भी वे एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो यह खास होता है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये पाकिस्तान नहीं जा रही है लेकिन इसमें क्या किया जा सकता

है। वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो वनडे विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को पाटने के लिये अच्छा जरिया है। उन्होंने कहा,चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में महत्वपूर्ण टूनार्मेंट है क्योंकि वनडे विश्व कप चार साल में एक बार होता है। यह उस इंतजार को कम करता है। उन्होंने कहा,वनडे क्रिकेट को इस तरह की ऊर्जा देते रहना जरूरी है क्योंकि यह बेहतरीन प्रारूप है ।इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है। वाटसन ने कहा, हम वनडे क्रिकेट को कभी खोना नहीं चाहते लेकिन इसे प्रासंगिक बनाये रखना भी जरूरी है और इसलिये चैम्पियंस ट्रॉफी महत्वपूर्ण है। इसमें सिर्फ आठ टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है। आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर हो जायेंगे जैसे 2013 में आस्ट्रेलियाई टीम हुई थी। भारत ने 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी और विराट कोहली तथा रोहित शर्मा उस टीम का हिस्सा थे। दोनों इस समय खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं लेकिन वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मौजूदा खाब दौर वनडे क्रिकेट में विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा। दुबई में हालात अलग होंगे और वनडे में वे खुलकर खेल सकेंगे। कोहली तो वनडे क्रिकेट का बादशाह है। वैसे वह हर प्रारूप का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है लेकिन वनडे में उसकी बात ही अलग है। वाटसनने कहा, चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होगा जो हमने वनडे विश्व कप (2023) में देखा था।आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में वह उसे दोहरा नहीं सका लेकिन वनडे में वह खुलकर खेलेगा। ऐसे में हम रोहित शर्मा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देख सकेंगे।

मनु भाकर और गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को खेल रत्न

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली,। पेरिस ओलम्पिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास बनाने वाली युवा निशानेबाज मनु भाकर और सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश सहित चार खिलाडियों को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने गुरूवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की। पुरस्कार विजेताओं को 17 जनवरी, 2025 को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में भारत के राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त होंगे। मनु और गुकेश के अलावा ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को खेल रत्न प्रदान किया जाएगा। मनु ने न सिर्फ ओलंपिक 2024 के व्यक्तिगत मुकाबले में भारत का परचम लहराया बल्कि 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में मिली इस दोहरी कामयाबी ने उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। चेस प्लेयर डी गुकेश को भी खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। गुकेश ने पिछले महीने 12 दिसंबर को शतरंज की दुनिया का युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता था वो महज 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बने, जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

ड्रेसिंग रूम की बातचीत पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- ईमानदारी से कुछ शब्द कहे थे

प्रात: किरण,/ एजेसी

सिडनी,। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने भारतीय क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम में माहौल को लेकर आ रही रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम में अनबन की खबरों ने काफी विवाद खड़ा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बॉर्डर गावस्कर सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में 184 रनों की बड़ी हार के बाद गौतम गंभीर ने भारतीय खिलाड़ियों के प्रति अपना गुस्सा व्यक्त किया था और कहा था कि ह्यबहुत हो गया है, यह बात उन्होंने अपनी ड्रेसिंग रूम स्पीच में कही थी। इस तरह के माहौल को अच्छा नहीं बताया गया था। सिडनी टेस्ट से पहले गौतम गंभीर ने प्रेस कांफ्रेंस में बात करते हुए इस तरह की रिपोर्ट को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ये केवल रिपोर्ट है। यह सच नहीं है। मुझे नहीं लगता कि रिपोर्ट पर कोई जवाब देने की जरूरत है। जो कुछ कहा वह केवल ईमानदारी भरे कुछ शब्द थे, मैं आपको यही कह सकता हूं। ईमानदारी बहुत जरूरी है। अगर आप बड़ी चीजों को हासिल करना चाहते हैं तो ईमानदारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा,पहले टीम आती है। क्योंकि यह टीम गेम है और हर कोई यह समझता है। एक खिलाड़ी और कोच के बीच में बातचीत को उनके बीच तक ही सीमित रहना चाहिए। ऐसे ही ड्रेसिंग रूम में कोई बातचीत होती है तो उसको ड्रेसिंग रूम में ही रहने देना चाहिए। बता दें कि बुधवार को द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने कहा था कि कुछ खिलाड़ियों ने अपने स्वाभाविक खेल के नाम मनमाफिक शॉट्स खेले और हालातों पर कोई ध्यान नहीं दिया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा कि मैंने आपको पिछले छह महीनों में आपके हिसाब से खेलने की पूरी छूट दी, लेकिन अब यह उनको तय करना होगा कि खेल के लंबे फॉर्मेट में कैसे खेलना है। रिपोर्ट में यह तक दावा किया गया कि अगर कोई खिलाड़ी खेल से पहले गंभीर की रणनीति के अनुसार काम नहीं करना चाहता है तो उसको ह्यधन्यवादह्व कह दिया जाएगा। इसके अलावा गंभीर ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को फिर से टीम में शामिल करने की भी इच्छा जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

नया साल मनाने जम्मू कश्मीर पहुंचे तीन दोस्तों की संदिग्ध हालत में मौत; होटल के कमरे से मिली लाश

डोडा, एजेंसी। नए साल के मौके पर जम्मू कश्मीर पहुंचे तीन दोस्तों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने बताया है कि बुधवार शाम को जम्मू और कश्मीर के भद्रवाह में एक गेस्ट हाउस में तीनों युवक मृत अवस्था में पाए गए। तीनों नए साल का जश्न मनाने के लिए भद्रवाह आए थे। मृतकों की पहचान 39 साल के मुकेश सिंह, आशुतोष सिंह और सनी चौधरी के रूप में हुई है। तीनों युवक जम्मू के रहने वाले थे।

मामला तब सामने आया जब मृतकों में से एक युवक के परिवारवालों ने उसे कई बार फोन किया लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद परिवार वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।डोडा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप मेहता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया, हमें जम्मू से एक कॉल आया कि आशुतोष अपने दो दोस्तों के साथ भद्रवाह में नया साल मनाने आया था। वह फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा था। हमारी टीम ने उन्हें ट्रैक किया और उनका पता लगाया। वे एक होटल के कमरे में ठहरे थे।

पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि दरवाजा अंदर से बंद था। काफी कोशिशों के बाद जब टीम कमरे में घुसी तो उन्होंने तीनों लोगों को बेहोशी की हालत में पाया। उन्होंने कहा, एक फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और डॉक्टरों की टीम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसएसपी ने कहा कि उनकी मौत के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल जारी है। अधिकारी ने कहा, हम सभी एंगल की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक कारण दम घुटना प्रतीत होता है।

दिल्लीवालों को जल्द मिलेगा पॉल्यूशन फ्री सफर का तोहफा, यमुना पर रोप-वे विकसित करेगा डीडीए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी पर रोप-वे/केबल-वे विकसित करने की तैयारी शुरू की जाएगी. एलजी वीके सक्सेना ने डीडीए को इसके लिए जगहों का सर्वे करने और चिन्हित करने का निर्देश दिया है. इस परियोजना का मकसद वायु प्रदूषण को कम करना और लोगों को एक स्वच्छ और सुविधाजनक परिवहन विकल्प प्रदान करना है. उपराज्यपाल ने डीडीए को एक महीने में इसकी सर्वे रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं. बता दें कि केबल कारों के माध्यम से यात्रियों को यमुना के एक ओर से दूसरी तरफ ले जाया जाएगा. एलजी ने हाल ही में, प्रदूषण रहित सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का विकल्प तलाशने के लिए बैठक की अध्यक्षता की थी।

मुंबई-जयपुर में तैयार होते थे नकली हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट, पुलिस ने खोजा असली सरगना

गोरखपुर, एजेंसी। फर्जी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की जांच कर रही गोरखपुर पुलिस को बरगलाने वाले संजय गर्ग के मोबाइल फोन की मदद से पुलिस ने असली सरगना का नाम खोज लिया है। जांच में पता चला है कि जयपुर का मूल निवासी एक युवक ही गिरोह का सरगना है और वह मुंबई में भी रहता है। जयपुर और मुंबई से ही फर्जी नंबर प्लेट का धंधा पूरे देश में चलाया जा रहा है।

सरगना को बचाने के लिए संजय गर्ग ने गलत नाम बताया था। संजय के बताए नाम, पते पर पुलिस गई, तो सच्चाई सामने आ गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपित संजय के मोबाइल कॉल डिटेल और सर्विलांस की मदद से जांच को आगे बढ़ाया। खबर है कि सरगना की गिरफ्तारी के लिए अगले सप्ताह टीम मुंबई व जयपुर जाएगी। दरअसल, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट तैयार करने वाली असली कंपनी की शिकायत के बाद ही यह मामला सामने आया। लखनऊ की रोसमेर्टा सेफ्टी सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड को उत्तर प्रदेश में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बनाने का ठेका मिला है। कंपनी के पास गोरखपुर से फर्जी नंबर प्लेट की शिकायत आ रही थी। कंपनी के रीजनल हेड मो. सारिक ने कोतवाली थाने में 31 जुलाई को केस दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने अलीनगर की एक दुकान पर छापा मारकर रसूलपुर निवासी एहसान अली को गिरफ्तार किया।

फर्जी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की जांच कर रही गोरखपुर पुलिस को बरगलाने वाले संजय गर्ग के मोबाइल फोन की मदद से पुलिस ने असली सरगना का नाम खोज लिया है।

अजित और शरद पवार फिर एक साथ आएंगे !

मुंबई, एजेंसी। राजनीति में कुछ भी अकारण या अनायास नहीं होता। किसी के बयान के भी मायने होते हैं और उसके पीछे कई बाहर गहरी रणनीति भी छिपी होती है या फिर भविष्य के कुछ संकेत होते हैं। महाराष्ट्र की पवार फैमिली के बीच एक साल से ज्यादा वक्त तक चली वार के बाद अब सुलह को लेकर आ रहे बयानों के भी संकेत ही निकाले जा रहे हैं। डिप्टी सीएम अजित पवार की मां ने पहले एकता की बात कही और कहा कि वह चाहती हैं कि उनके बेटे और शरद पवार अब साथ मिलकर राजनीति करें। फिर बारी अजित खेमे के ही प्रफुल्ल पटेल की थी, जिन्होंने शरद पवार को लेकर यहां तक कह दिया कि वह तो हमारे लिए देवता जैसे हैं। उन्होंने कहा कि हम राजनीतिक मतभेदों के चलते अलग हुए, लेकिन हमारे दिलों में शरद पवार के लिए उतना ही सम्मान है, जो पहले था।

एक तरफ अजित पवार की मां आशा ताई का बयान और फिर प्रफुल्ल पटेल की ओर से शरद पवार को देवता बताया जाना अनायास नहीं है। इसके मायने हैं, जो निकाले जा रहे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चाएं जोरों पर हैं कि क्या पवार फैमिली के दोनों खेमों में एकता हो सकती है। दरअसल इसकी शुरुआत अजित पवार खेमे से नहीं बल्कि शरद पवार गुट से ही हुई थी। बीते साल 14 दिसंबर को शरद पवार की पार्टी के विधायक और रिश्ते में उनके पोते रोहित पवार की मां सुनंदा का बयान आया था। सुनंदा पवार का कहना था कि यह जरूरी है कि अजित पवार और शरद पवार एक हो जाएं। राज्य और परिवार के लिए यह अच्छी बात होगी। इस तरह शरद पवार खेमे से ही एकता की पहल की गई थी, जिसे अजित पवार गुट ने भी मजबूती से उठाया है।

महाराष्ट्र और एनसीपी की राजनीति को समझने वाले मानते हैं कि इन बयानों के पीछे अंदरखाने पक रही खिचड़ी है। दरअसल दोनों गुट भविष्य की राजनीति के लिए एकता चाहते हैं और पूरी संभावना है कि शरद पवार की इसमें हामी है। शरद पवार के एकता चाहने के भी कई कारण हैं। वह 84 वर्ष के हो चुके हैं और अगले विधानसभा चुनाव तक उनकी आयु 90 के करीब होगी। उनकी बेटी सुप्रिया सुले भले ही लगातार बारामती से सांसद चुनी जा रही हैं, लेकिन वह कोई जननेता नहीं बन सकी हैं। ऐसे में शरद पवार के बिना कैसे सुप्रिया सुले आगे बढ़ेंगी। यह चिंता की बात होगी। माना जा रहा है कि इसीलिए शरद पवार भतीजे के ही साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। इससे पार्टी मजबूत रहेगी और परिवार के भी सभी लोगों के लिए संभावना बनी रहेगी।

विधानसभा चुनाव में शरद पवार की पार्टी को करारा झटका लगा है, जबकि अजित पवार की पार्टी 41 विधायक जिताने में सफल रही। इस तरह शरद पवार खेमे को सूबे की सियासत में झटका लगा है। वहीं भाजपा के लिए भी यह एकता फायदेमंद होगी। लोकसभा में शरद पवार के सांसदों की ताकत उसे मिल जाएगी, जबकि विधानसभा में भी मामला एकतरफा जैसा हो जाएगा। अब तक अजित पवार या शरद पवार ने आधिकारिक तौर पर एकता को लेकर कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि परिवार और नेताओं से ऐसे बयान दिलाकर पहले माहौल बनाया जा रहा है। इसके बाद कभी भी उचित मौका देखकर साथ आने की पहल हो सकती है।

शरद पवार हमारे देवता, एनसीपी के दोनों धड़े जल्द हों एक; प्रफुल्ल पटेल की अपील

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा की भारी जीत के बाद, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी पर अलग-थलग पड़ने का संकट गहराता दिख रहा है। इस राजनीतिक परिदृश्य में अब अजित पवार और उनके सहयोगियों को शरद पवार की अहमियत का अहसास होने लगा है। एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने हाल ही में दोनों धड़ों के एकजुट होने की सार्वजनिक अपील करते हुए इसे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की साझा इच्छा बताया। अजित पवार की मां आशा पवार ने नए साल पर पंढरपुर स्थित विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में प्रार्थना करते हुए शरद पवार और अजित पवार के बीच सभी मतभेद खत्म होने की कामना की। उन्होंने कहा, मैंने प्रार्थना की कि शरद पवार और अजित पवार फिर से एक हो जाएं और सभी विवाद समाप्त हो जाएं। उनके इस बयान के बाद पार्टी के कई नेताओं ने भी ऐसा ही संदेश दिया। प्रफुल्ल पटेल ने इसे भावनात्मक मुद्दा बताते हुए कहा, शरद पवार हमारे देवता हैं। यदि परिवार एकजुट हो जाता है, तो यह हम सभी के लिए खुशी की बात होगी। वहीं, एनसीपी विधायक नरहरि जिरवाल ने भी शरद पवार के प्रति अपनी वफादारी व्यक्त की और कहा कि उन्हें शरद पवार से अलग होने पर असहजता महसूस होती है। एनसीपी (अ) के प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने भी दोनों धड़ों के एक होने की संभावना जताई, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि शरद पवार के करीबियों जैसे जितेंद्र आव्हाड और रोहित पवार से इस एकता में रुकावट पैदा हो सकती है। मिटकरी ने कहा, आशा पवार की प्रार्थना सभी एनसीपी कार्यकर्ताओं की प्रार्थना है। लेकिन कुछ लोग इस एकता को रोकना चाहेंगे। भाजपा ने इस पर तटस्थ रुख अपनाया है।

केरल के कन्नूर में स्टूडेंट्स को ले जा रही स्कूल बस पलटी, चपेटे में आई बच्ची की मौत, 18 घायल

कन्नूर, एजेंसी। केरल के कन्नूर जिले के वलक्कई में एक स्कूल बस के पलट जाने से 5वीं कक्षा की एक बच्ची की मौत हो गई। पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि बस में बैठी बच्ची बस से बाहर गिर गई और बस पलट जाने से उसकी कुचलकर मौत हो गई। वहीं इस हादसे में 18 अन्य छात्राएं घायल हो गई हैं। इनमें में से एक की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक यह बस कन्नूर जिले के कुरुमाथुर में चिन्मय स्कूल की थी। जब यह दुर्घटना हुई तब बस में 20 छात्र सवार थे। जानकारी के मुताबिक बस ने सामने से आ रही दूसरी गाड़ी को रास्ता देते वक्त संतुलन खो दिया और सड़क पर पलट गई। केरल सरकार के जनसंपर्क विभाग ने बताया, दुर्घटना में 15 बच्चे घायल हुए हैं। यह घटना वलक्कई पुल के पास हुई जब बस ने ढलान पर नियंत्रण खो दिया और पलट गई। सूत्रों ने इसे ब्रेक फेल होने का मामला भी बताया है। हालांकि पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों ने आनन फानन में घायल छात्रों को इलाज के लिए तालीपरम्बा तालुक अस्पताल पहुंचाया। घटना की वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है और यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में स्कूल बस अचानक नियंत्रण खोती हुई और सड़क पर पलटती हुई दिखाई दे रही है। इसके तुरंत बाद स्थानीय लोगों को बस की ओर भागते हुए देखा जा सकता है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस वीडियो की

प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। वहीं मामले में स्कूल अधिकारियों की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से गाड़ी चलाना), 125 (ए) (लापरवाही या लापरवाही के कारण मानव जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 106 (1) (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया है।

उत्तराखंड में जल्द लागू होगा यूसीसी, सीएम धामी ने सोशल मीडिया पोस्ट से दिए संकेत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में जल्द ही यूसीसी यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा. मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया एक्स पर साल के पहले दिन एक पोस्ट किया. इस पोस्ट का निष्कर्ष यही है कि उत्तराखंड में बहुत जल्द समान नागरिक संहिता लागू होने जा रही है. इससे पहले भी सीएम धामी जनवरी 2025 में यूसीसी लागू करने की बात कह चुके हैं. उत्तराखंड में जल्द लागू होगा यूसीसीः उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा- देवभूमि उत्तराखण्ड की देवतुल्य जनता के आशीर्वाद से हम प्रदेश में नागरिकों को समान अधिकार देने के लिए यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड लागू करने जा रहे हैं, यह क़ानून न केवल समानता को बढ़ावा देगा बल्कि देवभूमि के मूल स्वरूप को बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगा। सीएम धामी ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्टः इस पोस्ट के साथ सीएम धामी ने जो पोस्टर साझा किया है उसमें शीर्षक है उम्मीदों का नया साल 2025. पोस्टर में बाएं ओर लिखा है समान

नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड. दाएं तरफ लिखा है प्रदेश के समस्त नागरिकों को मिलेंगे समान अधिकार, अन्य राज्यों के लिए उत्तराखंड बनेगा पथ प्रदर्शक. पोस्टर में समान नागरिक संहिता का सांकेतिक चित्र है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ सीएं धामी की फोटो भी लगी है. पीएम मोदी ने तस्वीर में भगवा रंग की उत्तराखंडी टोपी पहनी है. वहीं सीएम धामी ने भी उत्तराखंड की पारंपरिक टोपी पहनी हुई है.

पीएम और गृहमंत्री कर चुके हैं तारीफः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की इस पोस्ट से लग रहा है कि बहुत जल्द उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा. अगर ऐसा होता है तो उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा. पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पहले ही उत्तराखंड के यूनिफॉर्म सिविल कोड की तारीफ कर चुके हैं।

पाकिस्तान में विभाजन के आसार ! डर कर चौकियां छोड़ भाग गई पाक सेना, हाथ से निकल जाएगा अहम राज्य

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में सेना की कमजोर स्थिति सामने आई है। काबुल फ्रंटलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, खैबर एजेंसी में पाक सेना ने अपनी कई चौकियां खाली कर दी हैं। सेना के इस कदम ने इलाके में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट जैसे आतंकी गुट केपी और बलूचिस्तान में सक्रिय हैं। 20 दिसंबर के बाद से ही पाक सेना और सुरक्षा बलों पर बड़े हमले हो चुके हैं। हाल के महीनों में इन हमलों में 15 से अधिक जवान अपनी जान गंवा चुके हैं।

पाकिस्तान की संसद में इस मुद्दे को लेकर हंगामा हुआ। पीटीआई नेताओं ने खैबर पख्तूनख्वा में चौकियों के खाली होने और सेना की कमजोरी पर सरकार से जवाब मांगा। सेना की इस रणनीति ने सरकार के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। पाक सेना ने टीटीपी और अन्य गुटों के खिलाफ केपी और बलूचिस्तान में हवाई हमले किए। लेकिन इन हमलों का असर उल्टा हुआ, और सैन्य ठिकानों पर आतंकियों के हमले और तेज हो गए। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का एक अहम क्षेत्र है, जो

अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। इस क्षेत्र में अस्थिरता और लगातार हो रहे हमलों ने पाक सेना और सरकार की स्थिति कमजोर कर दी है।

टीटीपी और बीएलएफ जैसे आतंकी संगठन पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर विद्रोह कर रहे हैं। उनकी गतिविधियों ने खैबर पख्तूनख्वा में सेना और प्रशासन की पकड़ कमजोर कर दी है। खैबर पख्तूनख्वा में पाक सेना का कमजोर होना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो यह इलाका पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो सकता है। खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ते हमले और सेना का पीछे हटना पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। यह स्थिति न केवल सेना की कमजोर रणनीति को उजागर करती है, बल्कि इस क्षेत्र में सरकार की घटती पकड़ को भी दिखाती है।

जो बाइडन ने लास वेगास में हुए विस्फोट की जांच के दिए आदेश

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने लास वेगास के ट्रंप होटल के बाहर हुए एक विस्फोट की घटना पर प्रतिक्रिया दी और मामले की जांच करने का आदेश दिया। यह विस्फोट एक साइबरट्रक में हुआ था। बाइडेन ने कहा कि यह विस्फोट एक गंभीर घटना है और इसकी जांच की जा रही है।

इसके अलावा बाइडन ने इस विस्फोट को न्यू ऑरलियन्स में हुए एक हमले से जोड़ने की कोशिश भी की। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई सीधा संबंध है या नहीं लेकिन बाइडन के अनुसार अधिकारियों को हर पहलू की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी लिंक (संपर्क) हो तो उसे तुरंत सामने लाया जाए। बाइडेन ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस मामले की जांच में मदद के लिए सभी आवश्यक संसाधन राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उपलब्ध कराएं। इसके अलावा उन्होंने न्यू ऑरलियन्स में हुई घटना की जांच को भी जल्द से जल्द पूरा करने की बात की ताकि किसी भी तरह की आपात स्थिति या खतरे

को समय रहते रोका जा सके। वहीं बाइडन के आदेश के बाद जांचकर्ताओं ने लास वेगास और न्यू ऑरलियन्स दोनों जगहों पर पूरी गंभीरता से मामले की जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि सुरक्षा और जांच में कोई कमी नहीं होनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं का जल्दी से पता लगाया जा सके और दोषियों को सजा दिलवाई जा सके।

इस्राइल के बाद अब फलस्तीन में भी अल जजीरा के प्रसारण पर रोक

भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने का आरोप

रामल्लाह, एजेंसी। एक चौंकाने वाले फैसले के तहत फलस्तीनी प्रशासन ने भी कतर के अल जजीरा मीडिया चैनल के प्रसारण पर रोक लगा दी। फलस्तीनी प्रशासन का कहना है कि अल जजीरा उकसावे वाली सामग्री का प्रसारण कर रहा था। फलस्तीन की सरकारी मीडिया एजेंसी ने एक बयान जारी कर कहा कि संस्कृति, आंतरिक और संचार मंत्रालयों वाली विशेष मंत्रिस्तरीय समिति ने अल जजीरा के प्रसारण को निलंबित करने और फलस्तीन में इसके कार्यालय की सभी गतिविधियों को रोकने का फैसला किया है।

फलस्तीनी प्रशासन ने अल जजीरा के प्रसारण पर लगाई रोकः फलस्तीनी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है, इस फैसले में फलस्तीनी कानूनों और विनियमों के उल्लंघन के कारण अल जजीरा के सभी पत्रकारों, कर्मचारियों, क्रू और संबद्ध चैनलों के काम को अस्थायी रूप से रोकना भी शामिल है। फलस्तीनी प्रशासन ने कहा कि अल जजीरा द्वारा लगातार भड़काऊ सामग्री और गलत सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। यह देशद्रोह और फलस्तीन के आंतरिक मामलों में दखल है। जिसके बाद प्रशासन ने चैनल के कामकाज को निलंबित करने का फैसला किया है। फलस्तीन के रामल्लाह स्थित अल जजीरा के नेटवर्क कार्यालय ने भी इस निलंबन की पुष्टि की है और कहा कि उन्हें इस संबंध में आदेश प्राप्त हुआ है।

हमास ने फैसले की आलोचना कीः हमास ने एक बयान जारी कर अल जजीरा के प्रसारण पर रोक की आलोचना की है। हमास ने कहा कि यह फैसला फलस्तीनी प्राधिकरण की मनमानी को दर्शाता है और यह सार्वजनिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं को कम करना और फलस्तीनी

लोगों पर अपनी सुरक्षा पकड़ को मजबूत करने के चलते लिया गया है। हमास ने कहा कि हम फलस्तीनी प्राधिकरण से तुरंत इस फैसले को वापस लेने की मांग करते हैं। मीडिया कवरेज की निरंतरता जरूरी है और इससे कब्जे को उजागर करने में मदद मिलती है।

फलस्तीनी प्राधिकरण ने क्यों लगाई रोक?: इस्राइल द्वारा अक्सर अल जजीरा चैनल पर पक्षपाती रिपोर्टिंग करने और उकसावे वाली सामग्री का प्रसारण करने का आरोप लगाया जाता है। यही वजह है कि इस्राइल में भी अल जजीरा पर रोक है, लेकिन अब फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा भी इस पर रोक लगाना चौंकाता है। दरअसल फलस्तीन के जेनिन इलाके में राष्ट्रपति महमूद अब्बास के फतह आंदोलन और हमास और अन्य आतंकी गुटों के बीच झड़पें जारी हैं। अल जजीरा द्वारा इन झड़पों का प्रसारण करने के चलते राष्ट्रपति अब्बास कथित तौर पर अल जजीरा से नाराज बताए जा रहे थे। अब्बास ने दिसंबर के अंत में चैनल की कड़ी निंदा की थी। गौरतलब है कि फलस्तीन के पश्चिमी तट क्षेत्र पर फलस्तीनी प्राधिकरण का नियंत्रण है, जबकि गाजा पर हमास का कब्जा था। गाजा में इस्राइली हमलों के चलते हमास समर्थक पश्चिमी तट के जेनिन पहुंच गए हैं, जिसके चलते हमास समर्थकों और फलस्तीनी प्राधिकरण के सुरक्षाबलों के बीच झड़पें बढ़ गई हैं। बीते कुछ दिनों में हुई झड़पों में जेनिन में सुरक्षा कर्मियों, उग्रवादियों और नागरिकों समेत 11 लोगों की मौत हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129